page 1 and 8_page 1 Mar 25 final ds.qxd 11/21/2025 1:27 AM Page 1

epaper.dehatsandesh.com

3 एमए रोड, रेजीडेंसी रोड 'नो ई-रिक्शा जोन' घोषित

5 महित संधू ने 50 मीटर राइफल प्रोन में सिल्वर जीता

8 चने की उन्नत खेती कैसे करें

मौसम जम्मू — न्यूनतम 11 — अधिकतम 21

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

देहात संदेश

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

वर्ष-22, जम्मू तवी, अंक-285 | जम्मू तवी, शुक्रवार 21 नवम्बर, 2025 | मूल्य-3 रूपये- (लेह) 4 रूपये | पृष्ठ -8

जम्मू तेज़ी से ट्रेड और लॉजिस्टिक्स हब के तौर पर उभर रहा है : उपराज्यपाल

जम्मू, 20 नवंबर । लेफ्टिनेंट गवर्नर मनोज सिन्हा ने गुरुवार को कहा कि जम्मू तेज़ी से ट्रेड और लॉजिस्टिक्स हब के तौर पर उभर रहा है जो लद्दाख और कश्मीर घाटी को देश के ट्रेड कॉरिडोर से जोड़ रहा है। उन्होंने कहा कि पिछले पांच सालों में सड़क और रेल कनेक्टिविटी में हुई काफ़ी बढ़ोतरी ने इस इलाके की बहुत ज्यादा संभावनाओं को सामने लाया है। लेफ्टिनेंट गवर्नर इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स द्वारा आयोजित जम्मू ट्रेड एंड लॉजिस्टिक्स कॉन्क्लेव-2025 में बोल रहे थे। अपने भाषण में लेफ्टिनेंट गवर्नर ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में नेशनल लॉजिस्टिक्स पॉलिसी ने लॉजिस्टिक्स इकोसिस्टम में सुधारों को तेज़ किया है और डिजिटल इंटीग्रेशन, स्किल डेवलपमेंट और इंफ्रास्ट्रक्चर प्लानिंग में क्रांति ला दी है। लेफ्टिनेंट गवर्नर ने कहा कि स्टोरेज, मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी, लॉजिस्टिक्स क्षमता और लास्ट-माइल कनेक्टिविटी ने यह पक्का किया है कि दूर-दराज के इलाके विकास की मुख्यधारा से जुड़े रहें। ई-कॉमर्स की पहुंच और बढ़ता रिटेल सेक्टर भी वेयरहाउसिंग और लॉजिस्टिक्स सेक्टर की पहुंच बढ़ाने में अहम भूमिका निभा रहा है। जम्मू कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश इस असाधारण बदलाव का जीता-जागता उदाहरण है। उन्होंने स्मार्ट लॉजिस्टिक्स इंफ्रास्ट्रक्चर और बेहतर लॉजिस्टिक्स ऑपरेशन के ज़रिए जम्मू कश्मीर की विकास संबंधी ज़रूरतों को पूरा करने की अपील की। लेफ्टिनेंट गवर्नर ने कहा कि हमारी अर्थव्यवस्था को आत्मनिर्भर बनाने, प्रोड्यूसर्स को सीधे कंज्यूमर्स से जोड़ने और हमारे व्यापारियों, उद्योगपतियों, किसानों, कारीगरों और एमएसएमईस की उम्मीदों को पूरा करने के लिए एक मज़बूत स्टोरेज, लॉजिस्टिक्स और वेयरहाउस इकोसिस्टम समय की ज़रूरत है। लेफ्टिनेंट गवर्नर ने जम्मू-कश्मीर को ज्यादा कॉम्पिटिटिव और इन्वेस्टमेंट के लिए तैयार जगह बनाने के मकसद से शुरू की गई खास कोशिशों के बारे में भी बताया। लेफ्टिनेंट गवर्नर ने कहा कि जम्मू और कश्मीर लॉजिस्टिक्स पॉलिसी 2025 जल्द ही जारी की जाएगी। नई पॉलिसी में मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी, ड्राई पोर्ट और वेयरहाउसिंग ज़ोन के डेवलपमेंट और प्राइवेट सेक्टर की भागीदारी को बढ़ावा देने पर फोकस करते हुए एक बड़ा फ्रेमवर्क पेश किया जाएगा। यह लॉजिस्टिक सेक्टर को इंडस्ट्री का दर्जा भी देगा, जिससे यह पक्का होगा कि इसे इंडस्ट्रियल पॉलिसी के सभी फायदे मिलें उन्होंने कहा कि गतिशक्ति नेशनल मास्टर प्लान के तहत 3,000 करोड़ रुपये के 49 बड़े लॉजिस्टिक्स और कनेक्टिविटी प्रोजेक्ट्स की मैपिंग पहले ही की जा चुकी है जो रियल-टाइम कोऑर्डिनेशन और तेज़ी से काम पूरा करने में मदद करते हैं। उन्होंने कहा कि इंटीग्रेटेड प्लानिंग अप्रोच जम्मू-कश्मीर को लॉजिस्टिक्स की कमियों को पहचानने, इंडस्ट्रियल एस्टेट तक लास्ट-माइल कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने, माल ढुलाई को बेहतर बनाने और लॉजिस्टिक्स की लागत और ट्रांज़िट टाइम को काफी कम करने में मदद कर रहा है लेफ्टिनेंट गवर्नर ने आगे कहा कि जम्मू के विजयपुर में एक मल्टी-मॉडल लॉजिस्टिक्स पार्क को पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप मॉडल के ज़रिए, बिल्ड-डेवलप-फाइनेंस-ऑपरेट-ट्रांसफर अप्रोच के तहत डेवलप किया जाएगा।

> "J&K लॉजिस्टिक्स पॉलिसी 2025 जल्द ही जारी की जाएगी

जम्मू-कश्मीर के सरकारी मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल में डॉक्टरों, मेडिकल स्टाफ के लॉकरों की जांच की

अधिकारियों ने बताया कि यह कार्रवाई गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज अनंतनाग में की गई जहां इस महीने की शुरुआत में डॉ. अदील राथर के लॉकर से एक एके-47 राइफल बरामद की गई थी

श्रीनगर, 20 नवंबर । जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले में अधिकारियों ने गुरुवार को एक सरकारी मेडिकल कॉलेज में डॉक्टरों और मेडिकल स्टाफ के लॉकरों की जांच की।

अधिकारियों ने बताया कि यह हाल ही में दिल्ली में हुए धमाके और व्हाइट कॉलर टेरर मॉड्यूल में हथियार और गोला-बारूद की बरामदगी के बाद सुरक्षा बढ़ाने के उपायों के तहत किया गया साथ ही ट्रांसपेरेंसी, जवाबदेही और हॉस्पिटल के इंफ्रास्ट्रक्चर का सही इस्तेमाल पक्का करने के लिए भी किया गया।

अधिकारियों ने बताया कि यह कार्रवाई गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज अनंतनाग में की गई जहां इस महीने की शुरुआत में डॉ. अदील राथर के लॉकर से एक एके-47 राइफल बरामद की गई थी।

डॉक्टर की गिरफ्तारी से व्हाइट कॉलर टेरर मॉड्यूल का भंडाफोड़ हुआ जिसमें कई डॉक्टर शामिल थे और लगभग 2900 किलोग्राम विस्फोटक सामग्री बरामद हुई।

उन्होंने आगे कहा कि अनंतांग पुलिस ने हॉस्पिटल एडमिनिस्ट्रेशन के साथ मिलकर हॉस्पिटल में लॉकरों की पूरी जांच की। जांच के दौरान लावारिस लॉकरों की पहचान की गई और हॉस्पिटल अधिकारियों को किसी भी तरह के गलत इस्तेमाल को रोकने के लिए रिकॉर्ड अपडेट करने का निर्देश दिया गया।

संक्षेप खबर

पुलिस ने कुख्यात ड्रग तस्कर पर एनडीपीएस अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया

शोपियां , 20 नवंबर । मादक पदार्थों की तस्करी को खत्म करने और जन सुरक्षा को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ी पहल करते हुए शोपियां पुलिस ने एक कुख्यात और आदतन ड्रग तस्कर मोहम्म शफी शेख निवासी गदापोरा शोपियां के खिलाफ मादक पदार्थों की तस्करी की रोकथाम अधिनियम, नारकोटिक ड्रग आईटी, 1988 के प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया है।

शोपियां पुलिस द्वारा प्रस्तुत एक विस्तृत डोजियर के बाद कश्मीर के संभागीय आयुक्त द्वारा हिरासत आदेश जारी किया गया। डोजियर में व्यक्ति की अवैध मादक पदार्थों की तस्करी में निरंतर संलिप्तता का विवरण दिया गया है। आरोपी एक बार-बार अपराधी रहा है जिसका नाम मादक पदार्थों से संबंधित कई प्राथमिकियों में दर्ज है और वह जम्मू के कोट भलवाल केंद्रीय कारागार में बंद है।

इस व्यक्ति की गतिविधियों से जन स्वास्थ्य, शांति और कमजोर युवाओं की भलाई को गंभीर खतरा होने के कारण यह निवारक हिरासत आवश्यक थी। यह कार्रवाई जम्मू-कश्मीर पुलिस की मादक पदार्थों की तस्करी और तस्करी के प्रति शून्य-सहिष्णुता की नीति को रेखांकित करती है और समाज से मादक पदार्थों के खतरे को जड़ से मिटाने के शोपियां पुलिस के दृढ़ संकल्प को दर्शाती है।

दिल्ली ब्लास्ट केस में एनआईए ने श्रीनगर से 4 और मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार किया

श्रीनगर, 20 नवंबर । राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने गुरुवार को दिल्ली विस्फोट मामले में चार और मुख्य आरोपितों को गिरफ्तार किया है, जिससे इस मामले में अब गिरफ्तारियों की कुल संख्या छह हो गई है।

एनआईए प्रवक्ता ने गुरुवार को कहा कि पटियाला हाउस कोर्ट के ज़िला सत्र न्यायाधीश के पेशी आदेश पर एनआईए ने श्रीनगर में चारों आरोपितों को हिरासत में लिया। इनमें पुलवामा निवासी डॉ. मुज़म्मिल शकील गनई, अनंतनाग निवासी डॉ. अदील अहमद राथर, लखनऊ निवासी डॉ. शाहीन सईद और शोपिया निवासी मुफ़्ती इरफ़ान अहमद वागे हैं। एनआईए ने बयान में कहा है कि इन सभी ने उस आतंकवादी हमले में अहम भूमिका निभाई थी, जिसमें कई निर्दोष लोग मारे गए थे और कई अन्य घायल हुए थे।

एनआईए ने मामले की जांच में तेज़ी लाते हुए पहले आमिर राशिद अली को गिरफ्तार किया था, जिसके नाम पर विस्फोट में इस्तेमाल की गई कार पंजीकृत थी। इसके बाद जसीर बिलाल वानी उर्फ दानिश को गिरफ्तार किया गया, जिसने घातक हमले में शामिल आतंकवादी को तकनीकी सहायता प्रदान की थी। मामले में पूरी आतंकी साजिश का पर्दाफाश करने के लिए उनसे पूछताछ की जा रही है।

जनजातीय समुदायों का योगदान भारत के इतिहास में एक गौरवशाली अध्याय : राष्ट्रपति

रायपुर, 20 नवंबर। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु आज छत्तीसगढ़ सरकार के सरगुजा जिले के अंबिकापुर में आयोजित जनजातीय गौरव दिवस समारोह में कहा कि जनजातीय समुदायों का योगदान भारत के इतिहास में एक गौरवशाली अध्याय है, जो लोकतंत्र की जननी है। इसके उदाहरण प्राचीन गणराज्यों के साथ-साथ कई जनजातीय परंपराओं में भी देखे जा सकते हैं, जैसे कि बस्तर में मुरिया दरबार जो आदिम लोगों की संसद है।

राष्ट्रपति मुर्मु ने बतौर मुख्य अतिथि कहा कि जनजातीय विरासत की जड़ें छत्तीसगढ़, ओडिशा और झारखंड सहित देश के विभिन्न हिस्सों में गहरी हैं। उन्होंने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि इस वर्ष छत्तीसगढ़ सरकार ने 01 नवंबर से 15 नवंबर तक जनजातीय गौरव पखवाड़े को बड़े स्तर पर मनाया। उन्होंने रेखांकित किया कि पिछले एक दशक में जनजातीय समुदायों के विकास और कल्याण के लिए राष्ट्रीय स्तर पर योजनाएँ विकसित और कार्यान्वित की गई हैं। पिछले वर्ष, गांधी जयंती के अवसर पर 'धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान' शुरू किया गया था। इस अभियान का लाभ देश भर के 5 करोड़ से अधिक जनजातीय भाई-बहनों तक पहुँचेगा। वर्ष 2023 में, 75 विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों (पीवीटीजी) के सामाजिक और आर्थिक विकास के लिए प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महा अभियान (पीएम-जनमन अभियान) शुरू किया गया। ये सभी योजनाएँ इस बात का प्रमाण हैं कि सरकार जनजातीय समुदायों को कितनी प्राथमिकता देती है। उन्होंने कहा कि जनजातीय समुदायों के विकास प्रयासों को नई ऊर्जा देने के लिए भारत सरकार ने भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के वर्ष के दौरान 'आदि कर्मयोगी अभियान' शुरू किया है। उन्होंने उल्लेख किया कि इस अभियान के तहत देश भर में लगभग 20 लाख स्वयंसेवकों का एक नेटवर्क तैयार किया जा रहा है।

जम्मू, कठुआ, सांबा में भारत-पाक बॉर्डर पर सर्च ऑपरेशन

जम्मू तवी, 20 नवंबर। अधिकारियों ने बताया कि सिक्योरिटी फोर्स ने गुरुवार को कठुआ, सांबा और जम्मू जिलों में भारत-पाक बॉर्डर और अंदरूनी इलाकों में सर्च ऑपरेशन चलाया। यह विजिलेंस बढ़ाने के लिए एक सिक्योरिटी ड्रिल का हिस्सा था।

उन्होंने बताया कि फोर्स ने कठुआ के कोरेपन्नू और मरहीन गांवों में; सदोह और अरंगल गांवों के बीच, खासकर सांबा जिले के मावा गांव के पास जंगली इलाकों के अलावा जम्मू के चौकी चौरा इलाके में सर्च ऑपरेशन चलाया।

अधिकारियों के मुताबिक, जम्मू-कश्मीर पुलिस के स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप, बॉर्डर पुलिस और बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स द्वारा चलाए गए जॉइंट सर्च ऑपरेशन का मकसद भारत-पाक बॉर्डर के इलाकों में सिक्योरिटी मजबूत करना और विजिलेंस बढ़ाना था।

इंटरनेशनल बॉर्डर पर सिक्योरिटी सिस्टम का रिव्यू करने के लिए, कठुआ की सीनियर सुपरिंटेंडेंट ऑफ़ पुलिस , मोहिता शर्मा ने निचले कठुआ में एंटी-इनफिल्ट्रेशन ग्रिड का ग्राउंड रिव्यू किया, और हीरानगर और राजबाग इलाकों में दूर-दराज के गांवों और सिक्योरिटी कैंपों का दौरा किया।

अधिकारियों ने बताया कि उन्होंने मलामन और चिंगारा चौकियों का इंस्पेक्शन किया और वहां तैनात जवानों से बातचीत की। उन्हें पिछले इनफिल्ट्रेशन रूट, विलेज डिफेंस गार्ड्स और इलाके की खास बातों के बारे में जानकारी दी गई।

जम्मू कश्मीर के ऊंचे इलाकों में 2-3 दिसंबर को हल्की बर्फबारी की संभावना

श्रीनगर, 20 नवंबर । मौसम विज्ञान केंद्र श्रीनगर ने गुरुवार को अपनी नई एडवाइज़री में कहा कि जम्मू और कश्मीर के कुछ ऊंचे इलाकों में 2-3 दिसंबर को थोड़ी देर के लिए 'बहुत हल्की बर्फबारी' हो सकती है। इसमें 22 नवंबर से ज्यादा से ज्यादा और कम से कम तापमान में 1-2 डिग्री सेल्सियस की और गिरावट का अनुमान है।

अधिकारियों ने कहा कि अभी का सूखा मौसम 1 दिसंबर तक जारी रहने की संभावना है। उन्होंने कहा कि 2-3 दिसंबर को दोपहर तक बादल छाए रहने की संभावना है और जम्मू-कश्मीर के कुछ ऊंचे इलाकों में हल्की बर्फबारी का अनुमान है और कहा कि इसके बाद 10 दिसंबर तक मौसम सूखा रहने की संभावना है।

जम्मू के ड्रग पेडलर विशाल कुमार की 15 लाख की प्रॉपर्टी पुलिस ने की अटैच

जम्मू, 20 नवंबर। नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस एक्ट के तहत एक बड़ी कार्रवाई में जम्मू पुलिस साउथ ज़ोन ने विशाल कुमार की चल प्रॉपर्टी यानी स्कॉर्पियो एस11 जिसका रजिस्ट्रेशन नंबर जेके08जी 3535 है को एनडीपीएस एक्ट के सेक्शन 68(एफ) के तहत लगभग 15 लाख कीमत की अटैच/सीज़ किया है। आरोपी विशाल कुमार पुत्र राम सिंह निवासी बूट पॉलिश मोहल्ला राजीव नगर, नरवाल जिला जम्मू, पुलिस स्टेशन बहुफोर्ट में सेक्शन 8/21/22/25/27।/29 एनडीपीएस एक्ट और 111 बीएनएस के तहत एफआईआर नंबर 295/2025 में शामिल है।संपत्ति की अटैचमेंट इन्वेस्टिगेटिंग ऑफिसर, आइसी पुलिस थाना नरवाल ने एनडीपीएस एक्ट के प्रोविज़न के अनुसार की। अटैचमेंट का ऑर्डर उस एक्ट के तहत कार्रवाई के हिस्से के तौर पर जारी किया गया था।पूरा ऑपरेशन एसएसपी जम्मू की देखरेख और एसपीसिटी साउथ, एसडीपीओ सिटी ईस्ट और एसएचओ पुलिस थाना बाहु फोर्ट के सीधे गाइडेंस में किया गया। जम्मू पुलिस समाज से ड्रग्स की बुराई को खत्म करने के लिए अपनी पक्की कमिटमेंट दोहराती है और कानून के तहत अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करती रहेगी।

डुल्लू ने हाईवे और टनल के काम की समीक्षा की

जम्मू, 20 नवंबर। चीफ सेक्रेटरी अटल डुल्लू ने आज एक हाई-लेवल मीटिंग की अध्यक्षता की। इसमें प्रोजेक्ट बीकन, प्रोजेक्ट संपर्क, NHAI, NHIDCL और पब्लिक वर्क्स डिपार्टमेंट द्वारा जम्मू-कश्मीर में चल रहे बड़े हाईवे और रोड डेवलपमेंट प्रोजेक्ट्स के स्टेटस का रिव्यू किया गया। मीटिंग में एडिशनल चीफ सेक्रेटरी, पब्लिक वर्क्स डिपार्टमेंट; डिविजनल कमिश्नर, जम्मू/कश्मीर; सेक्रेटरी ट्रांसपोर्ट; इंजीनियर-इन-चीफ वर्क्स; रीजनल ऑफिसर, NHAI; प्रोजेक्ट बीकन और प्रोजेक्ट संपर्क के चीफ इंजीनियर और दूसरे सीनियर ऑफिसर शामिल हुए। सभी डिप्टी कमिश्नर ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए हिस्सा लिया। चीफ सेक्रेटरी ने UT में बन रहे सभी बड़े हाईवे पर प्रोग्रेस का प्रोजेक्ट-वाइज और पैकेज-वाइज असेसमेंट किया। उन्होंने काम पूरा होने की डिटेल्ड

टाइमलाइन मांगी और काम कर रही एजेंसियों को आ रही दिक्कतों के बारे में पूछा। उन्होंने निर्देश दिया कि कंस्ट्रक्शन मटीरियल निकालने की परमिशन सख्ती से पक्की होनी चाहिए और इसका इस्तेमाल सिर्फ तय प्रोजेक्ट्स के लिए ही किया जाना चाहिए। डिप्टी कमिश्नरों को मुआवज़े के मामलों में तेज़ी लाने और समय पर पैसे देने का निर्देश दिया गया, ताकि सभी प्रोजेक्ट पैकेज पर एक साथ काम करने के लिए ज़मीन तुरंत एग्ज़िक्यूटिव एजेंसियों को दी जा सके। उन्होंने जहाँ भी ज़रूरत हो, फ़ॉरेस्ट क्लियरेंस तुरंत देने के लिए भी कहा। दोनों डिवीज़नल कमिश्नरों को बिना देर किए समस्याओं को हल करने और काम की रफ़्तार बनाए रखने के लिए इम्प्लीमेंटिंग एजेंसियों के साथ रेगुलर बातचीत करने के लिए कहा गया। चीफ़ सेक्रेटरी ने ज़ोर दिया कि जहाँ एडमिनिस्ट्रेशन सभी ज़रूरी मदद देगा, वहीं एजेंसियों को तय टाइमलाइन का सख्ती से पालन करना होगा। पब्लिक वर्क्स डिपार्टमेंट को नए बन रहे DPR को फ़ाइनल करने और उनका पालन करने के लिए कहा गया, ताकि ये ज़रूरी प्रोजेक्ट तेज़ी से टेंडरिंग और एग्ज़िक्यूशन स्टेज पर जा सकें।

श्रीनगर-बारामूला-उरी रोड, खानबल-बालटाल रोड, पीर की गली और साधना टनल के लिए अलाइनमेंट फिक्सिंग, अखनूर-पुंछ रोड पूरा होने की स्थिति, NH के लिए ड्रेजिंग परमिशन, मंगम-दूधपथरी-शोपियां-पुंछ रोड, दिल्ली-अमृतसर-कटरा एक्सप्रेसवे, कालूचक-पुरमंडल-डोमेल रोड, चौथा तवी ब्रिज, जम्मू समेत कई फ्लैगशिप रोड कॉरिडोर का डिटेल्ड रिव्यू किया गया। चीफ सेक्रेटरी ने NH-44 पर टनल प्रोजेक्ट्स समेत कामों में तेज़ी लाने पर खास ज़ोर दिया। उन्होंने पटनीटॉप होते हुए नाशरी-चेनानी रोड, मारोग-डिगडोल टनल, डिगडोल से खूनी नाला टनल, मकरकोट से शेरबीबी टनल के प्रोग्रेस का रिव्यू किया, दिसंबर के आखिर से पहले बनिहाल से रामबन हिस्से की ब्लैक टॉपिंग पर खास तौर पर ज़ोर दिया जा रहा था।

पूरे भारत में कश्मीरियों की सुरक्षा पक्की करें; स्टीरियोटाइपिंग दुर्भाग्यपूर्णः सज्जाद लोन

श्रीनगर, 20 नवंबर। पीपुल्स कॉन्फ्रेंस के प्रेसिडेंट सज्जाद लोन ने गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से केंद्र शासित प्रदेश के बाहर कश्मीरियों की सुरक्षा पक्की करने की अपील की। लोन ने कहा कि कृपया यह पक्का करें कि कश्मीरियों सहित भारत के किसी भी नागरिक को उनके अपने देश में परेशान न किया जाए और देश भर में उनके साथ हो रही परेशानी की खबरों पर चिंता जताई। उन्होंने एक बयान में कहा कि पूरे भारत में कश्मीरियों के साथ परेशानी की खबरें आ रही हैं। दुर्भाग्य से एक कश्मीरी के बारे में स्टीरियोटाइपिंग पूरे देश में एक पसंदीदा शौक बन गया है। हंदवाड़ा से विधायक ने कहा कि परेशानी की घटनाएं नई नहीं हैं लेकिन पिछले 10 सालों में इनकी इंटेंसिटी बढ़ गई है। उन्होंने कहा कि यह कोई नया ट्रेंड नहीं है। बस यह पिछले एक दशक में और ज्यादा क्रॉनिक हो गया है। कश्मीरी परिवारों की चिंता की ओर इशारा करते हुए लोन ने कहा कि लाखों कश्मीरी बिज़नेस पढ़ाई या दूसरे काम के लिए देश के दूसरे हिस्सों में हैं। उन्होंने आगे कहा कि इन लोगों के परिवारों को सबसे ज्यादा चिंता इस बात की है कि कोई बुरी घटना न हो जिससे उनके

अपनों की सुरक्षा खतरे में पड़ जाए। लोन ने माना कि एक्सट्रीमिज़्म होता है लेकिन उन्होंने ज़ोर दिया कि इसे पूरे समुदाय के लिए नहीं माना जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि हाँ हर समाज में कट्टरपंथी पागल होते हैं लेकिन वे एक अजीब चीज़ हैं। इस बीच कुपवाड़ा से पीडीपी विधायक मीर मोहम्मद फैयाज ने हिमाचल प्रदेश के गवर्नर शिव प्रताप शुक्ला से कश्मीरी वेंडर्स को परेशान करने की घटना के बारे में बात की।

लोकतांत्रिक शक्तियों को अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर मिलकर करना होगा कार्यः जयशंकर

नई दिल्ली, 20 नवंबर । भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच सामरिक सहयोग को नई गति देने के उद्देश्य से आयोजित 16वें भारत-ऑस्ट्रेलिया विदेश मंत्री संवाद में द्विपक्षीय संबंधों की प्रगति, रणनीतिक साझेदारी की स्थिति और भविष्य की दिशा पर व्यापक चर्चा हुई।

विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने अपने शुरुआती वक्तव्य में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बढ़ती सामरिक निकटता और व्यापक सहयोग को रेखांकित किया। जयशंकर ने कहा कि आज भारत और ऑस्ट्रेलिया पहले की तुलना में कहीं अधिक आत्मविश्वासी साझेदार बनकर उभरे हैं। जटिल वैश्विक परिस्थितियों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि भारत और ऑस्ट्रेलिया जैसी लोकतांत्रिक शक्तियों को समुद्री सुरक्षा, आपूर्ति श्रृंखला सुदृढ़ता, आतंकवाद निरोध और जलवायु कार्रवाई जैसे मुद्दों पर मिलकर कार्य करना होगा।

रक्षा सहयोग पर विदेश मंत्री ने हालिया उच्चस्तरीय यात्राओं, साझा सैन्य अभ्यासों, इंटरऑपरेबिलिटी, समुद्री डोमेन जागरूकता और साइबर सुरक्षा को द्विपक्षीय विश्वास का प्रतीक बताया। आर्थिक संबंधों पर चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि व्यापक आर्थिक सहयोग समझौता (सीईसीए) अंतिम चरण में है और व्यापारिक आंकड़े लगातार मजबूत हो रहे हैं।

कौशल और शिक्षा के क्षेत्र में ऑस्ट्रेलियाई विश्वविद्यालयों की भारत में बढ़ती उपस्थिति को एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताते हुए उन्होंने कहा कि इससे नवाचार के नए मॉडल विकसित हुए हैं। ऊर्जा साझेदारी और नवीकरणीय ऊर्जा सहयोग में हुई प्रगति का भी उन्होंने उल्लेख किया। इसके साथ ही उन्होंने गगनयान मिशन में ऑस्ट्रेलिया के सहयोग और भारतीय प्रक्षेपण यान से ऑस्ट्रेलियाई उपग्रह प्रक्षेपित करने की योजना के लिए भी आभार व्यक्त किया। उन्होंने जोर देकर कहा कि विदेश मंत्रियों का यह ढांचा व्यापक रणनीतिक साझेदारी (सीएसपी) की सबसे महत्वपूर्ण कड़ियों में से एक है, जो लोकतांत्रिक मूल्यों, पारदर्शिता और मुक्त एवं सुरक्षित इंडो-पैसिफिक की साझा सोच को दर्शाता है।

4 स्कूलों की एफिलिएशन सस्पेंड, 8 पर जुर्माना लगाया

श्रीनगर, 20 नवंबर। जम्मू और कश्मीर बोर्ड ऑफ़ स्कूल एजुकेशन ने 4 स्कूलों की एफिलिएशन सस्पेंड कर दी है। इन स्कूलों में J&K BOSE की बताई गई किताबें न अपनाने की रिपोर्ट कन्फर्म होने के बाद यह फैसला लिया गया है। इन स्कूलों को कारण बताओ नोटिस जारी किया जा रहा है कि एफिलिएशन की शर्तों और नियमों को खुलेआम न मानने और J&K BOSE एक्ट का उल्लंघन करने के लिए उनकी एफिलिएशन क्यों न कैंसिल की जाए। आज यहां जारी एक प्रेस नोट में, J&K BOSE ने जानकारी देते हुए बताया कि रेडिएंट पब्लिक स्कूल, अनंतनाग, सोलेस इंटरनेशनल स्कूल, पुलवामा, होली मिशन स्कूल, नरबल, बडगाम और पायनियर एजुकेशनल इंस्टीट्यूट, हंजीवाड़ा, पट्टन, बारामूला की एफिलिएशन सस्पेंड कर दी गई है और उनकी बोर्ड से जुड़ी सुविधाएं तुरंत रोक दी गई हैं।

हर साल एक नया अहसास है ठंड का मौसम। इस बार ठंड में सर्दी-जुकाम से डरने की जगह इनसे लड़ने के लिए खुद को और अपने परिवार को तैयार कीजिए। ठंड के लिए ऐसे ऊनी कपड़ों का चुनाव कीजिए, जो आपके परिवार को पर्याप्त गर्माहट दे और साथ ही स्टाइलिश लुक भी। कैसे चुनें ऊनी कपड़ों और उनकी देखभाल के दौरान किन बातों को ध्यान में रखें -

सबसे खास सर्दियों का अहसास

सर्दी के मौसम में बदरंग और बोरिंग दिखने के दिन अब लद गए। जाड़े का मौसम भी अब स्टाइलिश हो गया है। ठंड से बचने के लिए अब जरूरी नहीं कि खुद को बोरिंग और गहरे रंग के कपड़ों के हवाले कर दिया जाए। ठंड से खुद को और अपने परिवार को बचाते हुए अब आप स्टाइलिश भी दिख सकती हैं, पर इसके लिए जरूरी है कि अपने कपड़ों का चुनाव आप सोच-समझकर करें और साथ ही गर्मी के कपड़ों और ठंड के कपड़ों के बीच अच्छा तालमेल भी बिठाएं।

लेयरिंग का है मौसम

वो दिन गए जब ठंड के मौसम में अपने कपड़ों की परत को छुपाने की कोशिश करते थे। अब एक साथ दो-तीन कपड़े पहनने और उन्हें दिखाने का ट्रेंड आ गया है। अपने ठंड के कपड़ों को निकालें और तरह-तरह के कॉम्बिनेशन में उन्हें पहनें। जरूरी नहीं है कि ठंड का मौसम आते ही आप अपने गर्मी वाले कपड़ों को अलविदा कह दें। उन्हें भी ठंड के मौसम में अपने गर्म कपड़ों के बीच जगह दें। ठंड के मौसम में फैशनेबल दिखने का मूलमंत्र यही है। अपने जैकेट, कार्डिंगन और पुलोवर को अपने कॉटन के शर्ट या ड्रेस के साथ पहनें। एक्सपेरिमेंट करने से नहीं घबराएं। एक्सपेरिमेंट करेंगी, तभी कपड़ों की कई परत के साथ भी औरों से अलग दिखेंगी।

सोच-समझकर चुनें रंग

ठंड के मौसम में हमेशा गहरे और आकर्षक रंग चुनें। पेस्टल रंग के कपड़े ठंड के मौसम को नीरस बना देंगे। ठंड के कपड़े खरीदते वक्त ऐसे रंग चुनें जो इस बदरंग मौसम में रंग भरें। ऐसे स्वेटर या ऊनी कपड़े न चुनें, जिसके पैटर्न में एक साथ ढेर सारे रंग हों। साधारण पैटर्न और एकाध रंग वाले ऊनी कपड़े चुनें। ऑरेंज, गोल्डन ब्राउन, ऑफ व्हाइट या फिर पीले रंग वाले ऊनी कपड़े पहनने से बचें।

एक्सेसरीज भी बदलें

अपनी एक्सेसरीज में बदलाव लाकर आप अपने लुक को बेहद आसानी से बदल सकती हैं। अगर ठंड बहुत ज्यादा है तो पशमीना शॉल को अपने वॉर्डरोब में शामिल करें। साथ ही आप स्टाइलिश मफलर और फर वाले स्टोल से भी स्टाइल स्टेटमेंट बना सकती हैं। हैट्स और ऊनी टोपी भी ठंड के मौसम में आपको स्टाइलिश लुक देंगे और ठंड से भी बचाएंगे।

फ्लोरल प्रिंट्र से बनाएं दूरी

फ्लोरल प्रिंट के कपड़े गर्मी के मौसम में ही ज्यादा अच्छे लगते हैं। अगर आपको ये प्रिंट बहुत ही ज्यादो पसंद हैं और आप ठंड में भी इन्हें पहनना चाहती हैं तो ठंड के मौसम में थोड़े गहरे प्रिंट वाले कपड़े अपने लिए चुनें। ठंड के मौसम के आपके वॉर्डरोब में ये गहरे फ्लोरल पिंट्र वाले कपड़े आसानी से घुल-मिल जाएंगे। अगर आप फ्लोरल प्रिंट्र वाले कपड़े पहन ही रही हैं तो पूरी बाजू वाले कपड़े चुनें। इससे फ्लोरल प्रिंट का असर कुछ कम हो जाएगा।

बूट्स से बनें फैशनेबल

गर्मियों के फुटवियर को कुछ माह आराम दें और जूते और बूट्स को अपने वॉर्डरोब में शामिल करें। अपनी गर्मी के मौसम के कपड़े को ठंड वाला लुक देने के लिए इससे बेहतर तरीका कुछ और नहीं। जींस और कार्डिंगन के साथ बूट्स पहनें और ठंड से बचने के साथ-साथ इस मौसम के अनुकूल लुक भी पाएं।

बच्चों जैसे मुलायम, उनके कपड़े

ठंड से मासूम बच्चों को बचाकर रखना आसान काम नहीं है। बच्चों के लिए ठंड का मौसम सेहत भरा रहे, इसके लिए जरूरी है कि इस सर्द मौसम में भी वो पूरी तरह से गर्म रहें। बच्चों के लिए ठंड के कपड़ों का चुनाव करते वक्त इसलिए हमेशा फैशन और ट्रेंड की जगह उनके आराम और कपड़ों की गर्माहट का ध्यान रखें। बच्चों के लिए हमेशा मुलायम और आरामदायक ऊनी कपड़े चुनें। कपड़े का फैब्रिक ऐसा हो जो उनकी मुलायम त्वचा को किसी प्रकार का नुकसान न पहुंचाए। बच्चों के ऊनी कपड़े हमेशा थोड़े हल्के रंग के चुनें ताकि आपको आसानी से पता चल सके कि वो कब गंदे हो गए हैं और उन्हें साफ करने की जरूरत है। बच्चे को कभी भी एक साथ ढेर सारे कपड़े न पहनाएं। बहुत ज्यादा कपड़े पहनाने पर उन्हें सांस लेने में दिक्कत हो सकती है। बच्चे के लिए ढीली फिटिंग वाले और ढेर सारे बटन वाले ऊनी कपड़े चुनें ताकि इन कपड़ों को पहनाते और उतारते वक्त आपको और आपके बच्चे दोनों को परेशानी न हो। बच्चे के लिए पूरी बाजू वाले ऊनी कपड़े चुनें ताकि उनके हाथ भी गर्म रहें। अगर ठंड बहुत ज्यादा हो तो बच्चे के कान में रुई के फाहे डाल दें और ऊनी टोपी या स्कार्फ पहनाएं ताकि बच्चे का सिर भी गर्म रहे। कभी भी बच्चे को सबसे पहले ऊनी कपड़ा न पहनाएं। पहले नीचे कोई सूती कपड़ा पहनाएं और उसके ऊपर से उसे ऊनी कपड़ा पहनाएं। बच्चे की त्वचा में किसी तरह की एलर्जी न हो, इसलिए ठंड के मौसम में उसके पूरे शरीर में हर दिन विंटर क्रीम लगाएं। ठंड बहुत ज्यादा हो, तब भी सोते वक्त बच्चे को ढेर सारे कपड़े न पहनाएं और न ही उनके ऊपर ढेर सारे कंबल डालें। बच्चे के पैरों को गर्म रखने के लिए उनके लिए ऐसे पाजामे खरीदें, जिनके साथ जुराबें जुड़ी हुई रहती हैं। बच्चे के हाथ भी जल्दी ठंडे हो जाते हैं, इसलिए उनके हाथों को गर्म रखने के लिए उन्हें ग्ल्व्स पहनाना न भूलें।

खिल उठेंगे आपके ऊनी कपड़े

- ऊनी कपड़ों की ओर बैक्टीरिया और धूल-मिट्टी जल्दी आकर्षित होते हैं, इसलिए अपने जैकेट और कोट को नियमित अंतराल पर ब्रश से साफ करें। इससे आपके सर्दियों के कपड़े न सिर्फ साफ रहेंगे, बल्कि किसी तरह की स्किन एलर्जी और रैशेज होने की आशंका भी नहीं रहेगी।
- ठंड के कपड़ों को बीच-बीच में धूप में सुखाएं। पर ध्यान रहे कि सूरज की तेज रोशनी आपके ऊनी कपड़ों पर सीधी न पड़े। ऐसा करने से आपके ऊनी कपड़े बदरंग हो जाएंगे। वहीं धूप में ऊनी कपड़ों को सुखाने से उसकी नमी गायब हो जाएगी और साथ ही सभी कीटाणु भी मर जाएंगे। ऊनी कपड़े को धूप में सुखाने से वो न सिर्फ आपको ज्यादा गर्माहट देंगे, बल्कि उन्हें पहनने पर भी आपको ज्यादा अच्छा महसूस होगा।
- अपने भारी-भरकम स्वेटर को वॉर्डरोब में लटकाकर नहीं रखें। भारी स्वेटर को लटकाकर रखने से स्वेटर की फिटिंग बिगड़ जाती है। साथ ही हैंगर से स्वेटर को लटकाकर रखने से कंधे वाले हिस्से के जल्दी फटने की आशंका बढ़ जाती है।
- ऊनी कपड़े बेहद नाजुक होते हैं। लंबी उम्र देने के लिए ऊनी कपड़ों को धोने के लिए हमेशा माइल्ड साबुन या डिटर्जेंट और गुनगुने पानी का इस्तेमाल करें। माइल्ड साबुन और डिटर्जेंट के इस्तेमाल से आपके ऊनी कपडमें की चमक और उनका वास्तविक लुक बरकरार रहेगा। गुनगुना पानी आपके ऊनी कपड़ों में छिपे कीटाणुओं को मारेगा और उसकी स्वच्छता को बरकरार रखेगा।
- स्वेटर और कार्डिगन में अकसर रोंए हो जाते हैं। ये रोंए स्वेटर और किसी अन्य वस्तु के बीच रगड़ खाने से होते हैं। ये रोंए आपके नए और स्टाइलिश स्वेटर को भी पुराना और गंदा लुक दे सकते हैं। इन रुंओं को हटाने के लिए छोटे रेजर का इस्तेमाल करें और अपने स्वेटर को फिर से नया लुक दें।
- अपने स्वेटर पर लगे दाग-धब्बों को हटाने के लिए कभी भी उन पर ब्लीच का इस्तेमाल न करें। ब्लीच के इस्तेमाल से आपका स्वेटर बदरंग हो जाएगा। कभी भी ऐसे डिटर्जेंट में स्वेटर न धोएं, जिसमें ब्लीच हो।
- एक ही स्वेटर को तीन दिन से ज्यादा लगातार न पहनें। ऐसा करने से स्वेटर का शेप बिगड़ जाता है। साथ ही आपका स्वेटर जल्दी खराब और पुराना भी हो जाएगा।

ठंड में बच्चा न हो पस्त

बुजुर्ग और बच्चे ठंड के मौसम में सबसे ज्यादा परेशान होते हैं। बुजुर्ग तो अपनी तकलीफ बता सकते हैं, पर बहुत छोटे बच्चे तो वो भी नहीं कर सकते। अगर आप ठंड की शुरुआत से ही सावधानी बरतें तो आपका बच्चा सर्दियों में भी मुस्कुराता रहेगा। छोटे बच्चों की ठंड में कैसे देखभाल करें, बता रहे हैं शिशु एवं बालरोग विशेषज्ञ

अचानक मौसम परिवर्तन का असर सभी पर होता और इससे छोटे बच्चे सबसे ज्यादा प्रभावित होते हैं। सर्दी, जुकाम और गले में इंफेक्शन के अलावा छोटे बच्चों को ये परेशानियां सबसे ज्यादा होती हैं –

रोटा वायरल डायरिया – इसमें बच्चे को दस्त, उल्टी और बुखार एक साथ होता है। बच्चे के शरीर में पानी की मात्रा कम हो जाती है और बुखार के कारण वह सुस्त और चिड़चिड़ा हो जाता है। बच्चा कभी-कभी बहुत कमजोर भी हो जाता है।

एलर्जी और अस्थमा – इस मौसम में बच्चों को सांस संबंधी परेशानी भी होती है। बंद नाक और गले में जकड़न के साथ नाक और आंख से पानी भी गिरता रहता है। तेज हवा और प्रदूषण से सांस लेने में दिक्कत आने लगती है।

आंखों में इंफेक्शन – इस मौसम में आंखों में भी इंफेक्शन होने लगता है। आंखों की पलकें रात में चिपक जाती हैं और सुबह बच्चे को आंख खोलने में परेशानी होती है।

त्वचा में लाल दाने – सर्दी में त्वचा में रैशेज और दाने की समस्या प्राय- छोटे बच्चों में हो जाती है। इसका कारण एलर्जी और हार्मोन में बदलाव के साथ ठंडी हवा भी है।

निमोनिया – यह ठंड के मौसम में बच्चों को होने वाली सबसे आम समस्या है। इसमें बच्चे को तेज बुखार होता है और साथ ही उसका सिर बहुत गर्म रहता है। कभी-कभी बच्चे के लंग्स में भी दिक्कत हो जाती हैं।

क्या है कारण

ठंड में प्रतिरोधक क्षमता का कम होना – सर्दी के मौसम में बच्चों के शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता सामान्य दिनों से कम हो जाती है। इसलिए किसी भी प्रकार का मौसम परिवर्तन का असर तुरंत बच्चे पर पड़ता है।

बड़ों की लापरवाही – अक्सर बड़े बच्चों को ठंड के मौसम में आलस के कारण हाथ धोए बिना ही गोद में उठा लेते हैं। ठंडे हाथ भी उन्हें लगाते हैं। कीटाणु का ध्यान नहीं रखते। इस वजह से उन्हें इंफेक्शन का खतरा बढ़ता है।

किसी भी चीज को मुंह में लेना – अक्सर बच्चे कलम के कैप या नीचे गिरी हुई चीजों को मुंह में लेते हैं जिससे उन्हें पेट में दर्द या दस्त की समस्या हो जाती है।

नैपी के गीलेपन का ध्यान न रखना – आम मौसम की अपेक्षा ठंड में बच्चे ज्यादा पेशाब करते हैं। अगर नैपी के गीलेपन का ध्यान न रखा जाए तो बच्चों को न केवल ठंड लग जाती है बल्कि उनके शरीर के आंतरिक हिस्से में सूजन और इंफेक्शन भी हो सकता है।

कमरे के तापमान का ध्यान न रखना – ठंड में बच्चे को अधिक गर्म कमरे में ना रखें। कमरे का तापमान सामान्य होना चाहिए। अधिक गर्म वातावरण से अगर बच्चा सामान्य तापमान में जाता है तो उसे तुरंत सर्दी असर करती है।

कैसे करें बचाव

सफाई का रखें ध्यान – धूल, धुएं और गंदगी से छोटे बच्चों को दूर रखें। इससे उन्हे सांस की समस्या के साथ दस्त भी हो सकती है। घर की सफाई का पूरा ध्यान रखें।

नहलाना कम करे – रोज नहलाने के बजाय हर दूसरे दिन छोटे बच्चों को गर्म पानी में सॉफ्ट एंटीबैक्टीरियल लिक्विड डालकर उसमें नर्म तौलिया भिगोकर उनका शरीर साफ कर दें।

गर्म कपड़े पहनाएं – जैसे ही मौसम बदले, बच्चे को गर्म कपड़े पहनाना शुरू कर दें। हल्की ठंड को नजर अंदाज ना करें और बच्चे को हमेशा मोजे पहना कर रखें।

मालिश के लिए गर्म तेल का प्रयोग करें – यूं तो मालिश बहुत जरूरी नहीं है, लेकिन यदि आप मालिश कर रही हैं तो इसके लिए गर्म तेल का प्रयोग करें।

संभव हो तो थोड़ी देर धूप में रखे – अगर आपके घर में धूप आती हो तो बच्चे को गर्म कपड़े पहना कर थोड़ी देर के लिए धूप में रखें। उसे ताजी हवा और विटामिन डी दोनों मिलेंगे।

ठंडी चीजें खाने को न दें – अगर आपका बच्चा 7 माह से अधिक का है और वह खाना खाता है, तो उसे ठंडी चीजें न खिलाएं और साथ ही उसे बासी खाना या ठंडा खाना भी न दें।

बेहतर क्वालिटी के स्वेटर पहनाएं – स्वेटर हमेशा अच्छी क्वालिटी का पहनाएं, क्योंकि वूलन से कभी-कभी त्वचा में एलर्जी हो जाती है।

वेडिंग लुक तालमेल है जरूरी

इन दिनों ज्यादातर वुड बी कपल अपनी शादी के मौके पर कॉम्प्लिमेंट्री लुक अपना रहे हैं। कॉम्प्लिमेंट्री वेडिंग लुक दूल्हे दुलहन के बीच की जबर्दस्त केमिस्ट्री को दर्शाता है। इस लुक को क्रिएट करने के कई तरीके हैं जिन्हें वुडबी कपल्स अपनी पसंद के हिसाब से अपना सकते हैं।

बहुत बुरी कुक हूं। लेकिन तुम्हारी कुकिंग का जवाब नहीं है। तुम ओवर इमोशनल हो और मैं प्रैक्टिकल। एक लाइन में कहूं तो हम दोनों एक दूसरे को बैलेंस करते हैं। हम परफेक्ट लाइफ पार्टनर हैं क्योंकि हमारा आपसी तालमेल बेजोड है। मैं चाहती हूं कि यही तालमेल हमारे वेडिंग डे पर हमारे लुक में भी नजर आए। यह तर्क सामने रखकर अंशिका ने अपने मंगेतर अंश को कॉम्प्लिमेंट्री वेडिंग डे लुक क्रिएट करने के लिए राजी कर ही लिया। अंशिका और अंश की तरह इन दिनों ज्यादातर वुड बी कपल अपनी शादी के मौके पर कॉम्प्लिमेंट्री लुक अपना रहे हैं। कॉम्प्लिमेंट्री वेडिंग लुक दूल्हे दुलहन के बीच की जबर्दस्त केमिस्ट्री को दर्शाता है। इस लुक को क्रिएट करने के कई तरीके हैं जिन्हें वुडबी कपल्स अपनी पसंद के हिसाब से अपना सकते हैं।

कलर केमिस्ट्री

जो कपल्स जटिल की जगह सहज अभिव्यक्ति को तरजीह देते हैं, उन्हें रंगों पर आधारित कॉम्प्लिमेंट्री लुक चुनना चाहिए। इस तरह की मैचिंग में कलर व्हील की मदद ली जा सकती है। व्हील में एक-दूसरे के सामने आने वाले रंग एक दूसरे को कॉम्प्लिमेंट करते हैं। जैसे, ऑलिव-मरून, रस्ट-मिडनाइट ब्ल्यू और वायलेट-ऑरेंज आदि। इन रंगों के बीच जबर्दस्त कंट्रास्ट फैक्टर होता है जिसके चलते इनका कॉम्बिनेशन बेहद वाइब्रेंट लगता है। ऐसे में दूल्हा-दुलहन इन कॉम्प्लिमेंट्री कलर्स के परिधान पहन सकते हैं।

काल आधारित

इन दिनों किसी विशेष काल पर आधारित वेडिंग वेयर पहनने का चलन जोरों पर है। वुडबी कपल्स मुगल काल, विक्टोरियन काल या विंटेज काल पर आधारित परिधान पहन सकते हैं। जैसे विंटेज काल में प्रचलित रंग और एंब्रॉयडरी दुलहन के लहंगे और दूल्हे के कुर्ते में नजर आए। लेकिन इस तरह की मैचिंग करते समय कपल्स को ध्यान रखना चाहिए कि वह किसी काल के दो या तीन फीचर्स को ही अपने परिधानों के माध्यम से अभिव्यक्त करें। बहुत ज्यादा फीचर्स की अभिव्यक्ति उन्हें वेडिंग कपल्स की जगह किसी ऐतिहासिक नाटक का पात्र बना देगी।

वर्क या प्रिंट आधारित

परिधानों पर किए गए वर्क या प्रिंट में तालमेल बैठाना भी ब्राइड और ग्रूम के लुक में कोऑर्डिनेशन का एक बेहतरीन तरीका है। आप विभिन्न तरीकों से एंब्रॉयडरी या प्रिंट के आधार पर यह तालमेल बैठा सकते हैं। जैसे, दुलहन के दुपट्टे और दूल्हे के स्टोल की एंब्रॉयडरी एक जैसी रख सकते हैं। इसी तरह दुलहन के लहंगे के पैनल का प्रिंट दूल्हे की पगडी के प्रिंट में भी नजर आ सकता है। या दूल्हे और दुल्हन के परिधानों के बॉर्डर में एक कॉमन प्रिंट हो सकता है।

एक्सेसरीज आधारित

कॉम्प्लिमेंट्री एक्सेसरीज पहनना भी ब्राइड और ग्रूम के लुक में सामंजस्य बैठाने का एक खास तरीका है। आप चाहें तो कॉम्प्लिमेंट्री एन्गेजमेंट रिंग्स, ब्राइडल वॉच-ग्रूम कफलिंग या ब्राइडल ईयररिंग्स-ग्रूम कफलिंग्स जैसे कॉम्बिनेशन कैरी कर सकती हैं। ब्राइड और ग्रूम की ज्यूलरी में कॉम्प्लिमेंट्री कलर स्टोन का इस्तेमाल भी अच्छा लगेगा।

विशेष टिप्स

- ब्राइड और ग्रूम को अपनी पसंद के हिसाब से कॉम्प्लिमेंट्री वेडिंग लुक तय करना चाहिए।
- आप कॉम्प्लिमेंट्री लुक क्रिएट करने के दो तरीकों को कंबाइन भी कर सकते हैं। जैसे कॉम्प्लिमेंट्री कलर्स और एंब्रॉयडरी वाले परिधान ट्राई कर सकते हैं। इसी तरह किसी एक काल पर आधारित परिधानों के साथ आप कॉम्प्लिमेंट्री ज्यूलरी भी पहन सकते हैं।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक - नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-B, Phase- II, Industrial Estate, Gangyal, Jammu से मुद्रित। संपादक- नीलम सिंह गिल। फोन नंबरः- (95)191- 2574109 2548103 RNI Regd. No.: JKBIL/2004/13144 *Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com*

राष्ट्रीय स्तर की कराटे चैम्पियनशिप के लिए में जम्मू कश्मीर की टीम उत्तराखंड रवाना

जम्मू, 20 नवंबर (हि.स.)। जम्मू और कश्मीर केंद्रशासित प्रदेश के युवा कराटेकाओं की एक टीम उत्तराखंड में होने वाली छठे ऑल इंडिया इंटरनेशनल शितो-रयू कराटे चैंपियनशिप के लिए रवाना हुई। जोश और उत्साह से भरी इस टीम को एडवोकेट आदित्य गुप्ता, यूथ प्रेसिडेंट पीडीपी, तथा परवीन अख्तर, डिस्ट्रिक्ट प्रेसिडेंट पीडीपी अर्बन जम्मू, ने हौसला बढ़ाते हुए विशेष रूप से विदा किया। टीम इस प्रतिष्ठित चैंपियनशिप में प्रियंका जम्वाल और कैलाश की गाइडेंस में हिस्सा लेगी। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले स्टूडेंट्स में दिविति देवी, सुशीला भारती, बबली देवी, रीनू भारती, प्रियंका भारती, मुकेश देवी, कमलेश देवी, सकिंडिया देवी, अनु राधा, मुकेश देवी, रमता देवी, पम्मू देवी, रिम्पी देवी, सुनीता देवी, शिवाली देवी, अंबिका देवी, उषा देवी, मीनाक्षी देवी, पूजा देवी, किरण देवी, रेणु देवी, सुरिष्टा देवी और रेखा देवी शामिल हैं। इस अवसर पर एडवोकेट आदित्य गुप्ता और शमीम अख्तर ने टीम को शुभकामनाएं देते हुए उनके उत्साह, समर्पण और कड़ी मेहनत की सराहना की। इंटरनेशनल शितो-रयू कराटे ऑर्गनाइज़ेशन जम्मू कश्मीर के चीफ़ इंस्ट्रक्टर रविंदर सिंह ने भी खिलाड़ियों के अनुशासन और निरंतर अभ्यास की प्रशंसा की तथा उम्मीद जताई कि टीम राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर जम्मू-कश्मीर का नाम रोशन करेगी।

डीसी ने महानपुर में जन शिकायत निवारण बैठक में जनता की समस्याएं सुनी

कदुआ, 20 नवंबर (हि.स.)। डीसी कदुआ राजेश शर्मा ने महानपुर स्थित लोक निर्माण विभाग विश्राम गृह में जन समस्याओं को सुनने और क्षेत्र में आवश्यक सेवाओं की समग्र स्थिति की समीक्षा के लिए एक जनसभा आयोजित की।

एडीडीसी कदुआ सुरिंदर मोहन शर्मा, एडीसी बसोहली पंकज भगोत्रा, सीपीओ रंजीत ठाकुर, विभिन्न विभागों के अधिकारी, पूर्व बीडीसी अध्यक्ष सहित पूर्व पंचायती राज संस्थाओं के प्रतिनिधि, पूर्व सरपंच, पंच और महानपुर तथा आसपास के क्षेत्रों के बड़ी संख्या में निवासी बैठक में शामिल हुए। जनता ने महानपुर के ट्रॉमा सेंटर में कर्मचारियों की कमी, रेडियोलॉजिस्ट का रिक्त पद, शिक्षण कर्मचारियों की कमी, स्कूल के उन्नयन की मांग, बाढ़ सुरक्षा के लिए क्रेट की उपलब्धता, क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत और राहत एवं मुआवजे के लंबित मामलों सहित कई मुद्दे उठाए। उपायुक्त ने धैर्यपूर्वक उनकी बातें सुनीं और कहा कि इस तरह की आउटरीच बैठकों से प्रशासन को जमीनी हकीकत समझने में मदद मिलती है, खासकर दूरदराज, पहाड़ी और अलग-थलग इलाकों में, जिससे समस्याओं का समय पर और प्रभावी समाधान संभव हो पाता है। चिकित्सा कर्मचारियों की कमी के संबंध में, उपायुक्त ने आश्वासन दिया कि डॉक्टरों की उपलब्धता नियमित आधार पर सुनिश्चित की जाएगी। शिक्षण कर्मचारियों की आवश्यकताओं की जाँच की जाएगी और तदनुसार कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने असुरक्षित घोषित किए गए स्कूल भवनों के लिए टेंट और अस्थायी राहत तत्काल जारी करने के भी निर्देश दिए।

जसरोटिया ने 4 पंचायतों में 55 लाख रुपये की विकास परियोजनाओं का किया शुभारंभ

कदुआ, 20 नवंबर (हि.स.)। जसरोटा निर्वाचन क्षेत्र के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए विधायक राजीव जसरोटिया ने चार पंचायतों हरदो मुठी, माही चक, त्रेहडा और फलोट में 55 लाख रुपये की नई परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया।

कार्यक्रम के दौरान विधायक जसरोटिया ने जनता की शिकायतों को भी सुना और उन्हें समय पर समाधान का आश्वासन दिया।

जसरोटिया के प्रयासों से इन पंचायतों के लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव आने की उम्मीद है और सार्वजनिक सेवा के प्रति उनका समर्पण सराहनीय है। विधायक जसरोटिया ने जनता को उनकी चिंताओं और शिकायतों को दूर करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता का आश्वासन दिया। उन्होंने स्थानीय लोगों से बातचीत की, उनकी समस्याओं को सुना और समय पर समाधान प्रदान किया। जसरोटिया ने कहा कि मैं आपकी चिंताओं को सुनने और उनका तुरंत समाधान करने तथा एक मजबूत शिकायत निवारण तंत्र स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध हूँ ताकि आपकी आवाज सुनी जाए और आपकी समस्याओं का समाधान हो। मैं जसरोटा के सभी नागरिकों से अपील करता हूँ कि वे हमारे निर्वाचन क्षेत्र के उज्जवल भविष्य के निर्माण में हमारे साथ हाथ मिलाएँ। आइए, हम सब मिलकर एक समृद्ध, समावेशी और टिकाऊ जसरोटा बनाने के लिए काम करें, जहाँ हर व्यक्ति को अवसरों और बेहतर जीवन स्तर तक पहुँच प्राप्त हो।

आरोपी मोहन सिंह जामवाल को धारा 355 बीएनएस 2023 के तहत सामुदायिक सेवा करने का निर्देश

जम्मू, 20 नवंबर (हि.स.)। जानीपुर पुलिस की समुदाय-केंद्रित न्याय के प्रति प्रतिबद्धता के एक उल्लेखनीय उदाहरण में एक आरोपी मोहन सिंह जामवाल पुत्र रणजीत सिंह निवासी जेएमसी 534 टॉप शेरखानिया को धारा 355 बीएनएस 2023 के तहत अपराध करने के लिए दोषी ठहराया गया है और सामुदायिक सेवा करने का निर्देश दिया गया है। वन मजिस्ट्रेट जम्मू की अदालत में पेश की गई एक शिकायत/इस्तिगासा यू/एस 355 बीएनएस 2023 के आधार पर आरोपी को दोषी पाया गया और दो दिनों के लिए शाम 04-00 बजे से शाम 05-00 बजे तक सामुदायिक सेवा करने की सजा दी गई जिसमें पटोली पार्क जम्मू की सफाई और झाड़ू लगाना शामिल है।

जानीपुर पुलिस का यह अभिनव दृष्टिकोण केवल सजा के बजाय पुनर्वास और पुनर्एकीकरण के साधन के रूप में सामुदायिक सेवा को बढ़ावा देने के प्रति उनके समर्पण को उजागर करता है। आरोपी को सामुदायिक सेवा में शामिल करके पुलिस का लक्ष्य जिम्मेदारी की भावना को बढ़ावा देना और समाज की बेहतरी में योगदान देना है।

अशोक कौल ने भद्रवाह, डोडा में बिरसा मुंडा जयंती, वंदे मातरम कार्यक्रमों का नेतृत्व किया

डोडा, 20 नवंबर (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी, जम्मू और कश्मीर ने भद्रवाह (डोडा) में भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती मनाई जिसमें प्रतिष्ठित आदिवासी स्वतंत्रता सेनानी को श्रद्धांजलि अर्पित की गई जिनकी विरासत राष्ट्रवादी प्रतिबद्धता, सामाजिक सुधार और उत्पीड़न के खिलाफ लड़ाई को प्रेरित करती है। जम्मू-कश्मीर भाजपा महासचिव (संगठन) अशोक कौल ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की।

पुलिस स्टेशन मीरां साहिब जम्मू द्वारा 04 वाहन जब्त किए गए

जम्मू, 20 नवंबर (हि.स.)। अवैध खनन के खिलाफ अपने विशेष अभियान को जारी रखते हुए जम्मू पुलिस ने पुलिस स्टेशन मीरान साहिब जम्मू के अधिकार क्षेत्र में अवैध रूप से खनन सामग्री के परिवहन में शामिल चार वाहनों को जब्त कर लिया।

सुबह के समय पीएस मीरां साहब की एक पुलिस पार्टी गश्त ड्यूटी पर थी, जब अवैध खनन में ले जाए जा रहे 03 डंपर और 01 ट्रैक्टर-ट्रॉलियों के बारे में विश्वसनीय सूचना मिली। पुलिस पार्टी ने त्वरित कार्रवाई करते हुए वाहनों को जब्त कर लिया। जांच करने पर 04 डंपर और एक ट्रॉली पूरी तरह से रेत से भरी हुई पाई गई। 04 वाहनों को जब्त कर लिया गया और पृथ्वीपुर नाका लाया गया जहां संबंधित खनन कानूनों के तहत कानूनी कार्यवाही शुरू की गई। आगे की आवश्यक कार्रवाई के लिए जिला खनिज अधिकारी (डीएमओ), जम्मू को सूचित कर दिया गया है।

रौन दोमेल में ड्रग तस्कर को हेरोइन के साथ गिरफ्तार किया

जम्मू, 20 नवंबर (हि.स.)। कपीपी रौन की पुलिस टीम ने अपने आईसीपीपी के नेतृत्व में दुधर ब्रिज रौन के पास नियमित नाका चेकिंग करते हुए मनवाल से उधमपुर की ओर जा रहे एक व्यक्ति को रोका। पूछताछ करने पर उसने अपनी पहचान साहिल सिंह पुत्र रशपॉल सिंह निवासी रौन तहसील और जिला उधमपुर के रूप में बताई। तलाशी के दौरान उसके पास से 5.84 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। उसे मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया गया।

एमए रोड, रेजीडेंसी रोड 'नो ई-रिक्शा जोन' घोषित

श्रीनगर, 20 नवंबर (हि.स.)। अधिकारियों ने गुरुवार को श्रीनगर शहर के दो बड़े हिस्सों को 'नो ई-रिक्शा ज़ोन' के तौर पर नोटिफ़ाई किया ताकि ट्रैफ़िक को आसान बनाया जा सके और कमर्शियल हब में भीड़ कम की जा सके।

रीजनल ट्रांसपोर्ट ऑफ़िसर कश्मीर की तरफ़ से जारी एक ऑर्डर में यह फ़ैसला 13 नवंबर, 2025 को हुई रीजनल ट्रांसपोर्ट अथॉरिटी की मीटिंग के बाद लिया गया। यह रोक मौलाना आज़ाद रोड (जहांगीर चौक से जम्मू-कश्मीर बैंक हेडक्वार्टर) और रेजीडेंसी रोड (हरि सिंह हाई स्ट्रीट से जम्मू-कश्मीर बैंक हेडक्वार्टर) पर लागू होती है, और तुरंत लागू हो जाती है।

ऑर्डर में आगे कहा गया है कि इस कदम का मकसद हाई-डेंसिटी ज़ोन में गाड़ियों की आसान आवाजाही पक्का करना है जहाँ बार-बार ई-रिक्शा के रुकने और धीमी स्पीड से चलने से अक्सर ट्रैफ़िक फ्लो में रुकावट आती है। आरटीओ कश्मीर ने चेतावनी दी है कि किसी भी नियम का उल्लंघन करने पर मोटर व्हीकल एक्ट, 1988 और उसके तहत बनाए गए नियमों के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी।

राष्ट्र विरोधी तत्वों के प्रति कोई ढील नहीं बरती जाएगी : एसएसपी मोहिता शर्मा

कदुआ, 20 नवंबर हि स। एसएसपी कदुआ मोहिता शर्मा ने अन्य अधिकारियों के साथ हीरानगर और राजबाग के अधिकार क्षेत्र के दूरदराज गांवों और सुरक्षा शिविरों का दौरा किया। एसएसपी ने राजबाग पुलिस स्टेशन की चौकी मालामन और चौकी चिंगारा का दौरा किया और वहां तैनात कर्मियों से बातचीत की। उन्हें पिछले घुसपैठ मार्गों, मौजूदा वीडीजी और क्षेत्र के अन्य महत्वपूर्ण स्थलों के बारे में जानकारी दी गई।

इसके अलावा एसएसपी ने सभी कर्मियों को ओजीडब्ल्यू पर कड़ी नजर रखने, प्रवासी आबादी की आवाजाही का उचित रिकॉर्ड रखने और वीडीजी योजना में आगे शामिल किए जा सकने वाले अधिक स्वयंसेवकों की पहचान करने का निर्देश दिया। उन्होंने पक्का कोठा, परंगोली, मंगलूर और सैदा के घुसपैठ संभावित क्षेत्रों का भी दौरा किया। यहाँ उन्होंने एसओजी और सीआरपीएफ कर्मियों से बातचीत की जो आस.पास के वन क्षेत्रों में घेराबंदी और तलाशी अभियान चला रहे थे। उन्होंने बल के पास उपलब्ध हथियारों, गोला-बारूद और अन्य सहायक उपकरणों की समीक्षा की और उन्हें स्थानीय पहुँच में सुधार और इलाके की जानकारी बढ़ाने के दोहरे उद्देश्य से लंबी दूरी की गश्त जारी रखने का निर्देश दिया। इसके अलावा एसएसपी ने बाबा सिद्ध गोरिया मंदिर सह वन का भी दौरा किया जहाँ उन्होंने स्थानीय लोगों से बातचीत की और कामद वन क्षेत्र में घुसपैठ के रास्तों के बारे में जानकारी प्राप्त की।

विधायक ने खूह वाली गली में कल्वर्ट का उद्घाटन किया

जम्मू, 20 नवंबर (हि.स.)। विधायक विक्रम रंधावा ने त्रिकूटानगर वार्ड नंबर 53 की खूह वाली गली में 10.70 लाख की लागत से बनने वाली कल्वर्ट का उद्घाटन किया। बीते दिनों हुई भारी बारिश के कारण यहां के लोगों के घरों में पानी भर गया और उन्हें काफी नुकसान उठाना पड़ा था। इस समस्या के समाधान के लिए विधायक ने क्षेत्र का दौरा किया और पुली बनाने का आश्वासन दिया था। आज इस वादे को पूरा करते हुए कल्वर्ट का काम पीडब्ल्यूडी विभाग द्वारा शुरू किया गया।

पुलिस ने हिट-एंड-रन केस में शामिल मोटरसाइकिल सवार की पहचान के लिए जनता से मदद मांगी

श्रीनगर, 20 नवंबर (हि.स.)। श्रीनगर पुलिस हिट एंड रन केस में शामिल मोटरसाइकिल सवार की पहचान के लिए जनता से मदद मांग रही है।

एक बयान में पुलिस स्टेशन निगीन को तैलबल अड्डा में एक हिट-एंड-रन घटना के बारे में जानकारी मिली जहां एक अनजान मोटरसाइकिल सवार ने तेज़ी और लापरवाही से गाड़ी चलाते हुए एक पैदल यात्री को टक्कर मार दी जिसकी पहचान अब्बू राशिद गोजरी बेटे अब्बू रहमान गोजरी निवासी कंगन के रूप में हुई।

घटना के तुरंत बाद मोटरसाइकिल सवार मौके से भाग गया। घायल पैदल यात्री को मेडिकल ट्रीटमेंट के लिए एसकेआईएमएस सौरा ले जाया गया हालांकि बाद में उसकी चोटों के कारण मौत हो गई।

जांच के दौरान आस-पास के फुटेज को एनालाइज़ किया गया और संदिग्ध मोटरसाइकिल सवार की एक तस्वीर मिली।

इस संबंध में आम जनता से अनुरोध है कि वे तस्वीर में दिख रहे व्यक्ति की पहचान करने में मदद करें। बयान में कहा गया है कि संदिग्ध की पहचान या लोकेशन से जुड़ी कोई भी जानकारी पुलिस स्टेशन निगीन के साथ 9596770590 और 9596770592 पर शेयर की जा सकती है या 112 पर डायल किया जा सकता है।

टिपर की चपेट में आने से लड़की की मौके पर ही मौत

श्रीनगर, 20 नवंबर (हि.स.)। साउथ कश्मीर के शोपियां जिले के अरहामा में एक भारी गाड़ी (टिपर) की चपेट में आने से एक लड़की की मौके पर ही मौत हो गई।

अधिकारियों ने बताया कि यह हादसा शोपियां के एसबीजीएम पैरामेडिकल और नर्सिंग कॉलेज के पास हुआ जब जेके13बी-3014 रजिस्ट्रेशन नंबर वाले एक टिपर ने उसे टक्कर मार दी। पीड़ित की पहचान शोपियां के छत्रगाम की रहने वाली रोज़ी जान के रूप में हुई है

जम्मू वेटरन क्रिकेट लीग का एम.ए. स्टेडियम में आगाज़, खेल के साथ नशा-निरोध संदेश पर जोर

जम्मू, 20 नवंबर (हि.स.)। संवेदना क्लब की ओर से आयोजित जम्मू वेटरन क्रिकेट लीग—एडिशन 1 का शुभारंभ ऐतिहासिक एम.ए. स्टेडियम में हुआ। दस दिवसीय यह टूर्नामेंट 20 से 29 नवंबर तक खेला जाएगा, जिसका उद्देश्य प्रतिस्पर्धी क्रिकेट को बढ़ावा देने के साथ ही युवाओं में नशा-निरोध का संदेश पहुँचाना है। उद्घाटन समारोह में प्रमुख अतिथि के रूप में डॉ. विकास गुप्ता, निदेशक पर्यटन जम्मू, ऐजाज़ कैसर, संयुक्त निदेशक पर्यटन, और विवेक शेखर शर्मा, एसपी जम्मू नॉर्थ उपस्थित रहे। लीग में अनुभवी वेटरन्स के साथ युवा खिलाड़ी भी मैदान में उतरे, जिससे खेल और सामुदायिक सहभागिता का

सकारात्मक माहौल बना।

डॉ. विकास गुप्ता ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि खेल और सामाजिक जागरूकता का ऐसा संयोजन सराहनीय है। उन्होंने नशामुक्त समाज की आवश्यकता का उल्लेख करते हुए कहा कि युवाओं की ऊर्जा को खेल जैसी रचनात्मक गतिविधियों में लगाना समय की मांग है। एसपी विवेक शेखर शर्मा ने कहा कि नशे का खतरा गंभीर चुनौती बनता जा रहा है और इस तरह के टूर्नामेंट जागरूकता बढ़ाने में प्रभावी साबित होते हैं।

उन्होंने युवाओं को खेलों से जोड़ने के लिए पुलिस विभाग की प्रतिबद्धता दोहराई। संवेदना क्लब के चेयरमैन केशव चोपड़ा ने बताया कि टूर्नामेंट का उद्देश्य केवल क्रिकेट तक सीमित नहीं है, बल्कि युवाओं को नशे से दूर रखकर अनुशासन और फिटनेस की ओर प्रेरित करना भी है। उन्होंने कहा कि खेल ही वह मंच है जो युवाओं को मानसिक और शारीरिक रूप से मजबूत बनाता है। उद्घाटन कार्यक्रम में राहुल नरगोत्रा, विकास कुमार, रमन वर्मा, सौरव गुप्ता, साहिल शर्मा, दिव्यांशु कपाह, निपुण संगोत्रा सहित कई खेल प्रेमी और आयोजक मौजूद रहे। टूर्नामेंट के आयोजकों ने उम्मीद जताई कि यह लीग न केवल खेल प्रतिभा को उभारने में मदद करेगी, बल्कि समाज में नशा-निरोध अभियान को भी मजबूती देगी।

नशीली दवाओं के दुरुपयोग पर वाद-विवाद प्रतियोगिता का किया आयोजन

सांबा, 20 नवंबर (हि.स.)। सांबा पुलिस ने आज राजकीय डिग्री कॉलेज (जीडीसी) सांबा में नशीली दवाओं के दुरुपयोग पर एक वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया जिसमें सैकड़ों छात्रों, व्याख्याताओं, शिक्षकों और कॉलेज प्रबंधन के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

सिविक एक्शन प्रोग्राम (सीएपी) के तहत आयोजित इस कार्यक्रम की अध्यक्षता एसएसपी सांबा ने की। उनके साथ एडिशनल एसपी सांबा, डीएसपी डीएआर सांबा, एसडीपीओ विजयपुर और अन्य पुलिस अधिकारी मौजूद थे। जीडीसी सांबा के कुल बारह छात्रों ने प्रतियोगिता में सक्रिय रूप से भाग लिया। एसएसपी सांबा ने प्रथम, द्वितीय और तृतीय पुरस्कार विजेताओं को स्मृति चिन्ह, पदक, बैग और प्रमाण पत्र प्रदान किए, जबकि शेष नौ प्रतिभागियों को भी उनके सराहनीय प्रयासों के लिए प्रमाण पत्र और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए एसएसपी सांबा ने छात्रों से अपनी ऊर्जा को सही दिशा में लगाने, मनोरंजक और रचनात्मक गतिविधियों में भाग लेने और अपनी पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया। उन्होंने छात्रों को नशे से दूर रहने की सलाह दी और अपने इलाके में नशे से जुड़ी किसी भी गतिविधि की सूचना पुलिस को देने के लिए प्रोत्साहित किया।

छात्रों के लिए टिंकरिंग और प्रोडक्ट डेवलपमेंट पर तीन दिवसीय वर्कशॉप

जम्मू, 20 नवंबर (हि.स.)। श्री माता वैष्णो देवी विश्वविद्यालय (एसएमवीडीयू) में बैचलर ऑफ डिज़ाइन छात्रों के लिए टिंकरिंग, डिज़ाइन थिंकिंग और प्रोडक्ट डेवलपमेंट पर केंद्रित तीन दिवसीय इंटेंसिव वर्कशॉप का आयोजन किया गया। यह वर्कशॉप देश के प्रख्यात डिज़ाइन एजुकेटर और आईआईटी दिल्ली के पूर्व प्रोफेसर प्रो. ललित के दास द्वारा संचालित की गई। वर्कशॉप का उद्देश्य छात्रों की डिज़ाइन की बुनियादी समझ को मजबूत करना और उन्हें आधुनिक डिज़ाइन उद्योग में उपयोग होने वाली तकनीकों और प्रक्रियाओं से परिचित कराना था। इस दौरान छात्रों ने इंटरैक्टिव सत्रों, लाइव डेमोंस्ट्रेशन, हैंड्स-ऑन एक्टिविटी और विभिन्न गैजेट्स के साथ टिंकरिंग में उत्साहपूर्वक भाग लिया।

प्रो. दास ने छात्रों को फ़ॉर्म और फ़ंक्शन, कलर थ्योरी, डिज़ाइन थिंकिंग, यूज़ेबिलिटी, एस्थेटिक्स और सिस्टम-लेवल डिज़ाइन जैसे अहम विषयों पर विस्तृत मार्गदर्शन दिया। हाथों-हाथ गतिविधियों ने छात्रों को असेंबली-डिसअसेंबली, मटीरियल एनालिसिस और फंक्शनल एप्रोच जैसे पहलुओं को समझते हुए थ्योरी को प्रैक्टिकल आउटपुट में बदलने का मौका दिया। इससे उनकी प्रॉब्लम-सॉल्विंग और प्रोटोटाइपिंग क्षमताएं और निखरीं। वर्कशॉप में फैकल्टी सदस्यों ने भी सक्रिय भागीदारी की और विशेषज्ञ द्वारा साझा किए गए अनुभवों की सराहना की। बैचलर ऑफ डिज़ाइन कार्यक्रम के कोऑर्डिनेटर प्रो. अंकुश आनंद ने प्रो. दास को उनके मूल्यवान योगदान के लिए धन्यवाद देते हुए कहा कि ऐसे एक्सपीरिएंशियल लर्निंग अवसर आज के प्रोडक्ट डेवलपमेंट इकोसिस्टम में युवा डिजाइनरों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।

जम्मू में सांस्कृतिक संवाद- संस्कृत संवर्धन पर दो संस्थाओं के प्रतिनिधियों की सौजन्य भेंट

जम्मू, 20 नवंबर (हि.स.)। श्री कैलख ज्योतिष एवं वैदिक संस्थान ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत रोहित शास्त्री और डोगरा समाज ट्रस्ट, मुंबई की सलाहकार निधि डोगरा के बीच एक सौजन्य भेंट हुई। यह मुलाकात सांस्कृतिक आदान-प्रदान, पारस्परिक सहयोग और परंपरागत मूल्यों पर केंद्रित रही। बैठक के दौरान महंत रोहित शास्त्री ने जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा पर आधारित एक अभिनंदन ग्रंथ निधि डोगरा को भेंट किया। दोनों पक्षों के बीच ग्रंथ की विषय-वस्तु, नेतृत्व मूल्यों और प्रदेश में सामाजिक कार्यों पर भी चर्चा हुई।

चर्चा के दौरान महंत शास्त्री ने ट्रस्ट द्वारा प्रदेश में संस्कृत भाषा के प्रचार-प्रसार के लिए आयोजित किए जा रहे कार्यक्रमों, जैसे जागरूकता शिविर, कार्यशालाएँ, सेमिनार और सांस्कृतिक गतिविधियों, की जानकारी साझा की। उनके अनुसार, इन प्रयासों से युवाओं में संस्कृत के प्रति रुचि बढ़ रही है और पारंपरिक ज्ञान-संस्कृति को नई पीढ़ी तक पहुँचाने में मदद मिल रही है।

निधि डोगरा ने संस्कृत को भारतीय सांस्कृतिक पहचान का महत्वपूर्ण आधार बताते हुए ऐसे अभियानों की सराहना की। उन्होंने कहा कि समाजिक संगठनों द्वारा मिलकर किए जा रहे प्रयास संस्कृति संरक्षण को मजबूती देते हैं। मुलाकात का समापन इस सहमति के साथ हुआ कि भविष्य में सांस्कृतिक और शैक्षिक कार्यक्रमों में दोनों संस्थाएँ मिलकर काम करने की संभावनाएँ तलाशेंगी, ताकि स्थानीय एवं व्यापक स्तर पर सांस्कृतिक सहभागिता को बढ़ावा दिया जा सके।

जेएमसी टीम ने सरकारी कॉलेज ऑफ एजुकेशन जम्मू का निरीक्षण किया, ग्रीन कैंपस चैंपियन सर्टिफ़िकेट प्रदान

जम्मू, 20 नवंबर (हि.स.)। जम्मू म्युनिसिपल कमेटी की एक टीम ने सरकारी कॉलेज ऑफ एजुकेशन जम्मू का दौरा कर परिसर की स्वच्छता, अपशिष्ट प्रबंधन और हरित पहल का मूल्यांकन किया।

निरीक्षण के दौरान टीम ने 'एकल उपयोग प्लास्टिक को न कहें' अभियान और पर्यावरणीय स्थिरता से जुड़े कदमों को प्रमुखता से परखा। निरीक्षण में पाया गया कि कॉलेज परिसर स्वच्छता और हरित वातावरण बनाए रखने के लिए प्रभावी प्रयास कर रहा है।

प्लास्टिक मुक्त कैंपस की दिशा में किए जा रहे कार्यों को भी टीम ने सराहनीय बताया। यह पूरा कार्यक्रम कॉलेज की प्राचार्य डॉ. ज्योति परिहार के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया, जिन्होंने छात्रों को दैनिक जीवन में साफ-सफाई और स्वस्थ आदतों को अपनाकर परिसर की सुंदरता बनाए रखने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम में वरिष्ठ फैकल्टी सदस्य प्रो. सतीश शर्मा ने भी उपस्थिति दर्ज कराई। निरीक्षण टीम की भरपूर संतुष्टि के बाद जेएमसी की ओर से कॉलेज को ग्रीन कैंपस चैंपियन का प्रमाणपत्र प्रदान किया गया। गौरतलब है कि जेएमसी की इस पहल का उद्देश्य शैक्षणिक संस्थानों में स्वच्छता, पर्यावरण जागरूकता और टिकाऊ प्रथाओं को प्रोत्साहित करना था। टीम ने कॉलेज के प्रयासों को सराहते हुए कहा कि ऐसे कदम शहर में बेहतर पर्यावरण संस्कृति विकसित करने में सहायक हैं।

संपादकीय

झूठी बातें फैलाना बंद करें

ऐसे ज़रूरी समय में जब सिक्योरिटी एजेंसियां अलग-अलग राज्यों, खासकर J&K में फैले मुश्किल टेरर नेटवर्क को बेनकाब करने और खत्म करने के लिए पूरी सिनर्जी से काम कर रही हैं, मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला का यह स्टैंड कि कश्मीरी मुसलमानों को टेररिस्ट का हमदर्द माना जा रहा है, बेबुनियाद और गलत है।

खबर है कि जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री ने व्हाइट कॉलर टेरर मॉड्यूल और दिल्ली ब्लास्ट केस में शामिल सभी लोगों को कड़ी सज़ा देने की वकालत की है, लेकिन कहा है कि बेगुनाह आम लोगों को नुकसान नहीं पहुंचाया जाना चाहिए और जम्मू-कश्मीर की पूरी आबादी को टेररिस्ट का हमदर्द नहीं कहा जा सकता।

ऐसे समय में जब नेशनल सिक्योरिटी एजेंसियां मुश्किल खतरों से निपटने में पूरी तरह लगी हुई हैं, पॉलिटिकल लीडरशिप के लिए समझदारी और सावधानी बरतना ज़रूरी हो जाता है। कोई भी अंदाज़े वाली या हल्के-फुल्के शब्दों में कही गई बातें, खासकर संवैधानिक पदों पर बैठे लोगों की तरफ से, बेवजह कन्फ्यूजन पैदा करती हैं, लोगों का भरोसा कमज़ोर करती हैं, और गलत जानकारी पर फलने-फूलने वाले देश-विरोधी तत्वों को फायदा पहुंचाती हैं। इसलिए ज़िम्मेदार बातचीत लीडरशिप की नींव होनी चाहिए, जिससे यह पक्का हो कि समाज की एकता बनी रहे, न कि कमज़ोर हो।

बिना किसी सबूत के, यह बिल्कुल भी सही नहीं है कि मुख्यमंत्री के पद पर बैठा व्यक्ति 'फेक नैरेटिव' फैलाकर बेबुनियाद डर फैलाए, क्योंकि किसी भी एजेंसी, चाहे वह सरकारी हो या प्राइवेट, संस्था या समुदाय ने ऐसा कोई खुला दावा नहीं किया है जैसा कि सत्ता में बैठे व्यक्ति ने कहा है। मुख्यमंत्री की ऐसी आशंकाएँ दिखाती हैं कि वह साइकोलॉजिकली और यहाँ तक कि पॉलिटिकल रूप से कितने कमज़ोर हैं, क्योंकि वह अपने बिना कन्फर्म किए हुए अंदाज़े पब्लिक डोमेन में शेयर कर रहे हैं। उन्हें ऐसे बेबुनियाद विचार शेयर करने में कंट्रोल दिखाना चाहिए था क्योंकि इनसे उन लोगों में अलगाव पैदा हो सकता है जिनकी ओर वह इशारा कर रहे हैं, क्योंकि वे इस अंदाज़े में डूबे हो सकते हैं कि साथी देशवासी उन्हें शक की नज़र से देख रहे हैं। यह J&K में समाज के साथ नाइंसाफ़ी के अलावा और कुछ नहीं है, जिससे हर हाल में बचना चाहिए था। ऐसे दावों में न केवल कोई फैक्ट नहीं होता, बल्कि इससे उस सामाजिक मेलजोल और भरोसे को भी नुकसान पहुँचने का खतरा होता है जिसकी इस इलाके को तुरंत ज़रूरत है।

आज ज़रूरत है कि शांति और अमन के लिए खतरा बन रहे कुछ हिंसा फैलाने वालों की पहचान की जाए और उन्हें अलग-थलग किया जाए। लोगों को गुमराह करने के बजाय, सत्ता में बैठे लोगों को लोगों को एकजुट करने और सुरक्षा एजेंसियों के साथ मिलकर चरमपंथी नेटवर्क को बिना किसी गलती के खत्म करने के लिए कदम उठाना चाहिए।

इसलिए, इस मामले में मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला का रवैया शक के घेरे में है और इसे ठीक करने की ज़रूरत है। इसके लिए स्टेकहोल्डर्स से कहा जाना चाहिए कि वे सिर्फ़ शांति के खिलाफ़ तत्वों से निपटने पर ध्यान दें, क्योंकि बाकी सब कुछ दूसरे दर्जे का है।

'डिनर प्लेट प्लांट' : कनकचंपा

मेरी कॉलोनी के बगीचे में कुछ वर्ष पूर्व वृक्षारोपण किया गया था। बड़े पैमाने पर नगर निगम से आए तरह-तरह के लगभग 50 पेड़-पौधे लगाए गए थे

पत्तल-दोने बनाने के काम में आने वाले पलाश, साल और माहुर बेल के पत्तों को तो उनके पेड़ों से, जब वे हरे होते हैं तभी तोड़ना पड़ता है। वहीं कनकचंपा के पेड़ स्वयं ही अपने पत्ते खिरा देते हैं। इसके पत्ते भी पलाश और साल के पत्तों की तुलना में दुगने, तिगने बड़े हैं। एक-दो पत्तों से ही पूरी डिनर प्लेट बन जाएगी। दोने भी एक ही पत्ते से बिना सिले, बिना जोड़-तोड़ के बन सकते हैं।

मेरी कॉलोनी के बगीचे में कुछ वर्ष पूर्व वृक्षारोपण किया गया था। बड़े पैमाने पर नगर निगम से आए तरह-तरह के लगभग 50 पेड़-पौधे लगाए गए थे। कॉलोनी के लोग जानते थे कि मेरा वनस्पतियों से कुछ नाता है, इसलिए उन्हें व्यवस्थित रूप से लगाने का जिम्मा मुझे सौंपा गया था। इस पौधारोपण के दौरान नीम, आम, जाम, जामुन, अशोक, बेल, बाटलब्रश आदि के पौधे लगाए गए थे। एक-दो पौधे ऐसे भी थे, जिनसे मैं अनजान था।इस बात को अब लगभग 15 वर्ष हो चुके हैं और अब ये सब फूलने-फलने लगे हैं। चिड़ियों की आमद-रफ़्त भी इन फलदार वृक्षों के कारण बढ़ गई है। पौधे अब 30-40 फीट तक ऊंचे वृक्ष बन चुके हैं। पौधारोपण के समय उन अनजान पौधों को भी बड़े अनमने मन से लगा तो दिया था, यह सोचकर कि बड़ा होने पर देखेंगे यह क्या है, कौन सा है? उनमें से आज एक पेड़ मुझे सबसे ज्यादा अच्छा लगता है।

यह एक लगभग 35 से 40 फीट ऊंचा सदाबहार वृक्ष है। इसकी पत्तियां बहुत बड़ी, लंबी-चौड़ी होती हैं, ऊपर से गहरी हरी, नीचे से हल्की पीली। एक बड़े से डंठल पर शाखों पर लगी हुई, लगभग आयताकार ट्रे जैसी। सबसे ज्यादा आकर्षक मुझे इसके बड़े-बड़े फूल लगते हैं जो सुबह-सुबह पलाश और सेमल की तरह नीचे जमीन पर पड़े मिलते हैं।इसकी पंखुड़ियां एकदम सफेद, मोटी, मांसल होती हैं। रात में फूल खिलते हैं जिनकी उम्र कुल जमा एक रात होती है। बहुत ही मधुर मीठी सुगंध वाले फूल जिनका परागण निशाचर चमगादड़ों द्वारा होता है। जी हां, वही चमगादड़ जो हमें गंदे, डरावने लगते हैं, पर हैं बड़े उपयोगी। इसके फूल और फल दोनों लगभग 15 सेंटीमीटर लंबे होते हैं। फल एकदम कड़क, लकड़ीनुमा, जिसके फटने पर ढेर सारे पंखदार बीज हवा में उड़ते हैं। शेष भाग जलाने के काम में लाया जा सकता है।फरवरी के अंतिम सप्ताह में ये बड़े-बड़े पत्ते अपने आप खिर जाते हैं जो हवा में इधर-उधर बड़ी मात्रा में उड़ते रहते हैं। इसके बड़े, लंबे-चौड़े पत्ते मुझे हमेशा लुभाते हैं। कुछ पत्ते तो एक फीट से भी ज्यादा लंबे-चौड़े होते हैं। फूलों का मखमलीपन भी कम नहीं है। पत्तों और फूलों की इन खासियतों के चलते इसका नाम पता लगाना अब तो बहुत ही जरूरी हो चुका था।मेरे पास लेखक और फिल्मकार प्रदीप कृष्ण की एक किताब थी- ट्रीज ऑफ डेल्ही, ए फील्ड गाइड। बस, उसमें मैंने इसे एक दिन ढूंढ ही लिया। इसकी पत्तियां और इसके फूलों के सहारे इसके कई नाम पता चले - कनकचंपा, कठचंपा, मुचकुंद, मेपल लीफ बियर। इसका अंग्रेजी नाम भी बड़ा ही सार्थक है, जो उसकी लंबी-चौड़ी पत्तियों की ओर इशारा करता है-डिनर प्लेट ट्री। इसका वैज्ञानिक नाम है-टैरोस्पर्मम ऐसरी फोलियम। इस नाम का शाब्दिक अर्थ है, पंखदार बीज वाला और ऐसर की पत्तियां जैसा वृक्ष।यह पेड़ सामान्यत- अपने मूल स्थान, यानी हिमालय में सदाबहार है। मध्यप्रदेश और उड़ीसा में इसके पेड़ जंगलों में मिलते हैं। बाग-बगीचों में लगाने के लिए यह एक सुंदर, उपयोगी पेड़ है। इसके औषधि महत्व भी हैं, पर मेरा ध्यान तो इसके बड़े-बड़े प्लेटनुमा पत्तों पर ही ज्यादा है जो सूखने पर कड़क और चमड़े जैसे हो जाते हैं और फाड़ने पर भी आसानी से फटते नहीं हैं।

जब हम ऐसे पेड़ों की बात करते हैं जिनसे पारंपरिक रूप से पत्तल-दोने बनाए जाते हैं तो उनमें पलाश, साल और माहुर बेल का नाम आता है। इनका उपयोग बड़े पैमाने पर किया भी जा रहा है, पर मुझे तो लगता है कि जो पेड़ अपने आप अपने सारे पत्ते खिरा देता है, उसकी खाने की थाली और कटोरियां बेहतर। प्लास्टिक और थर्माकोल की हानिकारक तथा पर्यावरण की दुश्मन प्लेटों की बजाए।

पत्तल-दोने बनाने के काम में आने वाले पलाश, साल और माहुर बेल के पत्तों को तो उनके पेड़ों से, जब वे हरे होते हैं तभी तोड़ना पड़ता है। वहीं कनकचंपा के पेड़ स्वयं ही अपने पत्ते खिरा देते हैं। इसके पत्ते भी पलाश और साल के पत्तों की तुलना में दुगने, तिगने बड़े हैं। एक-दो पत्तों से ही पूरी डिनर प्लेट बन जाएगी। दोने भी एक ही पत्ते से बिना सिले, बिना जोड़-तोड़ के बन सकते हैं। ये पत्ते इतने कड़क और वाटरप्रूफ हैं

कि इनमें आपको अन्य पत्तों की तरह पॉलिथीन की लेयर भी लगाने की जरूरत नहीं है।कहां लगाएं डिनर प्लेट प्लांट? ग्रीन-बेल्ट, सड़कों के किनारे, बाग-बगीचों, सरकारी उपक्रमों, स्कूल-कॉलेज में पड़ी खाली जगहों पर इसे बड़े पैमाने पर लगाना चाहिए। अशोक, नीम, करंज, बाटलब्रश, चंदन, गुलमोहर आदि के पत्तों का तो कोई उपयोग नहीं होता, परंतु अगर इसे बड़े पैमाने पर लगाया जाए तो इसके पत्तों का उपयोग पत्तल-दोना बनाने जैसे गृह-उद्योग में किया जा सकता है और इससे स्थानीय स्तर पर ही उपयोगी सामग्री उपलब्ध कराई जा सकती है।

वैश्विक व्यापार में रुपये की नई दस्तक

- डॉ. प्रियंका सौरभ

भारत आज उभरती वैश्विक अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण केंद्र बन रहा है और इसी आकांक्षा के साथ वह अपनी मुद्रा- भारतीय रुपये को अंतरराष्ट्रीय लेनदेन में अधिक स्वीकार्य बनाने की दिशा में गंभीर प्रयास कर रहा है। बदलते भू-राजनीतिक वातावरण, डॉलर-निर्भरता से जुड़ी अनिश्चितताओं तथा बहुध्रुवीय आर्थिक व्यवस्था के उभार ने यह अवसर प्रदान किया है कि भारत क्षेत्रीय और वैशिक व्यापार में रुपये के उपयोग को बढ़ाए। इसी संदर्भ में भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा स्थानीय मुद्रा निपटान प्रणाली की शुरुआत और इसे अनेक देशों के साथ लागू करने की कोशिश रुपये को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मज़बूत बनाने वाली निर्णायक पहल बनकर उभरी है। रुपये के प्रसार के पीछे कई प्रेरक कारण हैं। सबसे प्रमुख कारण अमेरिकी डॉलर पर अत्यधिक निर्भरता को कम करना है क्योंकि डॉलर आधारित भुगतान तंत्र अनेक बार राजनीतिक तनाव, प्रतिबंधों और वैशिक वित्तीय अस्थिरता के समय जोखिम पैदा करता है। रूस-यूक्रेन संघर्ष के बाद भारत ने अनुभव किया कि डॉलर आधारित तंत्र के कारण कई लेनदेन बाधित हो जाते हैं और व्यापार प्रभावित होता है। यदि व्यापार सीधे स्थानीय मुद्राओं में हो, तो भुगतान अधिक सुगम और सुरक्षित हो सकता है तथा विदेशी मुद्रा भंडार पर भी अनावश्यक दबाव नहीं पड़ता। साथ ही, कई देश अब अपने व्यापार में स्थानीय मुद्राओं के प्रयोग की ओर बढ़ रहे हैं, जिससे डॉलर-केंद्रित व्यवस्था धीरे-धीरे परिवर्तित हो रही है। भारत भी इस परिवर्तनशील प्रवृत्ति का स्वाभाविक हिस्सा है।

भारत की तीव्र आर्थिक वृद्धि और बढ़ते व्यापारिक संबंध भी रुपये-आधारित निपटान की आवश्यकता को बढ़ाते हैं। उदाहरण के लिए, भारत-रूस व्यापार पिछले दो दशकों में कई गुना बढ़ा है, परन्तु इस व्यापार में रुपये का उपयोग सीमित है। मुद्रा-आधारित विकल्प बढ़ने से न केवल व्यापार गति पकड़ता है बल्कि भारतीय निर्यातकों को विनिमय दर के उतार-चढ़ाव और हेजिंग लागत से भी राहत मिलती है। दीर्घकाल में वैश्विक स्तर पर स्वीकार्य मुद्रा भारत की आर्थिक शक्ति और राजनीतिक प्रभाव का संकेत भी बनती है। भारत के 30 खरब डॉलर की अर्थव्यवस्था और 1 खरब डॉलर के निर्यात लक्ष्य की दिशा में यह एक अनिवार्य कदम माना जा रहा है।

हालाँकि, रुपये के वैश्वीकरण के मार्ग में कई चुनौतियाँ भी हैं। अनेक देशों को अभी भी डॉलर या अपनी स्थानीय मुद्रा अधिक स्थिर विकल्प लगती है। कुछ देशों को रुपये की विनिमय दर की स्थिरता पर भरोसा कम है। व्यापारिक साझेदारों के साथ मूल्य-वृद्धि आधारित वस्तुओं का आदान-प्रदान सीमित होने से भी रुपये के व्यापक प्रयोग की संभावना घटती है। भारतीय निर्यातकों में भी रुपये आधारित निपटान के प्रति जागरूकता कम है, जिसके कारण वे इस विकल्प का पूरा लाभ नहीं उठा पाते। अंतरराष्ट्रीय भुगतान और संदेश प्रणाली की सीमित परस्पर संपर्कता भी रुपये की स्वीकार्यता को धीमा करती है, क्योंकि अभी भी बड़ी संख्या में देश पारंपरिक वैश्वीकरण संदेश तंत्र पर निर्भर हैं।

इन चुनौतियों के बीच भारतीय रिज़र्व बैंक की स्थानीय मुद्रा निपटान प्रणाली रुपये को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्थापित करने की दिशा में बड़ा बदलाव लेकर आई है। इस प्रणाली के अंतर्गत भारत अब संयुक्त रूप से सहमत देशों के साथ सीधे रुपये में व्यापार कर सकता है। संयुक्त अरब अमीरात, इंडोनेशिया, मॉरीशस और मालदीव के साथ हुए समझौते इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। इससे न केवल दोनों देशों के बीच व्यापार सुगम होगा बल्कि बैंकिंग लागत और भुगतान समय में भी कमी आएगी। इसके अतिरिक्त भारतीय रिज़र्व बैंक ने पड़ोसी देशों के बैंक एवं नागरिकों को रुपये में ऋण देने की अनुमति देकर नेपाल, भूटान और श्रीलंका जैसे देशों में रुपये के उपयोग को बढ़ावा दिया है।

भारत ने अपने त्वरित भुगतान तंत्र को कई देशों से जोड़कर एक नई वित्तीय संपर्क व्यवस्था विकसित की है। संयुक्त अरब अमीरात के साथ त्वरित भुगतान तंत्र का जुड़ना छोटे व्यापारियों, पर्यटकों और प्रवासी भारतीयों के लिए तत्काल भुगतान को सरल बनाता है, जिससे रुपये की उपयोगिता और स्वीकार्यता दोनों बढ़ती हैं। इसके साथ ही भारत अपनी वित्तीय संदेश प्रणाली को भी साझेदार देशों की प्रणालियों से जोड़ने की दिशा में कार्य कर रहा है, जिससे परंपरागत वैश्विक संदेश तंत्र पर निर्भरता कम होगी। यह व्यवस्था भुगतान प्रक्रिया को राजनीतिक तनावों से सुरक्षित रखेगी और रुपये की विश्वसनीयता बढ़ाएगी। समग्र रूप से रुपये का अंतरराष्ट्रीयकरण भारत की दीर्घकालिक रणनीतिक और आर्थिक आकांक्षा का आधार है। स्थानीय मुद्रा निपटान प्रणाली, डिजिटल भुगतान संपर्क, द्विपक्षीय वित्तीय संवाद और निर्यातकों की जागरूकता—ये सभी घटक मिलकर रुपये को वैश्विक व्यापार में अधिक उपयोगी और स्वीकृत मुद्रा बना सकते हैं। चुनौतियाँ अवश्य हैं, परंतु बदलते वैश्विक आर्थिक परिदृश्य में भारत के पास अवसर भी विशाल है। यदि भारत अपने व्यापारिक साझेदारों के साथ आपूर्ति श्रृंखला को गहरा करे, भुगतान तंत्र को सरल बनाए और रुपये की स्थिरता को मजबूत करे, तो आने वाले वर्षों में रुपये की वैश्विक भूमिका निश्चित रूप से विस्तार पाएगी।

(लेखिका, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

बिहार चुनावों में लगे झटके से इंडिया ब्लाक को उचित सबक लेना चाहिए

हर राज्य के चुनाव के लिए एक अलग चुनावी रणनीति की ज़रूरत होती है। केरल, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल के लिए चुनावी परिदृश्य तय हैं, लेकिन असम में यह अभी भी अस्थिर है। अभी तो बस एक कदम आगे बढ़ा है, असम में इंडिया ब्लॉक की अंतिम जीत के लिए कुछ और कदम उठाने की ज़रूरत है। दिल्ली के बाद 2025 में होने वाला एक और विधानसभा चुनाव भाजपा ने जीत लिया है।भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए ने बिहार विधानसभा चुनावों में भारी जीत हासिल की है और 243 सदस्यीय राज्य विधानसभा में एनडीए के घटकों की जीत ने राजद और इंडिया ब्लॉक के अन्य घटकों को चौंका दिया है। एनडीए को 202 सीटें मिली हैं, जबकि महागठबंधन को 35 और अन्य को छह सीटें।ऐसे समय में जब तेजस्वी यादव को महागठबंधन का संभावित मुख्यमंत्री घोषित किए जाने के बाद इंडिया ब्लॉक में भारी उत्साह था और राहुल गांधी के नेतृत्व में एसआईआर के खिलाफ आंदोलन ने चुनाव आयोग और केंद्र के खिलाफ एक बड़े आंदोलन का रूप ले लिया था, महागठबंधन की रणनीति और चुनाव अभियान में क्या गलती हुई? इसका आकलन इंडिया ब्लॉक के नेताओं और उनके थिंक टैंक को सावधानीपूर्वक करना होगा।

सबसे पहले, 2025 के इस चुनाव ने मुख्यमंत्री का पुनर्वास कर दिया है। उनके पास कहावत के अनुसार नौ जन्म हैं। भाजपा को अकेले सबसे ज़्यादा 89 सीटें मिली हैं, जबकि जदयू को 85 सीटें। लेकिन नीतीश कुमार को पूरी शक्तियों के साथ शपथ दिलाई जानी है और राज्य भाजपा नेतृत्व को तब तक लंबा इंतज़ार करना होगा जब तक जदयू सुप्रीमो शारीरिक रूप से स्वस्थ रहते हैं।दूसरी बात, नीतीश कु मार की वजह से महिलाओं का समर्थन निश्चित रूप से एनडीए के पक्ष में गया है। चुनाव से कुछ दिन पहले महिलाओं के लिए अतिरिक्त धनराशि की घोषणा का बड़ा असर हुआ। नीतीश कु मार सत्ता में थे, इसलिए उन्हें रेवड़ियों का पहला फ़ायदा मिल सकता था। राजद नेता की बाद की घोषणा उस प्रभाव को हासिल करने में विफल रही। वास्तव में, चुनावों में महिलाओं की भागीदारी और उनके मताधिकार का आक्रामक रूप से दावा, महिलाओं को नकद हस्तांतरण सहित विभिन्न महिला-केंद्रित योजनाओं का परिणाम है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बंगाल में दिखाया है कि राजनीतिक लाभ पाने के लिए इसे राज्य में कितनी प्रभावी ढंग से लागू किया जा सकता है।तीसरी बात, एसआईआर पर रणनीति का समग्र रूप से इंडिया ब्लॉक द्वारा उचित मूल्यांकन किया जाना चाहिए। कांग्रेस को केवल 6 सीटें मिलीं - इससे बिहार में कांग्रेस के संगठनात्मक कद का पता चलना चाहिए, जिसने लगातार राजद से अधिक सीटों के लिए सौदेबाजी की।

राजद महागठबंधन का नेता था। इसलिए एनडीए की भारी जीत से उसे सबसे ज़्यादा नुकसान हुआ। लेकिन मतदान के आंकड़ों से पता चलता है कि राजद को भाजपा से ज़्यादा वोट मिले। राजद में क्षमता है और यही वह पार्टी है जो 2025 के चुनाव अभियान में अपनी कमज़ोरियों का आकलन करके वापसी कर सकती थी। इसी तरह, भारी हार झेलने वाली भाकपा (माले)एल को यह आकलन करना होगा कि 2020 का उसका आधार कुछ हद तक कम हो गया है। पार्टी ने अपने उम्मीदवारों के साथ-साथ अन्य महागठबंधन उम्मीदवारों के लिए भी कड़ी मेहनत की। भाकपा (माले)एल के महासचिव दीपांकर भट्टाचार्य को 2025 के चुनावों में अपनी पार्टी और महागठबंधन के खराब प्रदर्शन की गहराई से जांच करनी होगी।यह स्पष्ट है कि प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी और ओवैसी की एआईएमआईएम ने महागठबंधन के वोट, खासकर राजद के वोट काटे। संसदीय लोकतंत्र में चुनावों के दौरान ऐसी बातें होती रहती हैं। लेकिन महागठबंधन को असली झटका चिराग पासवान की पार्टी लोजपा (रालोद) से लगा, जो अपने दलित वोट एनडीए उम्मीदवारों को हस्तांतरित कर सकी। 21 सीटों के साथ, चिराग पासवान राज्य और केंद्र, दोनों ही राजनीति में शक्तिशाली हो गए हैं।

हालांकि इंडिया ब्लॉक और महागठबंधन नेतृत्व से महागठबंधन की हार के लिए जिम्मेदार कारकों पर आत्ममंथन करने की उम्मीद की जा रही है, लेकिन भाजपा के लिए यह उनके गौरव का क्षण है। हालांकि केंद्रीय नेता बिहार में एनडीए की निश्चित जीत की बात कर रहे थे, लेकिन निजी तौर पर वे चिंतित थे। एसआईआर के खिलाफ आंदोलन ने नरेंद्र मोदी और अमित शाह दोनों को ही परेशान कर दिया था। लेकिन वे बेहतरीन रणनीतिकार हैं। बिहार चुनाव में अपनी रणनीति की जीत का श्रेय अमित शाह ज़रूर लेंगे। अब उनका अगला ध्यान केरल, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, असम और पुडुचेरी के अगले विधानसभा चुनावों में बेहतर प्रदर्शन करने पर है।बिहार चुनाव की हार से उचित सबक लेना और

अप्रैल/मई 2026 में होने वाले राज्य विधानसभा चुनावों के अगले दौर में चुनौती का सामना करने के लिए एकजुट होकर तैयारी करना, इंडिया ब्लॉक के लिए एक बड़ा काम है। अब केवल चार महीने बचे हैं। इसलिए इंडिया ब्लॉक के घटकों के पास समय नहीं बचा है, उन्हें संबंधित राज्यों में अपना काम शुरू कर देना चाहिए। भाजपा का केंद्रीय नेतृत्व तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में विपक्षी सरकारों को गिराने की पूरी कोशिश करेगा। केरल में, मुकाबला माकपा के नेतृत्व वाले एलडीएफ और कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूडीएफ के बीच है, भाजपा ज़्यादा से ज़्यादा दो/तीन सीटें हासिल कर सकती है। नई सरकार का नेतृत्व इंडिया ब्लॉक के किसी भी सहयोगी, माकपा या कांग्रेस, द्वारा किया जाएगा।इसी तरह पश्चिम बंगाल में, ममता बनर्जी के रूप में, इंडिया ब्लॉक को एक राजनीतिक रणनीतिकार मिल गया है जो 2026 के विधानसभा चुनावों में राज्य स्तर पर भाजपा का मुकाबला कर सकता है। सभी संकेत यही बताते हैं कि गृह मंत्री अमित शाह चाहे जितने भी प्रयास करें, भाजपा संगठनात्मक रूप से बेहतर प्रदर्शन करने की स्थिति में नहीं है।इंडिया ब्लॉक के लिए, 2026 के विधानसभा चुनावों से ठीक पहले तमिलनाडु में हुए हालिया घटनाक्रमों से चिंतित होने का एक कारण ज़रूर है। फिल्म स्टार विजय हलचल मचा रहे हैं और उन्हें युवाओं और महिलाओं का ज़बरदस्त समर्थन मिल रहा है। उनकी राजनीतिक पार्टी ने अभी तक गठबंधन पर कोई रुख़ तय नहीं किया है। लेकिन अगर विजय, एआईएडीएमके-भाजपा गठबंधन के साथ हाथ मिलाते हैं, तो इससे स्टालिन के नेतृत्व वाली डीएमके और इंडिया ब्लॉक के घटकों, जो मिलकर विधानसभा चुनाव लड़ रहे हैं, के लिए ख़तरा पैदा हो सकता है। 2025 में तमिलनाडु की राजनीतिक स्थिति 2021 के चुनावों से थोड़ी अलग है। डीएमके के नेतृत्व वाले मोर्चे को इस चुनौती को गंभीरता से लेना चाहिए।असम में, भाजपा को राज्य में सत्ता बरकरार रखने का भरोसा है। केंद्रीय पार्टी नेतृत्व को मुख्यमंत्री हिमंतविस्वा शर्मा की बंगाली भाषी मुसलमानों को असमिया भाषी मुसलमानों से अलग करने और असमिया हिंदुओं का समर्थन पाने के लिए हिंदुत्व की तर्ज पर प्रचार करने की रणनीति पर भरोसा है। असम में, आखिरकार इंडिया ब्लॉक पार्टियां 2026 के चुनावों के लिए कांग्रेस पार्टी के नेतृत्व में एक तरह की एकजुटता पर पहुंच गई हैं, जो असम में अग्रणी इंडिया ब्लॉक पार्टी है। असम में 35 प्रतिशत अल्पसंख्यक, मुख्यत- मुसलमान, हैं। एआईयूडीएफ लंबे समय से मुख्य रूप से बंगाली भाषी मुसलमानों के हितों की देखभाल करने वाली पार्टी है। कांग्रेस को इस पार्टी के साथ चुनावी मोर्चा बनाने में समस्या हो रही है। लेकिन अगरएआईयूडीएफ अलग से लड़ती है तो इससे कई निर्वाचन क्षेत्रों में भाजपा को मदद मिलेगी। कांग्रेस बिहार में एनडीए के साथ चिराग पासवान के रणनीतिक गठबंधन और इससे एनडीए को हुए लाभ से सबक ले सकती है। विपक्षी मोर्चा भाजपा विरोधी मतों को विभाजित न करने के उद्देश्य से चुनावी समझौता कर सकता है, भले ही एआईयूडीएफ को विपक्षी मोर्चे का हिस्सा न बनाया जाए। अगर इंडिया ब्लॉक असम में 2026 के चुनावों में भाजपा को हराना चाहता है, तो उन्हें भाजपा विरोधी मतों का कोई विभाजन नहीं करना होगा।हर राज्य के चुनाव के लिए एक अलग चुनावी रणनीति की ज़रूरत होती है। केरल, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल के लिए चुनावी परिदृश्य तय हैं, लेकिन असम में यह अभी भी अस्थिर है। अभी तो बस एक कदम आगे बढ़ा है, असम में इंडिया ब्लॉक की अंतिम जीत के लिए कुछ और कदम उठाने की ज़रूरत है। दिल्ली के बाद 2025 में होने वाला एक और विधानसभा चुनाव भाजपा ने जीत लिया है। लेकिन 2026 की लड़ाइयों के लिए, इंडिया ब्लॉक कोई भी हार बर्दाश्त नहीं कर सकता।

आईसीसी अंडर-19 पुरुष क्रिकेट विश्व कप 2026 का शेड्यूल जारी, फाइनल 6 फरवरी को हरारे में

एजेंसी

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने आईसीसी अंडर-19 पुरुष क्रिकेट विश्व कप 2026 का पूरा शेड्यूल जारी कर दिया है। यह टूर्नामेंट 15 जनवरी से 6 फरवरी तक जिम्बाब्वे और नामीबिया में संयुक्त रूप से खेला जाएगा। इस बार 16 टीमें कुल 41 मैचों में खिताब के लिए भिड़ेंगी। फाइनल मुकाबला 6 फरवरी को हरारे स्पोर्ट्स क्लब में खेला जाएगा। इस टूर्नामेंट की खास बात यह है कि तंजानिया पहली बार अंडर-19 विश्व कप में हिस्सा लेगा और अपने पदार्पण मैच में उसका सामना वेस्टइंडीज से होगा। सभी वार्म-अप मैच 9 से 14 जनवरी के बीच खेले जाएंगे। टूर्नामेंट में चार-चार टीमों के चार ग्रुप होंगे। इसके बाद सुपर सिक्स चरण, फिर सेमीफाइनल और फाइनल मुकाबला होगा। मौजूदा चैंपियन ऑस्ट्रेलिया अपना पहला मैच 16 जनवरी को आयरलैंड के खिलाफ विंडहोक में खेलेगी। भारत और बांग्लादेश के बीच रोमांचक भिड़ंत 17 जनवरी को बुलावायो में होगी। आईसीसी चेयरमैन जय शाह ने कहा कि यह टूर्नामेंट हमेशा से भविष्य के सितारों को दुनिया के सामने लाने का मंच रहा है। ब्रायन लारा, सनथ जयसूर्या, विराट कोहली, केन विलियमसन, स्टीव स्मिथ और शुभमन गिल जैसे कई दिग्गज इसी प्रतियोगिता से निखरे हैं। उन्होंने कहा कि 2026 संस्करण युवा खिलाड़ियों के लिए अपने सपनों को उड़ान देने का बड़ा मौका है। साथ ही उन्होंने तंजानिया का पहली बार स्वागत भी किया।

टोक्यो समर डेफलिम्पिक्स: अभिनव देशवाल और प्रांजली धुमाल ने एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में जीता स्वर्ण

टोक्यो। टोक्यो में जारी 25वें समर डेफलिम्पिक्स में भारतीय निशानेबाज़ों का शानदार प्रदर्शन भी जारी रहा, जहां अभिनव देशवाल और प्रांजली प्रशांत धुमाल ने 10एम एयर पिस्टल मिश्रित टीम इवेंट में चीनी ताइपे के या-जू काओ और मिंग-जुई हसु को 16-6 से हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। दिन की दूसरी स्पर्धा में कुशाग्र सिंह राजावत ने 50एम राइफल प्रोन में कांस्य पदक जीता। इन पदकों के साथ भारत की शूटिंग में कुल पदक संख्या 11 हो गई है, जो अभी तक टोक्यो में भारत के जीते गए कुल पदक हैं। अभिनव और प्रांजली ने स्वर्ण पदक मैच की शुरुआत से ही अपना दबदबा बनाए रखा और प्रतिद्वंद्वियों को वापसी का कोई मौका नहीं दिया। इससे पहले क्वालिफिकेशन में दोनों ने डेफ वर्ल्ड और ओलंपिक रिकॉर्ड की बराबरी की थी, जिसे पिछले डेफलिम्पिक्स में इसी जोड़ी ने स्थापित किया था। भारतीय जोड़ी ने 569-20× का संयुक्त स्कोर किया, जिसमें अभिनव ने 287-12× (97, 95, 95) और प्रांजली ने 282-8× (95, 94, 93) स्कोर किया। दोनों निशानेबाज़ व्यक्तिगत वर्ग में भी रजत पदक जीत चुके हैं। भारत की दूसरी जोड़ी महिलाओं की व्यक्तिगत चैंपियन अनुया प्रसाद और रुदार विनोद कुमार क्वालिफिकेशन में 553-10× के संयुक्त स्कोर के साथ सातवें स्थान पर रही। अनुया ने 280-5× (93, 91, 96) जबकि रुदार ने 273-5× (92, 90, 91) स्कोर किया।

शुभमन गिल टीम के साथ गुवाहाटी जाएंगे, दूसरे टेस्ट में खेलना अभी अनिश्चित

नई दिल्ली। भारत के टेस्ट कप्तान शुभमन गिल की फिटनेस को लेकर बड़ी अपडेट सामने आई है। गिल ने उपचार का ठीक तरह से रिस्पॉन्स दिया है और वह आज टीम इंडिया के साथ गुवाहाटी के लिए रवाना होंगे। हालांकि, 22 नवंबर से शुरू होने वाले दूसरे टेस्ट में उनकी भागीदारी अभी भी अनिश्चित बनी हुई है। शुभमन गिल को कोलकाता टेस्ट के दूसरे दिन दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ बल्लेबाजी के दौरान गर्दन में चोट लगी थी, जिसके बाद उन्हें तीन गेंद खेलने के बाद रिटायर्ड हर्ट होना पड़ा। इसके बाद उनकी जांच के लिए अस्पताल ले जाया गया और तीसरे दिन बीसीसीआई ने घोषणा की कि गिल अब इस मैच में हिस्सा नहीं लेंगे। गिल को मेडिकल टीम की निगरानी में रखा गया था और अगले दिन उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। बीसीसीआई ने एक प्रेस रिलीज़ में पुष्टि की कि शुभमन गिल स्वास्थ्य लाभ कर रहे हैं और 19 नवंबर 2025 को टीम के साथ गुवाहाटी जाएंगे। वहां भी उन पर मेडिकल टीम की नजर बनी रहेगी और दूसरे टेस्ट में उनकी उपलब्धता का फैसला आगे की जांच के बाद किया जाएगा।

शानदार गेंदबाजी के बाद बल्लेबाजों का फीका प्रदर्शन, अफगानिस्तान से हारा भारत

बेंगलुरु : अफगानिस्तान ने यहां अंडर-19 त्रिकोणीय श्रृंखला के मैच में भारत बी को 71 रन से हरा दिया। भारत बी ने नमन पुष्पक (45 रन पर चार विकेट) की धारदार गेंदबाजी से अफगानिस्तान को 45.2 ओवर में 168 रन पर समेट दिया।

भारत की ओर से इशान सूद ने भी 24 रन पर दो विकेट चटकाए। अफगानिस्तान की तरफ से फैजल शिनोजादा (58 रन, 76 गेंद, सात चौके) ने अर्धशतक जड़ा जबकि अजीजुल्लाह मेखिल ने 42 रन की उम्दा पारी खेली जिससे टीम सम्मानजनक स्कोर खड़ा करने में सफल रही। इसके जवाब में भारत बी की टीम सलामी बल्लेबाज युवराज गोहिल की 80 गेंद में आठ चौकों और एक छक्के से नाबाद 60 रन की पारी के बावजूद 29.3 ओवर में 97 रन पर ढेर हो गई। युवराज के अलावा भारत का कोई भी अन्य बल्लेबाज दोहरे अंक में नहीं पहुंच पाया।

महित संधू ने 50 मीटर राइफल प्रोन में सिल्वर जीता, डेफलिंपिक्स में दिलाया तीसरा पदक

एजेंसी

टोक्यो/नई दिल्ली। भारत की स्टार राइफल शूटर महिन संधू ने टोक्यो में चल रहे 25वें समर डेफलिंपिक्स में 50 मीटर राइफल प्रोन स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक अपने नाम किया। यह इस टूर्नामेंट में उनका तीसरा पदक है। महित ने क्वालिफिकेशन में वर्ल्ड डेफ रिकॉर्ड भी तोड़ा और फाइनल में 246.1 अंक के साथ सिल्वर मेडल हासिल किया। चेकिया की एलिस्का स्वोबोदावा ने 247.2 अंकों के साथ स्वर्ण जीता, जबकि हंगरी की मीरा ज़सज़ाना बियातोव्स्की ने 225.0 अंकों के साथ कांस्य पदक हासिल किया। भारत की नताशा जोशी फाइनल में शूट-ऑफ के बाद आठवें स्थान पर रहीं।फाइनल में महित पहले 14 शॉट्स के बाद चौथे स्थान पर थीं। अगले दो शॉट्स की सीरीज में

उन्होंने यूक्रेन की वायोलेटा लिकोवा को पीछे छोड़ते हुए तीसरे स्थान पर जगह बनाई और 20 शॉट्स तक इसी पोज़िशन पर बनी रहीं। इसके बाद 9.8 और 10.2 के स्कोर के साथ उन्होंने बढ़त बनाई, जबकि हंगरी की शूटर के 9.4 और 9.8 के स्कोर ने महित को सिल्वर पोज़िशन में पहुंचा दिया। अंतिम दो शॉट्स में महित ने 10.0 और 10.7 के अच्छे स्कोर लगाए, लेकिन चेक शूटर स्वोबोदावा के लगातार 10 के स्कोर को पार नहीं कर सकीं।

इससे पहले क्वालिफिकेशन में महित ने 619.7 अंकों के साथ नया वर्ल्ड डेफ रिकॉर्ड बनाया था। भारत की नताशा जोशी ने भी बेहतरीन प्रदर्शन किया और 611.6 के स्कोर के साथ सातवें स्थान पर रहते हुए फाइनल में जगह बनाई।

टोक्यो डेफलिंपिक्स में भारत की शूटिंग टीम का कुल पदक संख्या अब 12 पर पहुंच गई है, जिसमें से तीन पदक अकेले महित संधू ने जीतकर देश का गौरव बढ़ाया है।

ऑस्ट्रेलिया ने पहले एशेज टेस्ट के लिए घोषित की प्लेइंग 11, स्मिथ करेंगे कप्तानी; वेदराल्ड और डॉगेट करेंगे डेब्यू

एजेंसी

नई दिल्ली। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने पर्थ में होने वाले पहले एशेज टेस्ट के लिए अपनी अंतिम एकादश की घोषणा कर दी है। नियमित कप्तान पैट कमिंस और तेज़ गेंदबाज़ जोश हेज़लवुड के चोटिल होने के चलते अनुपस्थित रहने पर स्टीव स्मिथ टीम की कमान संभालेंगे। ओपनर जेक वेदराल्ड और तेज़ गेंदबाज़ ब्रेंडन डॉगेट को पहली बार टेस्ट कैप मिली है। वेदराल्ड, उस्मान ख्वाजा के साथ पारी की शुरुआत करेंगे, जबकि डॉगेट मिचेल स्टार्क और स्कॉट बोलैंड के साथ तेज़ आक्रमण में शामिल होंगे। इससे पहले इंग्लैंड अपनी 12 सदस्यीय टीम की घोषणा कर चुका है, जिसमें शोएब बशीर को

एकमात्र स्पिनर के रूप में शामिल किया गया है। तेज़ गेंदबाज़ जोफ्रा आर्चर, ब्राइडन कार्स, गस एटकिंसन और मार्क वुड भी इंग्लैंड के दल का हिस्सा हैं। उस्मान ख्वाजा, जेक वेदराल्ड, मार्नस लाबुशेन, स्टीव स्मिथ (कप्तान), ट्रेविस हेड, कैमरन ग्रीन, एलेक्स कैरी (विकेटकीपर), मिचेल स्टार्क, ब्रेंडन डॉगेट, स्कॉट बोलैंड, नाथन लायन।

फीफा वर्ल्ड कप 2026 इंटरकॉन्टिनेंटल प्लेऑफ: ग्वाडलाहारा और मोंटेरे होंगे मेजबान

एजेंसी

मेक्सिको सिटी। फीफा ने घोषणा की कि फीफा विश्व कप 2026 के इंटरकॉन्टिनेंटल प्लेऑफ मुकाबले मेक्सिको के दो प्रमुख शहरों – ग्वाडलाहारा और मोंटेरे – में आयोजित किए जाएंगे। टूर्नामेंट की शुरुआत 23 मार्च से होगी, जिसमें पाँच अलग-अलग परिसंघों की छह टीमें दो विश्व कप स्थानों के लिए भिड़ेंगी।

इंटरकॉन्टिनेंटल प्लेऑफ के लिए इराक, डीआर कांगो, जमैका, सूरीनाम, बोलीविया और न्यू कैलेडोनिया ने क्वालिफाई किया है। ड्रा गुरुवार को ज्यूरिख में आयोजित किया जाएगा, जिसके बाद मैच शेड्यूल जारी किया जाएगा। फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो ने कहा, 'ये प्रतिष्ठित स्टेडियम जुनून, रोमांच और उत्साह से भरे एक शानदार आयोजन के लिए बिल्कुल उपयुक्त मंच हैं।' ग्वाडलाहारा और मोंटेरे के स्टेडियम विश्व कप 2026 के दौरान भी मैचों की

मेजबानी करेंगे। ग्वाडलाहारा स्टेडियम में चार ग्रुप-स्टेज मुकाबले खेले जाएंगे, जबकि मोंटेरे स्टेडियम में तीन ग्रुप मैच और एक राउंड-ऑफ-32 मुकाबला होगा। इसके अलावा, मेक्सिको का तीसरा विश्व कप स्थल होगा हाल ही में पुनर्निर्मित एस्टाडियो एज़्टेका, जो टूर्नामेंट के प्रमुख मैचों की मेजबानी करेगा।

डेविस कप 2025: इटली ने ऑस्ट्रिया को हराकर सेमीफाइनल में बनाई जगह, अब बेल्जियम से भिड़ंत

एजेंसी

नई दिल्ली। बोलोनिया में खेले गए मुकाबले में इटली ने ऑस्ट्रिया के खिलाफ दोनों सिंगल्स मैच जीतकर डेविस कप 2025 के सेमीफाइनल में अपना स्थान पक्का कर लिया। अब इटली की टीम सेमीफाइनल में बेल्जियम से भिड़ेगी। जैनिक सिनर और लोरेंजो मुसेत्ती जैसे टॉप-10 खिलाड़ियों की गैरमौजूदगी के बावजूद मात्तेओ बेरेटिनी और फ्लावियो कोबोली ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सीधे सेटों में जीत दर्ज की। घरेलू दर्शकों से भरे स्टेडियम में इटली ने अपने खिताब बचाव अभियान को मजबूती से आगे बढ़ाया। पूर्व विंबलडन फाइनलिस्ट बेरेटिनी ने जूरिज रोडियोनोव को 6-3, 7-6 (7/4) से हराया। दूसरे सेट में 2-5 से पीछे रहने और एरिना की लाइटिंग समस्या के कारण आधे घंटे के व्यवधान के बावजूद उन्होंने शानदार वापसी की। 29 वर्षीय खिलाड़ी ने लगातार तीन गेम जीतते हुए तीन सेट प्वाइंट बचाए और टाई-ब्रेक जीतकर इटली को बढ़त दिलाई। टीम कप्तान फिलिप्पो वोलांद्री ने कहा, 'मैं

खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर गर्व महसूस करता हूँ। मत्तेओ मुश्किल हालात में समाधान ढूंढने वाले खिलाड़ी हैं और ऐसे मुकाबलों के लिए ही बने हैं।' दूसरे सिंगल्स में फ्लावियो कोबोली ने ऑस्ट्रिया के सबसे ऊंची रैंकिंग वाले खिलाड़ी फिलिप मिसोलिक को 6-1, 6-3 से एकतरफा मुकाबले में हराया। 22वीं रैंक वाले कोबोली ने एक घंटे से थोड़े अधिक समय में जीत दर्ज की। 23 वर्षीय कोबोली ने इस साल हैम्बर्ग और बुकारेस्ट में अपने पहले खिताब जीते थे मैच के बाद कोबोली ने कहा, 'यह मेरे जीवन का सबसे खास दिन है। इटली की जर्सी पहनकर खेलना मेरा सपना था।' इटली की दो सिंगल्स जीत के बाद सिमोने बोलेली और आंद्रिया वावासोरी को एरलर-मीडलर के खिलाफ अपना डबल्स मैच नहीं खेलना पड़ा। सेमीफाइनल लाइन-अप गुरुवार को पूरा होगा, जब अर्जेंटीना का मुकाबला जर्मनी से और स्पेन का सामना चेक गणराज्य से होगा। विश्व नंबर-1 कार्लोस अल्कराज हैमस्ट्रिंग चोट के कारण स्पेन टीम से हट चुके हैं।

मुश्फिकुर रहीम बने 100वां टेस्ट खेलते हुए शतक जड़ने वाले 11वें बल्लेबाज़

एजेंसी

नई दिल्ली। बांग्लादेश के अनुभवी विकेटकीपर-बल्लेबाज़ मुश्फिकुर रहीमन गुरुवार को आयरलैंड के खिलाफ मीरपुर में खेले जा रहे दो मैचों की टेस्ट सीरीज़ के दूसरे टेस्ट के दूसरे दिन एक खास उपलब्धि हासिल की। 38 वर्षीय रहीम ने अपने 100वें टेस्ट मैच में शतक लगाकर इतिहास रच दिया। वह यह कारनामा करने वाले बांग्लादेश के पहले, और दुनियाभर के 11वें खिलाड़ी बन गए। सबसे अधिक टेस्ट खेलने वाले बांग्लादेशी खिलाड़ी रहीम ने अपनी पारी में कई आकर्षक चौके लगाए और 195 गेंदों में शतक पूरा किया। उनके इस शतक ने उन्हें टेस्ट क्रिकेट के उन चुनिंदा दिग्गजों की सूची में शामिल कर दिया, जिन्होंने अपने 100वें टेस्ट में शतकीय पारी खेली है।

100वें टेस्ट में शतक जड़ने वाले बल्लेबाज़ों की पूरी सूची:

कॉलिन कौड्रे (इंग्लैंड) - 104 बनाम ऑस्ट्रेलिया, बर्मिंघम, 11 जुलाई 1968

जावेद मियांदाद (पाकिस्तान) - 145 बनाम भारत, लाहौर, 1 दिसंबर 1989

गॉर्डन ग्रीनिज (वेस्टइंडीज) - 149 बनाम इंग्लैंड, सेंट जॉन्ज़, 12 अप्रैल 1990

एलेक स्टीवर्ट (इंग्लैंड) - 105 बनाम वेस्टइंडीज, मैनचेस्टर, 3 अगस्त 2000

इंजमाम-उल-हक़ (पाकिस्तान) - 184 बनाम भारत, बेंगलुरु, 24 मार्च 2005

रिकी पोंटिंग (ऑस्ट्रेलिया) - 120 और 143* बनाम दक्षिण अफ्रीका, सिडनी, 2 जनवरी 2006

ग्रेम स्मिथ (दक्षिण अफ्रीका) - 131 बनाम इंग्लैंड, लंदन, 19 जुलाई 2012

हाशिम अमला (दक्षिण अफ्रीका) - 134 बनाम श्रीलंका, जोहान्सबर्ग, 12 जनवरी 2017

जो रूट (इंग्लैंड) - 218 बनाम भारत, चेन्नई, 5 फरवरी 2021

डेविड वॉर्नर (ऑस्ट्रेलिया) - 200 बनाम दक्षिण अफ्रीका, मेलबर्न, 26 दिसंबर 2022

मुश्फिकुर रहिम (बांग्लादेश) - 100* बनाम आयरलैंड, मिरपुर, 19 नवंबर 2025

मुश्फिकुर का यह शतक न सिर्फ उनकी काबिलियत और अनुभव का प्रमाण है, बल्कि बांग्लादेश क्रिकेट के लिए एक ऐतिहासिक पल भी है।

ऑल इंडिया बुंदेलखंड हॉकी टूर्नामेंट के फाइनल में आमने-सामने होंगे श्याम लाल कॉलेज और साई सेंटर लखनऊ

एजेंसी

चरखारी (बुंदेलखंड)। 81वें ऑल इंडिया बुंदेलखंड हॉकी टूर्नामेंट अपने रोमांचक अंतिम चरण में पहुंच गया है। टूर्नामेंट के फाइनल मुकाबले में श्याम लाल कॉलेज और साई सेंटर लखनऊ आमने-सामने होंगे। दोनों टीमों ने पूरे टूर्नामेंट में दमदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल तक का सफर तय किया है। सेमीफाइनल मुकाबले में श्याम लाल कॉलेज ने करमपुर हॉकी अकादमी को 2-0 से हराते हुए शानदार जीत हासिल की। टीम के स्टार फॉरवर्ड प्रत्यूष सिंह जग्गी ने मैच का पहला गोल कर टीम को बढ़त दिलाई, जबकि मिडफील्डर पंकज ने दूसरा गोल दागकर जीत को पक्का किया। मैच के दौरान श्याम लाल कॉलेज की रक्षा पंक्ति भी मजबूत रही, जिसने करमपुर की किसी भी आक्रामक कोशिश को सफल नहीं होने दिया। दूसरे सेमीफाइनल में साई सेंटर लखनऊ ने भी अपना दबदबा दिखाते हुए इटारसी हॉकी क्लब को 2-0 से मात दी। पूरे मैच में लखनऊ की टीम ने तेज गति और शानदार पासिंग का प्रदर्शन किया। साई सेंटर के खिलाड़ियों ने मैच की शुरुआत से ही दबाव बनाए रखा और गोल करने के अवसरों का भरपूर फायदा उठाया। टीम की डिफेंस यूनिट ने भी बेहतरीन तालमेल दिखाते हुए इटारसी को गोलरहित रखा। फाइनल मुकाबले को लेकर दोनों टीमों में जबरदस्त उत्साह है। श्याम लाल कॉलेज अपनी आक्रामक रणनीति और लय को बरकरार रखना चाहेगा, वहीं साई सेंटर लखनऊ अपने अनुशासित खेल और फिटनेस पर भरोसा करेगा। दर्शकों को उम्मीद है कि फाइनल एक कड़े संघर्ष, तेज रफ्तार खेल और रोमांचकारी पलों से भरपूर होगा। चरखारी में हॉकी प्रेमियों में भी फाइनल को लेकर खासा उत्साह है।

वर्ल्ड बॉक्सिंग प्रेसिडेंट ने रोहतक स्थित साई के नेशनल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस को बताया 'बेहद प्रभावशाली'

एजेंसी

रोहतक। वर्ल्ड बॉक्सिंग के प्रेसिडेंट बोरिस वैन डेर वोर्स्ट, जो इन दिनों ग्रेटर नोएडा में आयोजित वर्ल्ड बॉक्सिंग कप के लिए भारत दौरे पर हैं, ने स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (साई) के रोहतक स्थित नेशनल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (एनसीओई) का दौरा किया। अपने विस्तृत निरीक्षण के दौरान उन्होंने ट्रेनिंग हॉल, हॉस्टल, रिकवरी एरिया, जिम से लेकर किचन तक सभी सुविधाओं का जायजा लिया और केंद्र में प्रशिक्षण ले रहे बॉक्सरों के लिए उपलब्ध संसाधनों की सराहना की। दौरे के बाद वोर्स्ट ने कहा, 'मैंने आज भारत के इस प्रमुख बॉक्सिंग प्रशिक्षण केंद्र को देखा, जो बॉक्सिंग चैंपियनों की जन्मस्थली है। यहां की सुविधाएं, अनुशासन...सब कुछ बेहद प्रभावशाली है। अब समझ आता है कि भारत बॉक्सिंग में इतना अच्छा प्रदर्शन क्यों कर रहा है।' उन्होंने न सिर्फ केंद्र

की सुविधाओं और सरकारी समर्थन की तारीफ की बल्कि भारत में बढ़ती खेल संस्कृति को भी सराहा, जो देश को एक स्पोर्टिंग पावरहाउस की दिशा में आगे बढ़ा रही है। वोर्स्ट ने कहा, 'भारतीय बॉक्सर में अपार क्षमता है। मैं कई बार भारत आ चुका हूं और यहां खिलाड़ियों में देश का प्रतिनिधित्व करने की जबरदस्त इच्छा दिखती है। ट्रेनिंग सुविधाएं, कोचिंग और फेडरेशन द्वारा किया जा रहा काम भविष्य में शानदार नतीजे देगा। मुझे विश्वास है कि भारतीय बॉक्सिंग फेडरेशन दुनिया की अग्रणी फेडरेशनों में शामिल होगी। भारत से कई और मैरी कॉम जैसी बॉक्सर निकलेंगी।

'वोर्स्ट ने इस बात पर भी खुशी जताई कि भारत इस बार बॉक्सिंग कप की मेजबानी कर रहा है। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों के विकास के लिए उन्हें अधिक अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लेना जरूरी है।' बॉक्सर को अधिक अंतरराष्ट्रीय अनुभव दिलाना बेहद महत्वपूर्ण है। मौजूदा फेडरेशन बड़ी संख्या में खिलाड़ियों को बाहर भेज रही है, यह बेहद सकारात्मक कदम है। यही कारण है कि भारत ने वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियनशिप में दो गोल्ड मेडल जीते, जहां प्रतिस्पर्धा का स्तर बहुत ऊंचा होता है।'

चेस वर्ल्ड कप: अर्जुन एरिगैसी की हार के साथ भारतीय चुनौती समाप्त

एजेंसी

नई दिल्ली। गोवा में जारी चेस वर्ल्ड कप में भारतीय चुनौती का अंत हो गया है। भारत के दूसरे वरीय खिलाड़ी अर्जुन एरिगैसी क्वार्टरफाइनल में चीन के वेई यी से टाईब्रेक में हारकर बाहर हो गए।

क्लासिकल दौर के दोनों मुकाबले ड्रॉ रहने के बाद मैच रैपिड टाईब्रेक में गया। पहले टाईब्रेक गेम में काले मोहरों से खेलते हुए अर्जुन ने दबाव झेलते हुए ड्रॉ निकाला, लेकिन दूसरे गेम में सफेद मोहरों का फायदा नहीं उठा पाए और 79 चालों में मुकाबला गंवा बैठे। टाईब्रेक में खिलाड़ियों को 15 मिनट का समय और प्रत्येक चाल पर 10 सेकंड का इंक्रीमेंट मिलता है। पहले गेम में अर्जुन की स्थिति कमजोर हो गई थी, लेकिन उन्होंने किसी तरह स्टेलमेट निकालकर मैच बचाया। हालांकि निर्णायक दूसरे गेम में वेई यी ने बढ़त हासिल कर जीत दर्ज की। यह लगातार दूसरा वर्ल्ड कप है जिसमें अर्जुन क्वार्टरफाइनल में ही रुक गए। 2023 में भी वे इसी चरण में अपने हमवतन प्रज्ञानानंद से हारकर बाहर हुए थे। भारत की ओर से 24 खिलाड़ियों ने इस घरेलू वर्ल्ड कप में हिस्सा लिया था, लेकिन अंतिम आठ में पहुंचने वाले एकमात्र भारतीय

अर्जुन ही थे। अब सेमीफाइनल में कोई भी भारतीय खिलाड़ी मौजूद नहीं होगा। अर्जुन की हार के साथ ऐसा माना जा रहा है कि फिडे कैंडिडेट्स 2026 में भारत की ओर से केवल प्रज्ञानानंद ही प्रतिनिधित्व करेंगे, जिन्होंने पहले ही कैंडिडेट्स के लिए क्वालिफाई कर लिया है।

ऑस्ट्रेलियाई ओपन बैडमिंटन : शेट्टी क्वार्टर फाइनल में पहुंचे, प्रणय बाहर

एजेंसी

सिडनी : भारत के युवा बैडमिंटन खिलाड़ी आयुष शेट्टी आस्ट्रेलियाई ओपन के फाइनल में पहुंच गए जबकि सीनियर खिलाड़ी एच एस प्रणय हारकर बाहर हो गए। शीर्ष वरीयता प्राप्त सात्विक साइराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी भी चीनी ताइपै के सू चिंग हेंग और वु गुआन

शुन को 21.18, 21.11 से हराकर अंतिम आठ में पहुंच गए। योनेक्स अमेरिकी ओपन सुपर 300 टूर्नामेंट के विजेता शेट्टी ने चौथी वरीयता प्राप्त जापान के कोडाइ नराओका को 21.17, 21.16 से हराया। अब क्वार्टर फाइनल में उनका सामना हमवतन लक्ष्य सेन से होगा। वहीं इस साल प्री क्वार्टर फाइनल से आगे नहीं जा सके प्रणय को आठवीं वरीयता प्राप्त पूर्व जूनियर विश्व चैम्पियन इंडोनेशिया फरहान अलवी ने 21.19, 21.10 से हराया। सात्विक और विराग की जोड़ी का सामना अब पांचवीं वरीयता प्राप्त इंडोनेशिया के फजर अल्फियान और मुहम्मद शोहिबुल फिकरी से होगा।

डेरिल मिचेल ने रोहित शर्मा को पीछे छोड़ा, वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष स्थान हासिल किया

एजेंसी

नई दिल्ली। न्यूज़ीलैंड के बल्लेबाज़ डेरिल मिचेल ने वेस्ट इंडीज़ के खिलाफ क्राइस्टचर्च में खेले गए पहले वनडे में शतक ठोककर आईसीसी पुरुष वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया है। वह 1979 में ग्लेन टर्नर के बाद ऐसे पहले न्यूज़ीलैंड खिलाड़ी बन गए हैं, जिन्होंने वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में नंबर-1 पोज़िशन पाई है।

मिचेल ने 118 गेंदों पर 119 रन की मैच विजेता पारी खेली, जिसने उन्हें रोहित शर्मा और अफगानिस्तान के इब्राहिम जादरान से आगे पहुंचा दिया। रोहित महज एक रेटिंग पॉइंट से पीछे रहते हुए शीर्ष से नीचे खिसक गए। शीर्ष पर रोहित का पहला कार्यकाल केवल 22 दिन चला।

पाकिस्तानी खिलाड़ियों की बड़ी उछाल

बाबर आज़म नाबाद 102 रन की बदौलत एक स्थान ऊपर छलांग लगाकर छठे नंबर पर पहुंच गए हैं, जबकि मोहम्मद रिज़वान और फ़खर ज़मान दो-दो अर्धशतक के बाद क्रमशः 22वें और 26वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

वनडे गेंदबाजी रैंकिंग: अबरार अहमद पहली बार टॉप-10 में

पाकिस्तान के लेग-स्पिनर अबरार अहमद 11 स्थान की बड़ी उछाल के साथ नौवें स्थान पर पहुंच गए हैं। वहीं, हारिस रऊफ़ (23वां), जेडन सील्स (20वां) और रोस्टन चेज़ (46वां) की रैंकिंग में भी सुधार हुआ है।

टेस्ट रैंकिंग: बवुमा और कुलदीप करियर बेस्ट स्थान पर

दक्षिण अफ्रीका के टेम्बा बवुमा नाबाद 55 की पारी से करियर के सर्वश्रेष्ठ पांचवें स्थान पर पहुंच गए हैं, जबकि साइमन हार्मर 20 स्थान चढ़कर 24वें स्थान पर पहुंच गए हैं। भारत के कुलदीप यादव (13वां) और रविंद्र जडेजा (15वां) के भी रैंकिंग में सुधार हुआ है। बांग्लादेश के नजमुल हुसैन शांतो (34वां) और महमुदुल हसन जॉय (74वां) ने भी प्रगति की है।

टी20 रैंकिंग में बदलाव

न्यूज़ीलैंड के टिम रॉबिनसन आठ स्थान की छलांग के साथ 15वें नंबर पर पहुंच गए हैं, जबकि तेज़ गेंदबाज़ जैकब डफी दूसरे स्थान पर पहुंचे हैं। मिचेल सेंटनर (18वां) और मोहम्मद नवाज़ (27वां) की रैंकिंग में भी सुधार हुआ है।

इंडिगो रीवा और इंदौर के बीच दिसंबर में शुरू करेगी उड़ान

एजेंसी

नई दिल्ली। निजी विमान सेवा कंपनी इंडिगो ने अगले महीने से मध्य प्रदेश के रीवा और इंदौर के बीच उड़ानें शुरू करने की घोषणा की है। एयरलाइंस ने बताया कि वह 22 दिसंबर से यह उड़ान शुरू करेगी। फिलहाल रीवा और इंदौर के बीच कोई सीधी उड़ान नहीं है। इस मार्ग पर इंडिगो एटीआर विमानों का परिचालन करेगी। इसके लिए टिकटों की बिक्री शुरू हो गयी है। उड़ान संख्या 6ई 7363 पूर्वाह्न 11:30 बजे इंदौर से रवाना होकर दोपहर बाद 1:15 बजे रीवा पहुंचेगी। वापसी की उड़ान 6ई 7364 दोपहर बाद 1:35 बजे रीवा के उड़ान भरेगी और 3:25 बजे इंदौर में उतरेगी। रीवा अपने प्राकृतिक सौंदर्य, सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक विरासत और सफेद बाघों के लिए जाना जाता है। वहां रीवा किला, गोविंदगढ़ महल और कई खूबसूरत जलप्रपात हैं।

रुपया 12 पैसे मजबूत

मुंबई। निजी और सरकारी बैंकों की डॉलर लिवाली से अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया 12 पैसे मजबूत हुआ और कारोबार की समाप्ति पर एक डॉलर 88.48 रुपये प्रति डॉलर का बोला गया। भारतीय मुद्रा पिछले कारोबारी दिवस पर एक पैसे टूटकर 88.60 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुई थी। रुपया आज तीन पैसे की मजबूती के साथ 88.57 रुपये प्रति डॉलर पर खुला। इसका दिन का निचला स्तर 88.60 रुपये प्रति डॉलर रहा। एक समय यह ऊपर 88.42 रुपये प्रति डॉलर तक गया था। कारोबारियों ने बताया कि निजी और सार्वजनिक बैंकों की ओर से डॉलर की बिकवाली से रुपये में तेजी रही। हालांकि दुनिया की अन्य प्रमुख मुद्राओं के बास्केट में डॉलर सूचकांक में तेजी से भारतीय मुद्रा की बढ़त सीमित रही।

पंप भंडारण परियोजनाएं बिजली मांग को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी: मनोहर लाल

नई दिल्ली। केंद्रीय बिजली मंत्री मनोहर लाल ने कहा कि पंप स्टोरेज परियोजनाएं (पीएसपी) अतिरिक्त हरित ऊर्जा का भंडारण करके और गैर-सौर ऊर्जा घंटों के दौरान बिजली की मांग को पूरा करके महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। उन्होंने कहा कि देश में वर्तमान में बिजली की अधिशेष स्थिति है। हालांकि, सीमित क्षमता उपयोग के समझौतों के कारण अतिरिक्त नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता का अभी भी कम उपयोग हो रहा है। विद्युत मंत्रालय के बयान में कहा गया है कि यह टिप्पणी आंध्र प्रदेश के कुरनूल में सांसदों की परामर्शदात्री समिति की बैठक में की गई। विद्युत मंत्री ने समिति के सदस्यों से आग्रह किया कि वे राज्यों के साथ मिलकर हरित ऊर्जा उपकर, जल कर और जलाशय पट्टा शुल्क जैसे शुल्कों को वापस लेने पर विचार करें ताकि पीएसपी परियोजनाओं के विकास में तेजी लाई जा सके। मंत्रालय के अनुसार, लगभग 224 गीगावाट पीएसपी की पहचान की गई है। इनमें से लगभग सात गीगावाट की कुल क्षमता वाले दस पीएसपी चालू हो चुके हैं। लगभग 12 गीगावाट क्षमता वाले दस अन्य पीएसपी निर्माणाधीन हैं और लगभग 78 गीगावाट क्षमता वाले 56 पीएसपी योजना और विकास के विभिन्न चरणों में हैं।

जेएसडब्ल्यू एनर्जी के निदेशक-वित्त ने दिया इस्तीफा

नई दिल्ली। जेएसडब्ल्यू एनर्जी के निदेशक (वित्त) प्रीतेश विनय ने समूह से बाहर करियर के अवसरों की तलाश के लिए अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। विनय पिछले 13 वर्षों से जेएसडब्ल्यू समूह से जुड़े हुए थे। जेएसडब्ल्यू एनर्जी ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि विनय व्यवस्थित परिवर्तन के लिए 31 दिसंबर, 2025 तक अपने वर्तमान पद पर बने रहेंगे।कंपनी ने कहा कि उपयुक्त उम्मीदवार के चयन के लिए खोज प्रक्रिया शुरू हो गई है और इसके परिणाम की जानकारी यथासमय दी जाएगी। जेएसडब्ल्यू एनर्जी ने कहा, ''प्रीतेश विनय ने जेएसडब्ल्यू समूह के बाहर करियर के अवसरों की तलाश करने के लिए कंपनी के निदेशक मंडल से हटने की मंशा व्यक्त की है और तदनुसार उन्होंने कंपनी के निदेशक (वित्त) और प्रमुख प्रबंधकीय व्यक्ति के पद से इस्तीफा दे दिया है।'' उन्हें पांच साल पहले जेएसडब्ल्यू एनर्जी का मुख्य वित्त अधिकारी नियुक्त किया गया था। साथ ही उन्हें निदेशक मंडल में शामिल किया गया था।

अफगानिस्तान का प्रतिनिधिमंडल पहुंचा भारत

चाबहार बंदरगाह के इस्तेमाल और निवेश पर होगी चर्चा

एजेंसी

नई दिल्ली। अफगानिस्तान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी के बाद काबुल से एक उच्चस्तरीय सरकारी प्रतिनिधिमंडल की आधिकारिक यात्रा शुरू हो गई। अफगानिस्तान के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री अलहाज नूरुद्दीन अजीजी बुधवार दोपहर भारत दौरे पर पहुंचे। अफगानी प्रतिनिधिमंडल के इस दौरे का उद्देश्य ईरान में भारत द्वारा विकसित चाबहार बंदरगाह की क्षमताओं का बेहतर तरीके से इस्तेमाल करना है। इसके साथ ही अफगानिस्तान इस परियोजना में अधिक निवेश आकर्षित करना चाहता है। प्रतिनिधिमंडल के भारत पहुंचने से पहले, अफगानिस्तान के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्रालय ने कहा कि अजीजी की यात्रा के दौरान बंदरगाह के माध्यम से द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ाना चर्चा का एक

प्रमुख एजेंडा होगा।अफगान मंत्रालय ने वाणिज्य मंत्री के इस दौरे को लेकर कहा, 'यात्रा के दौरान, अफगान प्रतिनिधिमंडल प्रगति मैदान अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी का दौरा करते हुए, भारत सरकार के उच्च पदस्थ अधिकारियों से मुलाकात करेगा। उच्च पदस्थ अधिकारियों में विदेश और वाणिज्य मंत्री, व्यापारी, निवेशक और दोनों देशों के निजी क्षेत्र के प्रतिष्ठित सदस्य शामिल हैं। इन बैठकों का मुख्य उद्देश्य आर्थिक सहयोग का विस्तार करना, व्यापार संबंधों को सुगम बनाना, संयुक्त निवेश के अवसर पैदा करना और क्षेत्र के पारगमन मार्गों में अफगानिस्तान की भूमिका को मजबूत करना है। 'चाबहार बंदरगाह के इस्तेमाल को लेकर बयान में कहा गया, 'इस यात्रा को दोनों देशों के बीच आर्थिक और वाणिज्यिक संबंधों को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है और उम्मीद है कि इसके परिणाम संचार में सुधार, व्यापार को बढ़ावा देने और पारगमन मार्गों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। ' काबुल चाहता है कि वह ईरान में भारत द्वारा विकसित चाबहार बंदरगाह के जरिए आसानी से वस्तुओं की आवाजाही की सुविधा तैयार कर सके।

वित्त मंत्री ने आईटी क्षेत्र के विशेषज्ञों और हितधारकों के साथ की बजट पूर्व परामर्श बैठक

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने नई दिल्ली में आगामी केंद्रीय बजट 2026-27 के संबंध में सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) क्षेत्र के विशेषज्ञों और हितधारकों के साथ बजट पूर्व परामर्श बैठक की। बैठक में केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी, आर्थिक मामलों के विभाग के सचिव एवं इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय और केंद्र सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार भी शामिल हुए। केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी भी आईटी क्षेत्र के प्रतिनिधियों के साथ बजट पूर्व बैठक में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि इस बैठक के दौरान सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र में नए अवसरों, महत्वपूर्ण वित्तीय सुधारों तथा आने वाली चुनौतियों पर विस्तृत चर्चा हुई। यह संवाद निश्चित रूप से आगामी केंद्रीय बजट 2026-27 के लिए एक मजबूत और दूरदर्शी दिशा प्रदान करेगा।

सर्राफा बाजार में महंगा हुआ सोना, चांदी की भी बढ़ी चमक

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज जबरदस्त तेजी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। सोना आज 1,120 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,220 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। इसी तरह चांदी की कीमत में आज 3,100 रुपये प्रति किलोग्राम तक उछाल दर्ज की गई है। सोने की कीमत में तेजी आने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 1,24,870 रुपये से लेकर 1,25,020 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,14,460 रुपये से लेकर 1,14,610 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में भी तेजी आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 1,65,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,25,020 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,14,610 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,24,870 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,14,460 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,24,920 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,14,510 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,24,870 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,14,460 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। वहीं, कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,24,870 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,14,460 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,24,920 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,14,510 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,25,020 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,14,610 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,24,920 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,14,510 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,25,020 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,14,610 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

स्पाइसजेट ने 10 करोड़ से ज्यादा इक्विटी शेयर का किया आवंटन, 442 करोड़ रुपये का कर्ज उतारा

एजेंसी

नई दिल्ली। वित्तीय तंगी से जूझ रही निजी विमान सेवा कंपनी स्पाइसजेट ने विमान लीज पर देने वाली कंपनी कार्लाइल एविएशन को प्राथमिकता के आधार पर इक्विटी शेयर जारी कर 442 करोड़ रुपये का कर्ज उतार दिया है।

एयरलाइंस ने एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि उसने कार्लाइल एविएशन को 10,41,72,634 इक्विटी शेयर जारी किये हैं। प्राथमिकता के आधार पर जारी 10 रुपये अंकित मूल्य वाले ये शेयर 32.32 रुपये के प्रीमियम पर 42.32 रुपये प्रति शेयर के हिसाब से जारी किये गये हैं। इससे कंपनी को 442.50 करोड़ रुपये (पांच करोड़ डॉलर) की देनदारी समाप्त करने में मदद मिली है। प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, स्पाइसजेट के निदेशक मंडल ने 18 नवंबर को इस आशय के प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की। दोनों कंपनियों के बीच हुए समझौते के अनुसार, यदि कार्लाइल को इन शेयरों की बिक्री से पांच करोड़ डॉलर से अधिक की राशि मिलती है तो उसे जितना मुनाफा होगा उसका एक हिस्सा भविष्य के लीज बकाया के भुगतान पर खर्च किया जायेगा। इसके अलावा, समझौते में यह

भी प्रावधान है कि भविष्य विमान और इंजनों की मरम्मत और रखरखाव के लिए स्पाइसजेट के पास 7.96 करोड़ डॉलर की राशि उपलब्ध होगी। वहीं, 99 लाख डॉलर नकदी प्रबंधन क्रेडिट के रूप में दिए जायेंगे।

स्पाइसजेट के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक अजय सिंह ने कहा, हमारे मौजूदा पुनर्गठन प्रयासों में यह एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। यह स्पाइसजेट को दृढ़ तथा वित्तीय रूप से मजबूत बनाने की हमारी प्रतिबद्धता दिखाता है। ऐसे समय में जब हम अपने बेड़े को फिर से बड़ा कर रहे हैं और परिचालन का विस्तार कर रहे हैं, देनदारी कम होने और मरम्मत तथा देखरेख के लिए वित्त रिजर्व से हमें सार्थक समर्थन मिलेगा। उन्होंने बताया कि कुछ अन्य पुनर्गठन पहलों पर काम चल रहा है। उन्होंने उम्मीद जतायी कि जल्द ही इन पहलों को भी मूर्त रूप दिया जा सकेगा।

स्टॉक मार्केट में फुजियामा पावर की कमजोर एंट्री, लिवाली के बावजूद नुकसान में आईपीओ निवेशक

एजेंसी

नई दिल्ली। रूफटॉप सोलर इंडस्ट्री के लिए ऑन-ग्रिड, ऑफ-ग्रिड और हाइब्रिड सोलर सिस्टम्स जैसे प्रोडक्ट्स बनाने वाली कंपनी फुजियामा पावर सिस्टम्स के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में कमजोर एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को निराश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 228 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई पर इसकी लिस्टिंग करीब 4 प्रतिशत डिस्काउंट के साथ 218.40 रुपये के स्तर पर और एनएसई पर 220 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद लिवाली के सपोर्ट से इस शेयर की चाल में मामूली तेजी भी आई। सुबह 10:30 बजे तक का कारोबार होने के बाद कंपनी के शेयर बीएसई पर 224.40 रुपये के स्तर पर और एनएसई पर 224.89 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे थे। इस तरह अभी तक के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशक करीब 1.5 प्रतिशत के नुकसान में हैं। फुजियामा पावर सिस्टम्स का 828 करोड़ रुपये

का आईपीओ 13 से 17 नवंबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से एवरेज रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 2.21 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 5.24 गुना सब्सक्राइब हुआ था। वहीं, नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 0.92 गुना सब्सक्रिप्शन आया सका था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 1.05 गुना और एंप्लॉयीज के लिए रिजर्व पोर्शन 1.55 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इस आईपीओ के तहत 1 रुपये फेस वैल्यू वाले 600 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी किए गए हैं। इसके अलावा ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये एक करोड़ शेयरों की बिक्री हुई है। आईपीओ में नए शेयरों के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी रतलान में अपनी मैन्युफैक्चरिंग फैसिलिटी को उन्नत करने, पुराने कर्ज का बोझ कम करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 24.37 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 45.30 करोड़ रुपये और 2024-25 में उछल कर 156.34 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इस दौरान कंपनी का राजस्व 52 प्रतिशत वार्षिक से अधिक की चक्रवृद्धि दर (कंपाउंड एनुअल ग्रोथ रेट) से बढ़ कर 1,550.09 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।मौजूदा वित्त वर्ष की बात करें तो पहली तिमाही यानी अप्रैल से जून 2025 में कंपनी को 67.59 करोड़ का शुद्ध लाभ हो चुका है। इसी तरह इस अवधि में कंपनी को 597.79 करोड़ का राजस्व प्राप्त हो चुका है। डीआरएचपी में दी गई जानकारी के अनुसार मौजूदा वित्त वर्ष की पहली तिमाही के आखिरी में कंपनी पर 432.83 करोड़ रुपये का कर्ज था, जबकि इस अवधि में कंपनी के रिजर्व और सरप्लस में 436.33 करोड़ रुपये पड़े थे।

दिल्ली थोक जिंस बाजार में चावल, गेहूं में तेजी; दल, तेल नरम

नई दिल्ली। दिल्ली जिंस बाजार में सामान्य कारोबार के बीच मांग के समर्थन से चावल और गेहूं में तेजी का रुख दिखा जबकि विदेशों से नरमी के संकेतों के बीच ज्यादातर खाद्य तेलों के भाव नीचे थे। दालों में भी मसूर को छोड़ कर कुल मिला कर नरमी का रुख दर्ज किया गया। औसत दर्जे के चावल का भाव 13 रुपये गिर गया जबकि गेहूं में दो रुपये प्रति क्विंटल की नरमी दिखी। विभिन्न दालों के भाव चार रुपये से दस रुपये तक नीचे बोले गये जबकि दल मसूर में दो रुपये के दायरे में तेजी दिखी।

विदेशों में पाम आयल और सोयाबीन आयल के वायदा भावों में मिले जुले रुख के बीच स्थानीय बाजारों में सूरजमुखी को छोड़ कर ज्यादातर खाद्य तेलों में गिरावट का रुख रहा। सरसों तेल में सबसे अधिक 44 रुपये प्रति क्विंटल की गिरावट दर्ज की गयी । तेल मूंगफली , वनस्पति, सोया और पाम आयल में क्रमशः 10 रुपये, 20, 7 और 17 रुपये प्रतिक्विंटल की गिरावट दर्ज की गयी।

मलेशिया वायदा बाजार में पाम आयल वायदा भाव प्रति क्विंटल 43 रिंगिट (1.02 प्रतिशत) तेज हो कर

4252 रिंगिट पर चल रहा था। अमेरिकी जिंस वायदा में सोयाबीन तेल 0.58 डॉलर यानी 1.11 प्रतिशत गिर कर 51.62 डालर प्रति पौंड पर चल रहा था। गुड़ का भाव रेवड़ी गजक इकाइयों की मांग के समर्थन में 9 रुपये प्रति क्विंटल मजबूत रहा जबकि चीनी करीब करीब पिछले दिन के स्तर पर बनी हुई थी।

टमाटर के दाम हुए बेकाबू, 15 दिन में दाम 50 फीसदी बढ़े रेट

एजेंसी

नई दिल्ली। एक बार फिर टमाटर रसोई का बजट बिगाड़ने लगे है। देशभर में बीते 15 दिनों के भीतर टमाटर की कीमतों में 50 प्रतिशत तक उछाल देखा गया है। कई शहरों में तो इसके दाम दोगुने तक पहुंच गए हैं। इसकी मुख्य वजह अक्टूबर में हुई तेज बारिश है, जिसने कई राज्यों में टमाटर की फसलों को भारी नुकसान पहुंचाया और बाजार में सप्लाई कम हो गई।

सरकारी आंकड़े बताते हैं कि पिछले एक महीने में खुदरा कीमतों में 25 प्रतिशत से लेकर 100 प्रतिशत तक की वृद्धि दर्ज की गई है। उपभोक्ता मंत्रालय के अनुसार, 19 नवंबर को टमाटर का ऑल इंडिया एवरेज प्राइस 46 रुपये प्रति किलो तक पहुंच गया, जबकि एक महीने पहले यह 36 रुपये प्रति किलो था। यानी औसत कीमतों में करीब 27 प्रतिशत की बढ़ोतरी हो चुकी है। सबसे ज्यादा असर चंडीगढ़ पर पड़ा, जहां दाम 112 प्रतिशत तक बढ़

गए। आंध्र प्रदेश, हिमाचल प्रदेश और कर्नाटक में भी टमाटर के दाम 40 प्रतिशत से ज्यादा बढ़े हैं। कई शहरों में अच्छी गुणवत्ता वाला टमाटर 60 से 80 रुपए प्रति किलो तक बिक रहा है। कारोबारियों का कहना है कि, फिलहाल राहत की उम्मीद कम है। क्योंकि शादी सीजन और न्यू ईयर सेलिब्रेशन के कारण मांग बढ़ी हुई है, जबकि बारिश से फसलों को नुकसान होने की वजह से सप्लाई और घट गई है। कर्नाटक, महाराष्ट्र और गुजरात से आने वाले ट्रकों की संख्या पिछले एक हफ्ते में लगभग आधी रह गई है, जिससे बाजार में उपलब्धता कम हो गई है। महाराष्ट्र, जो टमाटर की बड़ी सप्लाई देता है, वहां नवंबर में थोक कीमत 45 प्रतिशत बढ़ीं। जबकि राजधानी दिल्ली में थोक कीमतों में 26 प्रतिशत का इजाफा दर्ज हुआ।

अक्तूबर में टमाटर की महंगाई -42.9 प्रतिशत थी

सितंबर-अक्टूबर में टमाटर, प्याज और आलू के दाम गिरने से रिटेल महंगाई 0.25 प्रतिशत, यानी 2013 के बाद सबसे निचले स्तर पर पहुंच गई थी। अक्तूबर में टमाटर की महंगाई -42.9 प्रतिशत थी, यानी दाम कम थे।

लेकिन नवंबर में हालात पूरी तरह बदल गए हैं। फिलहाल, बारिश से खराब फसल और त्योहार-मैरिज सीजन की मांग मिलकर टमाटर को और महंगा बना रहे हैं। आने वाले सप्ताह में भी बड़े बदलाव की उम्मीद नहीं दिख रही है।

फ्लिपकार्ट समूह ने सालाना 21 हजार टन से ज्यादा कचरा करके जीरो वेस्ट सिस्टम को दी मजबूती

एजेंसी

नई दिल्ली। देश के ई-कॉमर्स मार्केटप्लेस फ्लिपकार्ट ने सालाना 21 हजार टन से ज्यादा कचरे को डायवर्ट कर कूड़ाघरों में फेंके जाने से बचाया है। इसी के साथ कंपनी के 12 सर्टिफाइड केंद्रों का वेस्ट डायवर्जन रेट (कचरा डायवर्ट करने की दर) 96 फीसदी से ऊपर पहुंच गया है। फ्लिपकार्ट 2023 से जीरो वेस्ट की दिशा में प्रयासरत है और यह उपलब्धि उल्लेखनीय पड़ाव है। फ्लिपकार्ट के मुताबिक कंपनी के प्रयासों से आठ और केंद्रों को ग्रीन बिजनेस सर्टिफिकेशन इंक (जीबीसीआई) की तरफ से टू (टोटल रिसोर्स यूज एंड एफिशिएंसी) गोल्ड सर्टिफिकेशन मिला है। इस तरह देशभर में फ्लिपकार्ट के कुल 12 ऐसे केंद्र हो गए हैं, जिन्हें टू गोल्ड सर्टिफिकेट मिला है। यह सर्टिफिकेट ऐसे केंद्रों को दिया जाता है, जहां अपनी श्रेणी के सर्वश्रेष्ठ (बेस्ट इन क्लास) रिसोर्स मैनेजमेंट के तरीके अपनाकर रिडक्शन (कचरा कम करना), रीयूज (पुनः प्रयोग करना), रीसाइकिलिंग और रिकवरी के माध्यम से कम से कम 90 फीसदी कचरे को कूड़ाघरों में जाने से बचाया जाता है। हाल ही में फ्लिपकार्ट के जिन केंद्रों को सर्टिफिकेट मिला है, उनमें आरडीसी कलकत्ता, सांपका, फर्रुखनगर एफसीएससी, साईधाम ग्रॉसरी और एफसी, आंजनेय, मेडचल एवं याकुबपुर शामिल हैं। इन केंद्रों से कुल 15,846 टन कचरा निकला, जिसमें से 15,221 टन कचरे को अलग-अलग तरीकों से डायवर्ट करते हुए कूड़ाघर तक नहीं जाने दिया गया। इस तरह 96 फीसदी का डायवर्जन रेट रहा। फ्लिपकार्ट ग्रुप के हेड ऑफ सस्टेनेबिलिटी निशांत गुप्ता ने इस उपलब्धि को लेकर कहा कि हमारी प्रगति इस भरोसे को दिखाती है कि कचरे को संसाधन के रूप में अपनाया जाना चाहिए। हमारे टू गोल्ड सर्टिफिकेट प्राप्त नेटवर्क का बढ़ना एक सतत व्यवस्था, जिम्मेदारी से परिचालन और हर दिन पर्यावरण के अनुकूल प्रक्रियाओं की जिम्मेदारी लेने वाली टीम के प्रयासों का नतीजा है। हमने 2023 में रखी गई मजबूत नींव पर आगे कदम बढ़ाया है और ज्यादा डाटा, बेहतर सर्कुलैरिटी एवं संसाधनों की दक्षता पर फोकस के साथ अपने प्रयासों को विस्तार दिया है। हम लगातार विकास कर रहे हैं और विकास के इस रास्ते पर बढ़ते हुए हम जिम्मेदारी के साथ कचरा प्रबंधन के लिए प्रतिबद्ध हैं, जिससे पर्यावरण संरक्षण में मदद मिले और परिचालन में भी लाभ हो।

आरबीआई ने विदेशी मुद्रा विनिमय के सात प्लेटफॉर्म को अनाधिकृत की सूची में डाला

एजेंसी

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने विदेशी मुद्रा विनिमय के सात प्लेटफॉर्म को अनाधिकृत की सूची में डाल दिया है। केंद्रीय बैंक ने बताया कि उसने स्टारनेटएफएक्स.कॉम, कैपप्लेस.कॉम, मिरॉक्स.कॉम, फ्यूजनमार्केट्स.कॉम, ट्राइव.कॉम,

एनएक्सजीमार्केट्स.कॉम और नॉर्डएफएक्स.कॉम को अनाधिकृत विदेशी मुद्रा विनिमय प्लेटफॉर्म की सूची में डाल दिया है। इसका मतलब है कि ये आरबीआई से मान्यता के बिना विदेशी मुद्रा विनिमय का कारोबार कर रहे हैं। इससे आम लोगों की वित्तीय सुरक्षा को भी खतरा हो सकता है।

इन सात नये प्लेटफॉर्मों के शामिल होने के बाद अब देश में अनाधिकृत तौर पर विदेशी मुद्रा विनिमय का कारोबार करने वाले प्लेटफॉर्म की संख्या बढ़कर 95 हो गयी है। यह पूरी सूची रिजर्व बैंक की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

शुरुआती गिरावट के बाद मजबूती के साथ बंद हुआ बाजार, सेंसेक्स और निफ्टी ने लगाई छलांग

एजेंसी

नई दिल्ली। मजबूत ग्लोबल संकेतों और आईटी सेक्टर में हुई तेज खरीदारी के कारण घरेलू शेयर बाजार आज शुरुआती कारोबार में उतार-चढ़ाव का सामना करने के बाद मजबूती के साथ बंद हुआ। आज के कारोबार की शुरुआत सपाट स्तर पर हुई थी। बाजार खुलते ही बिकवाली के दबाव की वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल में गिरावट भी आई, लेकिन थोड़ी देर बाद खरीदारों ने लिवाली शुरू कर दी। लिवाली के सपोर्ट से दोनों सूचकांकों ने रफ्तार पकड़ ली। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.61 प्रतिशत और निफ्टी 0.55 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए।

आज दिनभर के कारोबार के दौरान आईटी, पीएसयू बैंक और हेल्थकेयर सेक्टर के शेयरों में जम कर खरीदारी होती रही। इसके अलावा कंज्यूमर ड्यूरेबल, ऑटोमोबाइल, एफएमसीजी, मेटल और टेक इंडेक्स भी बढ़त के साथ बंद हुए। दूसरी ओर, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, ऑयल एंड गैस और कैपिटल गुड्स सेक्टर के शेयरों में आज बिकवाली का दबाव बना रहा। ब्रॉडर मार्केट में आज मिला-जुला कारोबार होता रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.34 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। दूसरी ओर, स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.39 प्रतिशत की गिरावट के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में एक लाख करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 475.64 लाख करोड़ रुपये (अनंतिम) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी सोमवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 474.62 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 1.02 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया।

आज दिनभर के कारोबार में बीएसई में 4,346 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,841 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,337 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 168 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,834 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,253 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,581 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 20 शेयर बढ़त के साथ और 10 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 33 शेयर हरे निशान में और 17 शेयर लाल निशान में बंद हुए।

बीएसई का सेंसेक्स आज 29.24 अंक की मामूली गिरावट के साथ 84,643.78 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण ये सूचकांक 147.04 अंक की कमजोरी के साथ 84,525.98 अंक तक गिर गया। इसके बाद खरीदारों ने बाजार में लिवाली शुरू कर दी, जिससे इस सूचकांक की चाल में तेजी का रुख बन गया। लगातार हो रही लिवाली के सपोर्ट से आज का कारोबार खत्म होने के थोड़ी देर पहले ये सूचकांक निचले स्तर से 700 अंक से अधिक उछल कर 563.75 अंक की तेजी के साथ 85,236.77 अंक के स्तर तक पहुंच गया। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 513.45 अंक की मजबूती के साथ 85,186.47 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स के विपरीत एनएसई के निफ्टी ने 8.05 अंक की मामूली बढ़त के साथ 25,918.10 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण थोड़ी देर में ही ये सूचकांक 53.85 अंक की गिरावट के साथ 25,856.20 अंक के स्तर तक पहुंच गया। हालांकि खरीदारों ने थोड़ी ही देर में मोर्चा संभाल लिया और खरीदारी शुरू कर दी, जिससे इस सूचकांक की चाल में तेजी आ गई। लगातार हो रही खरीदारी के सपोर्ट से शाम 3 बजे के थोड़ी देर पहले निफ्टी निचले स्तर से 215 अंक से अधिक की छलांग लगा कर 164.60 अंक की तेजी के साथ 26,074.65 अंक तक पहुंचने में सफल रहा।

बांग्लादेश का सुप्रीम कोर्ट खुद के 2011 के फैसले के खिलाफ पुनर्विचार याचिका पर सुनाएगा निर्णय

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश का उच्चतम न्यायालय अपने 2011 के फैसले के खिलाफ अपील और पुनर्विचार याचिका पर अपना निर्णय सुनाएगा। 2011 में न्यायालय ने कार्यवाहक सरकार प्रणाली (नॉन-पार्टी केयरटेकर गवर्नमेंट सिस्टम) को खत्म कर दिया था। न्यायालय की वेबसाइट पर 19 नवंबर की दोपहर अपलोड की गई सूचना के अनुसार, अपील और याचिका को 20 नवंबर को फैसले की घोषणा के लिए वाद सूची के क्रम एक और दो पर रखा गया है। द डेली स्टार की वेबसाइट पर आज सुबह प्रसारित रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। इसमें कहा गया है कि 11 नवंबर को मुख्य न्यायाधीश सैयद रेफात अहमद की अगुवाई वाली उच्चतम न्यायालय के सात सदस्यों वाली बेंच ने सुनवाई पूरी की और फैसला सुनाने के लिए आज का दिन तय किया। सुनवाई के दौरान अपील करने वालों और याचिकाकर्ताओं ने उच्चतम न्यायालय से अपने 2011 के फैसले को पलटने और देश में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने और लोकतंत्र स्थापित करने के लिए संविधान में कार्यवाहक सरकार प्रणाली को बहाल करने की अपील की। सनद रहे कार्यवाहक सरकार को कार्यवाहक शासन के रूप में भी जाना जाता है।

नेपाल में जेन जी समूह ने गृहमंत्री से मांगा इस्तीफा, अरेस्ट मी कैंपेन चलाने की धमकी

काठमांडू। नेपाल में छह से अधिक जेन जी समूह ने गृह मंत्री ओमप्रकाश अर्याल के इस्तीफे की मांग करते हुए सरकार के खिलाफ एक बार फिर विद्रोह की चेतावनी दी है। इन जेन जी समूहों ने आने वाले दिनों में अरेस्ट मी कैंपेन चलाने की धमकी दी है। जेन जी समूहों ने गृहमंत्री अर्याल पर जेन जी की मांग के मुताबिक एक भी काम नहीं करने और सितंबर में हुए विद्रोह में सहभागी युवाओं को गिरफ्तार कर माहौल को बिगाड़ने का आरोप लगाया है। यह समूह पिछले कई दिनों से गृहमंत्री के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। बारा जिले में जेन जी के शांतिपूर्ण कार्यक्रम के दौरान हुई हिंसा के बाद आंदोलन के अगुवा तथा 'हामी नेपाल' के संस्थापक सुदन गुरुड ने 'मुझे भी गिरफ्तार करो' अभियान शुरू करने की चेतावनी दी है। उनका कहना है कि बारा जिला संयोजक सम्राट उपाध्याय के नेतृत्व में हो रहे कार्यक्रम में एमाले समर्थित समूह ने घुसकर जेन जी युवाओं का अपमान करते हुए मारपीट की। सुदन ने गृहमंत्री पर मारपीट की शुरुआत करने वाले एमाले कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार करवाने के बजाए शांतिपूर्ण तरीके से अपना कार्यक्रम कर रहे जेन जी युवाओं को गिरफ्तार करने का निर्देश दिया है।

नेपाल में चुनाव के समय सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक टिप्पणियों पर लगेगा प्रतिबंध

काठमांडू। निर्वाचन आयोग ने चुनाव से पहले सोशल मीडिया पर राजनीतिक नेताओं के खिलाफ गाली-गलौज और अपमानजनक टिप्पणियों पर रोक लगाने की तैयारी शुरू कर दी है। फेसबुक, यू-ट्यूब, टिकटॉक और एक्स के बढ़ते दुरुपयोग को लेकर चिंतित आयोग ने आचार संहिता के मसौदे में विशेष प्रावधान शामिल किया है। प्रस्तावित आचार संहिता के लागू होने पर उम्मीदवारों और राजनीतिक नेताओं को इससे राहत मिलने की उम्मीद है। निर्वाचन आयोग के प्रवक्ता नारायण भट्टराई ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कुछ प्रावधान आचार संहिता में पहले से ही मौजूद हैं। नए प्रस्तावित मसौदे के अनुसार, सोशल मीडिया पर चुनाव को प्रभावित करने वाले, किसी को नीचा दिखाने वाले, अपमानजनक और घृणास्पद (हेट स्पीच) पोस्ट करना प्रतिबंधित होगा। केवल पोस्ट ही नहीं, बल्कि ऐसे कंटेंट को टैग करने, शेयर करने, उस पर टिप्पणी या प्रति कमेंट करने पर भी रोक रहेगी। सरकारी, अर्धसरकारी, संघीय, प्रांतीय और स्थानीय स्तर के कर्मचारियों के लिए आचार संहिता को और अधिक कड़ा बनाया गया है। सुरक्षा कर्मियों को भी फेसबुक सहित सोशल मीडिया का उपयोग करते समय विशेष सावधानी बरतनी होगी।

ओली की पार्टी के नेताओं के विरोध में जेन जी समूह ने एयरपोर्ट बंद कराया

काठमांडू। पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की पार्टी के दो बड़े नेताओं का विरोध करते हुए जेन जी समूह के आंदोलन के बाद काठमांडू से सिमरा की ओर जाने के लिए तैयार विमान को बुधवार की सुबह रन-वे से वापस किया गया। उसके बाद सिमरा जाने वाली सभी फ्लाइट्स को रद्द कर दिया गया।

इसी विमान में एमाले के महासचिव शंकर पोखरेल और पूर्व मंत्री महेश बस्नेत सवार थे। सिमरा जाने के लिए तैयार एटीआर विमान में 66 यात्री सवार थे। इंजन शुरू हो चुका था। केबिन क्रू के निर्देशानुसार यात्रियों ने सीट बेल्ट बांध ली थी। कैप्टन शैलेश रावल काठमांडू टावर से टैक्सीवे पर विमान ले जाने की अनुमति मांगने ही वाले थे कि अचानक एयर ट्रैफ़िक कंट्रोलर (एटीसी) ने सूचना दी- 'सिमरा हवाईअड्डे में आंदोलनकारी घुस गए हैं। सिमरा एयरपोर्ट बंद हो गया है। विमान रोकना होगा। ' सिमरा एयरपोर्ट के टावर से यह जानकारी काठमांडू टावर तक पहुंचाई गई। इसके बाद बुद्ध एयर के कॉल साइन 'November India' वाले विमान के कॉकपिट में यह सूचना आते ही दोनों इंजन बंद करने का निर्णय लिया गया।

ब्राजील में भारत का बड़ा बयानः जलवायु परिवर्तन राष्ट्रीय एवं वैश्विक सुरक्षा के लिए खतरा

एजेंसी

बेलेंम (ब्राजील)। भारत ने कहा है कि जलवायु परिवर्तन अब सिर्फ पर्यावरण का मुद्दा ना रहकर राष्ट्रीय एवं वैश्विक सुरक्षा के लिए खतरा बन चुका है जिसके खिलाफ तत्काल एकजुट वैश्विक कार्रवाई की जरूरत है। केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने यहां जलवायु परिवर्तन सम्मेलन कोप-30 के इतर आयोजित एक उच्चस्तरीय बैठक में यह बात कही। उन्होंने कहा, 'जलवायु परिवर्तन की वजह से होने वाले मौसमी घटनाएं, समुद्रजल स्तर में वृद्धि, जल संकट और खाद्य सुरक्षा की चुनौतियां सीधे-सीधे देशों की संप्रभुता और स्थिरता को प्रभावित कर रही हैं। यह नया सुरक्षा खतरा है, जिसे हम नजरअंदाज नहीं कर सकते। 'उन्होंने जोर देकर कहा कि विकसित देशों को अपनी ऐतिहासिक जिम्मेदारी स्वीकार करते हुए इस बाबत वित्त और तकनीकी हस्तांतरण की दिशा में कोई ठोस कदम उठाना होगा। यादव ने कहा, 'भारत ने हमेशा 'जलवायु न्याय' की बात की है। हमने 2070 तक जलवायु प्रदूषण बिल्कुल समाप्त करने का लक्ष्य रखा है, लेकिन इसके लिए विकसित देशों को सालाना एक

खरब डॉलर का जलवायु वित्त उपलब्ध कराना होगा, जैसा कि उन्होंने वादा किया था। '

भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने कोप-30 में यह भी दोहराया कि भारत दुनिया का एकमात्र बड़ा देश है जो पेरिस समझौते के सभी लक्ष्यों को समय से पहले पूरा करने की राह पर है। मंत्री ने लाइफस्टाइल फॉर एनवायरनमेंट (लाइफ) मिशन को वैश्विक आंदोलन बनाने की अपील की। कोप-30 के इतर आयोजित इस कार्यक्रम में ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका, चीन सहित कई देशों के मंत्री और विशेषज्ञ मौजूद थे। सभी ने जलवायु परिवर्तन को सुरक्षा चुनौती के रूप में मान्यता देने पर सहमति जताई। भारत ने स्पष्ट किया कि वह जलवायु कार्रवाई में अग्रणी भूमिका निभाएगा, लेकिन इसके लिए वैश्विक सहयोग और न्यायसंगत जिम्मेदारी का बंटवारा जरूरी है।

ब्राजील में अमेजन के बेलेम शहर में दस नवंबर से आयोजित संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन (कोप 30) शुक्रवार को समाप्त होगा। इसमें 190 से अधिक देशों के प्रतिनिधि, वैज्ञानिक, गैर स्वयंसेवी संस्थाए और अन्य संस्थाओं के प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं।

कांगों में नाव पलटने के बाद 64 लोग लापता

एजेंसी

किंशासा। अफ्रीकी देश कांगो (डीआरसी) के कसाई प्रांत की संकुरु नदी में एक नाव के पलटने के बाद कम से कम 64 लोग लापता बताए गए हैं। चीन की संवाद एजेंसी ने स्थानीय अधिकारियों के हवाले से यह जानकारी दी। अधिकारियों के मुताबिक 13 नवंबर को नाव संकुरु प्रांत के बेना डिबेले बंदरगाह से राजधानी किंशासा के लिए निकली थी, जो लगभग आठ सौ किलोमीटर से ज्यादा दूर है। रिपोर्ट के मुताबिक, नाव पानी के भंवर में फंसने के बाद पलट गई। इसमें करीब 120 लोग सवार थे, जिनमें से सिर्फ़ 50 को ही बचाया जा सका है। बाकी सभी लोग अभी तक लापता हैं। इस बाबत राहत और बचाव कार्य अब भी जारी है।हालांकि अब किसी के बचने की संभावना काफी कम हो गई है।

तुर्किये और यूक्रेन की रूस से इस्तांबुल शांति वार्ता में लौटने की अपील

कीव।

अंकारा (तुर्किये)। रूस के साथ युद्ध से जूझ रहे यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लादिमीर जेलेंस्की तुर्किये पहुंचे हैं। उन्होंने बुधवार देरशाम यहां राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन से प्रेसिडेंशियल कॉम्प्लेक्स में मुलाकात की। इस दौरान दोनों ने रूस से फौरन इस्तांबुल शांति वार्ता को फिर शुरू करने के महत्व पर जोर दिया। एर्दोगन और जेलेंस्की ने कहा कि रूस और यूक्रेन युद्ध को खत्म करने के लिए इस समय ठोस कूटनीतिक प्रयासों की जरूरत है। इसलिए 2022 से रुकी इस्तांबुल शांति वार्ता को तत्काल शुरू करने का वक्त आ गया है। तुर्किये टुडे अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, एर्दोगन ने कहा कि तुर्किये रूस के साथ किसी भी ऐसे प्रस्ताव पर चर्चा करने के लिए तैयार है जो संघर्ष विराम का मजबूत आधार तैयार करेग। उन्होंने कहा कि न्यायसंगत और स्थायी शांति का रास्ता बातचीत से ही निकलेगा। जेलेंस्की ने कहा कि उन्हें तुर्किये की मध्यस्थता पर पूरा भरोसा है। उन्हें यह भी उम्मीद है कि रूस इस मध्यस्थता को स्वीकार करेगा। एर्दोगन ने कहा कि इस्तांबुल

में तीन दौर की बातचीत में काफी प्रगति हुई थी। अचानक वार्ता में व्यवधान आ गया। जेलेंस्की ने कैदियों की अदला-बदली में तुर्किये की भूमिका पर कहा कि अंकारा ने इस मुद्दे पर बहुत अच्छा सहयोग किया है। उन्होंने उम्मीद जताई कि इस तरह की अदला-बदली साल के आखिर तक फिर से शुरू हो सकती है। इस्तांबुल वार्ता के दौरान 2,000 सैनिकों की वापसी हो चुकी है। सनद रहे, तुर्किये ने पूरे संघर्ष के दौरान यूक्रेन और रूस दोनों के साथ कूटनीतिक रिश्ते बनाए रखे हैं। तुर्किये के राष्ट्रपति ने खून-खराबा खत्म करने की कोशिश कर रहे सभी सहयोगियों से इस्तांबुल वार्ता के प्रति सकारात्मक रुख अपनाने की अपील की है। उन्होंने यह भी उम्मीद जताई कि तुर्की के साथी शांति की कोशिशों में शामिल होंगे। इस दौरान जेलेंस्की और एर्दोगन ने आपसी रिश्तों पर भी चर्चा की। दोनों देशों ने आपसी व्यापार को 10 बिलियन डालर तक बढ़ाने का लक्ष्य रखा।

एच-1 बी वीजा कार्यक्रम अमेरिका के लिए जरूरी - राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने विदेशी कुशल श्रमिकों को अमेरिकी कंपनियों में काम करने की अनुमति देने सबंधी एच-1 बी वीजा कार्यक्रम की जोरदार वकालत की है। ट्रंप ने यहा अमेरिकी-सऊदी निवेश मंच की एक बैठक में यह बात कही। उन्होंने इस बाबत ने अपने मैगा (मेक अमेरिका ग्रेट अगेन) समर्थकों की आलोचना को खारिज करते हुए कहा कि कुशल विदेशी कार्यकर्ता अमेरिका के उन्नत उद्योगों, खासकर कंप्यूटर चिप फैक्ट्रियों के लिए जरूरी हैं। ट्रंप ने कहा, 'मैं अपने 'कंजर्वेटिव' दोस्तों और मागा से प्यार करता हूं, लेकिन वे इसे समझते नहीं। आप अरबों-अरबों डॉलर खर्च करके एरिजोना में एक विशाल कंप्यूटर चिप फैक्ट्री खोल सकते हैं, लेकिन बेरोजगारी का वास्ता देते हुए लोगों को काम पर लगाकर आप इसे चला नहीं सकते। उन्हें अपने साथ हजारों लोगों को लाना होगा, और मैं उन लोगों का स्वागत करूंगा। यह मागा है। ' उन्होंने जोर देकर कहा कि ये विदेशी विशेषज्ञ अमेरिकियों को प्रशिक्षित करेंगे, जिसके बाद वे वापस लौट जाएंगे। उन्होंने कहा

कि इससे अमेरिकी कार्यबल मजबूत होगा। ट्रंप का यह बयान उनके मैगा समर्थकों में विवाद पैदा कर रहा है, जहां लॉरा लूमर और बेनी जॉनसन जैसे प्रभावशाली लोग एच-1बी वीजा को 'अमेरिका फर्स्ट' नीति के खिलाफ मानते हैं। वे दावा करते हैं कि यह कार्यक्रम अमेरिकी नौकरियों को विदेशियों के हाथों गंवा देता है। हालांकि, ट्रंप ने फॉक्स न्यूज की लॉरा इंग्राहम को दिए हाल के साक्षात्कार में भी इसी रुख को दोहराया था। साक्षात्कार के दौरान उन्होंने कहा कि अमेरिका में 'कुछ खास प्रतिभाओं' की कमी है। इस बीच, ट्रंप प्रशासन ने इस साल सितंबर में एच-1बी वीजा के लिए एक लाख डॉलर का नवीन शुल्क लगाया था, जो कार्यक्रम को 'कड़ा' बनाने का प्रयास था। यह विवाद रिपब्लिकन पार्टी के अंदर बढ़ते अप्रवासी नीतियों को लेकर तनाव पैदा कर रहा है।

इंडोनेशिया में ज्वालामुखी विस्फोट के बाद फंसे पर्वतारोहियों को सुरक्षित निकाला गया

एजेंसी

जकार्ता। इंडोनेशिया में सेमेरू ज्वालामुखी में विस्फोट के बाद 170 पर्वतारोहियों को सुरक्षित रूप से निकाल लिया गया। स्थानीय मीडिया ने गुरूवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि 'रानू कुम्बोलो निगरानी चौकी' पर फंसे 178 लोगों में पर्वतारोही, पोर्टर, सात गाइड और छह पर्यटन अधिकारी शामिल थे। अन्य आठ के बारे में अभी कोई जानकारी नहीं है। इस बीच खबरों के मुताबिक ज्वालामुखी में विस्फोट हुआ जिसके बाद राख के गुबार और लावे के प्रवाह ने आसपास के क्षेत्रों को अपनी चपेट में ले लिया। लावा तथा चट्टानों के टुकड़े 13 किलोमीटर दूर तक फैले हुए हैं। अधिकारियों ने बताया कि आसपास के क्षेत्रों से 900 से अधिक स्थानीय निवासियों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाया गया है। सेमेरू नेशनल पार्क की अधिकारी सेप्टी वार्धनी के मुताबिक , 'पर्वतारोही और उनके गाइड झील के किनारे कैंपिंग क्षेत्र में रात भर फंसे हुए थे, जो ज्वालामुखी के मुहाने से

लगभग 6.4 किलोमीटर दूर है। अब उन्हें सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने में मदद की जा रही है। सभी पर्वतारोहियों और उनके गाइड सुरक्षित हैं। स्थिति नियंत्रण में है। ' इंडोनेशिया की ज्वालामुखी विज्ञान एजेंसी द्वारा जारी एक वीडियो फुटेज में ज्वालामुखी के मुहाने से भारी मात्रा में गर्म राख का गुबार निकलता दिखाया गयाा, जो पहाड़ियों को ढक रहा था। पूर्वी जावा की बचाव एजेंसी के अधिकारी प्राहिस्ता डियन ने कहा कि ज्वालामुखी के आसपास रहने वाले 956 लोगों को पहले ही स्कूलों, मस्जिदों और सरकारी भवनों में पहुंचा दिया गया है। बचाव दलों ने दर्जनों कर्मियों को तैनात किया है। गौरतलब है कि 3,676 मीटर ऊंचा माउंट सेमेरू इंडोनेशिया के लगभग 130 सक्रिय ज्वालामुखियों में से एक है, जो 'प्रशांत अग्नि वलय' पर स्थित है। यह क्षेत्र पृथ्वी की प्लेटों के टकराव के कारण भूकंपों और ज्वालामुखी के विस्फोटों के लिए जाना जाता है। सेमेरू में पिछला प्रमुख विस्फोट दिसंबर 2021 में हुआ था, जिसमें कम से कम 51 लोगों की मौत हो गई थी और आसपास के गांवों में घरों और सामानों पर राख की परत चढ़ गई थी। इस बीच प्रशासन ने लोगों को बेसुक कोबोकन नदी के किनारे से दूर रहने की सलाह दी है, जहां लावा प्रवाह का खतरा है। अधिकारियों का कहना है कि बचाव कार्य जारी है और स्थिति पर नजर रखी जा रही है।

पाकिस्तान में सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ों में 23 विद्रोही लड़ाके मारे गए

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में खैबर पख्तूनख्वा के कुर्रम जिलेमें सुरक्षाबलों के साथ दो अलग-अलग मुठभेड़ों में 23 विद्रोही लड़ाके मारे गए हैं। पाकिस्तान की सेना के इंटर सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने गुरूवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि सुरक्षा बलों ने बुधवार को 'फितना अल ख्वारिज' विद्रोही संगठन के खिलाफ कुर्रम के एक इलाके में एक अभियान चलाया। इस दौरान सुरक्षाबलों की गोलीबारी में 12 विद्रोही लड़ाके मारे गए। उसी इलाके में विद्रोहियों के एक अन्य समूह के मौजूद होने की सूचना मिलने पर चलाए गए एक अन्य अभियान में ग्यारह और विद्रोही लड़ाके मारे गए। आईएसपीआर ने कहा कि इलाके में छिपे अन्य लड़ाकों का सफाया करने के लिए व्यापक तलाशी अभियान जारी है।

ट्रंप ने कहा- न्यूयॉर्क सिटी के मेयर ममदानी से शुक्रवार को होगी व्हाइट हाउस में मुलाकात

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और हाल में ही न्यूयॉर्क सिटी के निर्वाचित महापौर भारतीय मूल के जोहरान ममदानी शुक्रवार को आमने-सामने होंगे। ट्रंप ने अपने मुखर आलोचक ममदानी के मुलाकात करने के आग्रह को स्वीकार कर लिया है। मदनानी मशहूर भारतीय फिल्मकार मीरा नायर के पुत्र हैं। सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, राष्ट्रपति ट्रंप ने अपने ट्रुथ सोशल में मदनानी से व्हाइट हाउस में शुक्रवार को होने वाली मुलाकात की जानकारी साझा की। उन्होंने कहा कि बैठक का विवरण बाद में दिया जाएगा। ममदानी के प्रवक्ता ने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप ने हमारे मुलाकात के आग्रह को स्वीकार कर लिया है। दोनों की मुलाकात शुक्रवार को वाशिंगटन में होगी। यहां यह महत्वपूर्ण है कि ट्रंप ने इस हफ्ते की शुरुआत में घोषणा की थी कि वे ममदानी से वाशिंगटन में मिलेंगे, लेकिन उन्होंने उस समय तारीख की घोषणा नहीं की थी। मेयर ममदानी मशहूर फिल्म निर्माता मीरा नायर और कोलंबिया यूनिवर्सिटी के प्रो. महमूद ममदानी के बेटे हैं। उनका जन्म और पालन-पोषण युगांडा के कंपाला में हुआ और सात वर्ष की आयु में वह अपने परिवार के साथ न्यूयॉर्क आ गए थे। ममदानी ने 2018 में अमेरिका की नागरिकता हासिल की। एनबीसी न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, कुछ दिन पहले ममदानी ने व्हाइट हाउस से बातचीत का इंतजामम करने के लिए संपर्क किया था। ममदानी के प्रवक्ता डोरा पेकेक ने बुधवार रात एक बयान में कहा, मेयर और राष्ट्रपति के बीच वाशिंगटन में होने वाली मुलाकात में लोगों की सुरक्षा, वित्तीय सुरक्षा जैसे मुद्दों पर चर्चा होगी। ममदानी ने सोमवार को कहा था कि महंगाई की वजह से लोग न्यूयॉर्क शहर से बाहर जा रहे हैं। ट्रंप प्रशासन की आर्थिक नीतियां न्यूयॉर्क में रहने वालों पर भारी पड़ रही हैं। सनद रहे, ट्रंप ने न्यूयॉर्क शहर के मेयर चुनाव में स्वतंत्र उम्मीदवार पूर्व गवर्नर एंड्रयू कुओमो का समर्थन किया था।

साथ ही खुद को डेमोक्रेटिक सोशलिस्ट बताने वाले ममदानी को बार-बार कम्युनिस्ट कहा। ट्रंप ने चार नवंबर के चुनाव से ठीक पहले चेतावनी दी थी कि ममदानी की जीत न्यूयॉर्क शहर के लिए पूरी तरह से आर्थिक और सामाजिक आपदा साबित होगी। ममदानी ने भी अपने विजयी भाषण में ट्रंप को चुनौती दी। उन्होंने कहा था कि अब न्यूयॉर्क की ताकत प्रवासी होंगे। अब शहर एक प्रवासी के नेतृत्व में आगे बढ़ेगा।

ट्रंप ने एपस्टीन फाइल्स विधेयक पर हस्ताक्षर किए

एजेंसी

वाशिंगटन। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बहुचर्चित एपस्टीन फाइल्स विधेयक पर हस्ताक्षर कर दिए। अमेरिकी संसद (कांग्रेस) के दोनों सदनों सीनट और प्रतिनिधि सभा की मंजूरी के बाद इस विधेयक को राष्ट्रपति के पास भेजा गया था। राष्ट्रपति के हस्ताक्षर के बाद अब न्याय विभाग को 30 दिन की अवधि के दौरान यौन अपराधों के दोषी दिवंगत जेफरी एपस्टीन से संबंधित फाइलों को सार्वजनिक करना होगा। इस विधेयक को एपस्टीन फाइल पारदर्शिता अधिनियम (एपस्टीन फाइल्स ट्रांसपेरेंसी एक्ट) के नाम से जाना जाएगा। अमेरिका के ऑनलाइन न्यूज प्लेटफॉर्म एक्सियोस की रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप ने बुधवार रात यह घोषणा की। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर अपनी घोषणा में कहा कि यह नया धोखा डेमोक्रेट्स पर भी वैसा ही भारी पड़ेगा जैसा बाकी सभी पर पड़ा है! सनद रहे कांग्रेस से पारित विधेयक में कहा गया है कि न्याय विभाग को 30 दिनों के अंदर इस संबंध में एफबीआई और अटॉर्नी कार्यालय में मौजूद एपस्टीन से जुड़े दस्तावेज सार्वजनिक करने होंगे। ट्रंप ने पहले एपस्टीन से जुड़ी फाइलें जारी करने की मांग का विरोध किया था। ट्रंप ने लिखा है, शायद इन डेमोक्रेट्स और जेफरी एपस्टीन के साथ उनके संबंधों के बारे में सच्चाई जल्द ही सामने आ जाएगी, क्योंकि मैंने अभी एपस्टीन फाइलें जारी करने के बिल पर हस्ताक्षर किया है! यह भी महत्वपूर्ण है कि जुलाई में न्याय विभाग ने घोषणा की कि वह एपस्टीन के बारे में और कोई जानकारी नहीं देगा। जेफर एपस्टीन ने 2019 में न्यूयॉर्क शहर की जेल में आत्महत्या की थी। एक्सियोस की बुधवार को प्रसारित रिपोर्ट के अनुसार, इतना सब होने के बावजूद फाइलों के सार्वजनिक होने में अभी भी कई बाधाएं हैं। इसकी भाषा न्याय विभाग को विवेकाधिकार की पर्याप्त गुंजाइश देती है। विधेयक की भाषा के अनुसार, अटॉर्नी जनरल किसी सक्रिय संघीय जांच या अभियोजन को खतरे में डालने वाली किसी भी जानकारी को रोक या संपादित कर सकते हैं।

विधेयक में कहा गया है कि अटॉर्नी जनरल ऐसे अभिलेखों को रोक या संशोधित कर सकते हैं जिनमें पीड़ितों के नाम, चिकित्सा दस्तावेज और पहचान संबंधी जानकारी हो। वह बाल यौन शोषण सामग्री को भी सार्वजनिक न करने का फैसला ले सकते हैं। ऐसा करने से पहले न्याय विभाग को कांग्रेस को एक रिपोर्ट भी भेजनी होगी। इसमें विस्तार से सभी कुछ तार्किक आधार पर बताना होगा।

बलोचिस्तान में अगवा शिक्षक का शव नदी में मिला

क्वेटा (बलोचिस्तान)। बलोचिस्तान प्रांत के केच जिले की बुलाइदा तहसील में शब रिको नदी में मिले शव की पहचान निजी स्कूल के शिक्षक अयाज बलोच के रूप में हुई है। मोहम्मद अकबर के बेटे अयाज मिनाज के रहने वाले थे। उन्हें 12 नवंबर को अगवा किया गया था। उनका आज अंतिम संस्कार (सुपुर्द-ए-खाक) किया जाएगा। द बलोचिस्तान पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, पारिवारिक और क्षेत्रीय सूत्रों का कहना है कि अयाज बलोच को 12 नवंबर को स्कूल से घर लौटते समय सरकार समर्थित सशस्त्र समूह के लोगों ने जबरन गायब कर दिया था। परिवार ने घोषणा की है कि गुरुवार सुबह 11 बजे मिनाज में अंतिम संस्कार किया जाएगा। द बलोचिस्तान पोस्ट के अनुसार, सरकार समर्थित सशस्त्र समूहों को स्थानीय लोग मौत के दस्ते के नाम से संबोधित करते हैं। मौत के दस्ते में शामिल बदमाश और गुंडे अकसर नागरिकों, राजनीतिक कार्यकर्ताओं, मानवाधिकार प्रतिनिधियों या असंतुष्टों को निशाना बनाते हैं। राष्ट्रवादी हलकों का मानना है कि इन समूहों को न केवल सरकारी और सैन्य संस्थाओं का समर्थन प्राप्त है, बल्कि अधिकांश पुलिस और अन्य कानून प्रवर्तन एजेंसियां भी इनके खिलाफ कार्रवाई करने से बचती हैं। इन समूहों पर हत्या, अपहरण, बम हमले और नागरिकों को आतंकित करने का आरोप है।

बांग्लादेश में कार्यवाहक सरकार प्रणाली बहाल, सुप्रीम कोर्ट ने 2011 के अपने फैसले को पलटा

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश के उच्चतम न्यायालय के अपीलीय प्रभाग ने आज एक अहम फैसले में कार्यवाहक सरकार प्रणाली (केयरटेकर गवर्नमेंट सिस्टम) को फिर से लागू कर दिया। फैसले में कहा गया है कि यह व्यवस्था 14वें राष्ट्रीय चुनाव से लागू होगी। यह फैसला उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश डॉ. सैयद रेफात अहमद की अगुवाई वाले अपीलीय प्रभाग की सात सदस्यों वाली पीठ ने सुनाया। 10 मई 2011 को उच्चतम न्यायालय ने कार्यवाहक सरकार प्रणाली को खत्म कर दिया था। ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट में फैसले की जानकारी देते हुए बताया गया कि पीठ के बाकी सदस्य न्यायमूर्ति एमडी अशफाकुल इस्लाम, न्यायमूर्ति जुबैर रहमान चौधरी, न्यायमूर्ति एमडी रेजाउल हक, न्यायमूर्ति एसएम इमदादुल हक, न्यायमूर्ति एकेएम असदुज्जमान और न्यायमूर्ति फराह महबूब हैं। फैसले में साफ कहा गया है कि यह आदेश आगामी चुनाव को नियंत्रित नहीं करेगा। खास बात यह है कि बांग्लादेश में 1996, 2001 और 2008 में कार्यवाहक सरकार प्रणाली के तहत संसदीय चुनाव हो

चुके हैं। हालांकि 1991 का संसदीय चुनाव राजनीतिक सहमति से बनी एक अंतरिम सरकार के तहत हुआ था। इस समय देश में अंतरिम सरकार ही है। रिपोर्ट के अनुसार उच्चतम न्यायालय के अपीलीय प्रभाग ने आज अपने 2011 के पुराने फैसले के खिलाफ दायर पुनर्विचार याचिका पर निर्णय सुनाया। उच्चतम न्यायालय ने 2011 में कार्यवाहक सरकार प्रणाली को खत्म कर दिया था। द डेली स्टार की वेबसाइट पर आज सुबह प्रसारित रिपोर्ट में बताया गया था कि अपीलीय प्रभाग ने 11 नवंबर को पुनर्विचार याचिका की सुनवाई पूरी की और फैसला सुनाने के लिए आज का दिन तय किया था। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ताओं ने उच्चतम न्यायालय से अपने 2011 के फैसले को पलटने और देश में स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव कराने और लोकतंत्र स्थापित करने के लिए संविधान में कार्यवाहक सरकार प्रणाली को बहाल करने की अपील की थी।

सनद रहे कार्यवाहक सरकार को कार्यवाहक शासन के रूप में भी जाना जाता है। यह एक अस्थायी तदर्थ सरकार होती है। यह कुछ सरकारी कर्तव्यों और कार्यों को तब तक करती है जब तक कि एक नियमित सरकार निर्वाचित या गठित नहीं हो जाती। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी), जमात-ए-इस्लामी, पांच नागरिकों, नौगांव के स्वतंत्रता सेनानी मोफज्जल इस्लाम और दो संगठनों ने पिछले साल 10 मई 2011 के फैसले को चुनौती देते हुए पुनर्विचार याचिका दाखिल की थी। महत्वपूर्ण यह है कि 10 मई 2011 को उच्चतम न्यायालय ने बहुमत के फैसले में कहा था कि संविधान का 13वां अमेंडमेंट (केयरटेकर गवर्नमेंट से जुड़ा) रद्द और अमान्य है। इसके बाद 30 जून 2011 को जातीय संसद ने 15वां अमेंडमेंट एक्ट पास किया। इसमें कार्यवाहक सरकार प्रणाली को खत्म करने सहित कई बदलाव किए गए। इस बारे में तीन जुलाई 2011 को राजकीय अधिसूचना जारी की गई थी।

page 1 and 8_page 1 Mar 25 final ds.qxd 11/21/2025 12:15 AM Page 2

चने की उन्नत खेती कैसे करें

हरीश कुमार रछेया,
मुकेश शर्मा

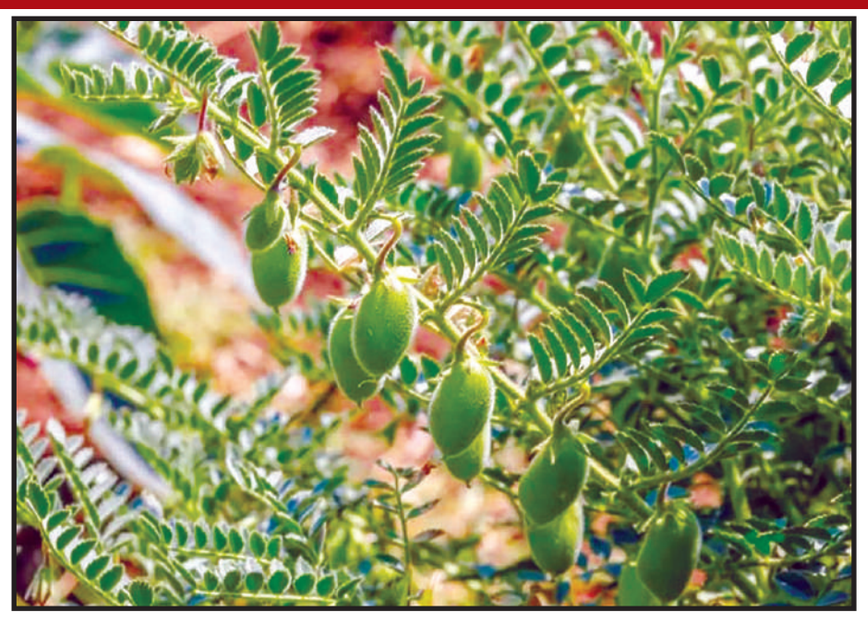

दलहनी फसलों में चना एक महत्वपूर्ण फसल है। भारत में उगाई जाने वाली दलहनी फसलों की कुल पैदावार का लगभग आधा हिस्सा चने से प्राप्त होता है। चने का मुख्य उपयोग दाल-बेसन व हरे चारे का उपयोग सब्जी के रूप में व मिठाईयां बनाने में प्रयुक्त होता है। चने के दानों में 21 प्रतिशत प्रोटीन, 62 प्रतिशत कार्बोहाइड्रेट, रेशा, वसा, कैल्शियम, लोहा तथा हरे चने में प्रचुर मात्रा में विटामिन सी' पाया जाता है। चना दुधारू पशुओं तथा विशेषकर घोड़ों को खिलाने के काम आता है। इस कारण इसकी दाल को घोड़ा-दाल भी कहते हैं। इसका भूसा नमकीन होने के कारण जानवरों के लिये बहुत ही स्वादिष्ट चारा होता है। चने की पत्तियों में मेलिक व ऑक्जेलिक अम्ल होने के कारण उनमें हल्की सी खटास होती है, जो पेट की बीमारियों तथा रक्त शुद्धिकरण में सहायक होती है। भारत में कुल उत्पादन का लगभग 90 प्रतिशत चना उतरप्रदेश, हरियाणा, मध्यप्रदेश, राजस्थान व महाराष्ट्र आदि राज्यों में पैदा होता है।

सिंचाई प्रबंधन- साधारणतया चने की खेती अधिकतर बारानी क्षेत्रों में की जाती है परन्तु जहं सिंचाई की सुविधा उपलब्ध हो वहां मिट्टी व वर्षा को ध्यान में रखते हुए पहली सिंचाई बुवाई के 40-45 दिन बाद एवं दूसरी सिंचाई फलियां बनते समय (60 दिन पर) करनी चाहिये । ध्यान रखे सिंचाई सदैव हल्की ही करें क्योंकि भारी सिंचाई से फसल पीली पड़ जाती है। ज्यादा सिंचाई करने से फसल की वानस्पतिक वृद्धि अधिक हो जाती है। पैदावार कम हो जाती है। यदि एक ही सिंचाई उपलब्ध हो तो 60-65 दिन पर ही सिंचाई करें। यदि खेत में जल्दी उखटा रोग लग जाये तो क्यारी बनाकर बुवाई के 20-25 दिन बाद हल्की सिंचाई करें। यदि रबी मौसम में मावट हो जाये तो चने में सिंचाई की आवश्यकता नहीं होती है

चने में गजरी, कृष्णनील, चटरी-मटरी, सैंजी, हिरनखुनी, बलुआ, गोभी व प्याजी इत्यादि खरपतवार मुख्यत: पाये जाते हैं। प्रथम निराई-गुड़ाई व बुवाई के 30 से 35 दिन तथा आवश्यकता होने पर दूसरी निराई-गुड़ाई व बुवाई के लगभग 55 से 60 दिन बाद की जानी चाहिये। जहां खरपतवारों की अधिक मात्रा में निराई-गुड़ाई करना मुश्किल हो वहां पलेवा के बाद आधा किग्रा (सक्रिय अवयव) फ्लूक्लोरोलिन प्रति हेक्टेयर की दर से 650-750 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करने के तुरन्त बाद जुताई करके मिट्टी में मिला दें। तत्पश्चात चने की बुवाई करें।

पौधों की बढ़वार अधिक होने पर बुवाई के 30-40 दिन बाद पौधे के शीर्ष भाग को तोड़ देना चाहिये। ऐसा करने से पौधों में शाखाएं अधिक निकलती है व फूल भी अधिक आते हैं, फलियां भी प्रति पौधा अधिक आयेगी जिससे पैदावार अधिक होगी। नीपिंग कार्य फूल वाली अवस्था पर कभी भी नहीं करें।

अधिक उत्पादन हेतु सदैव अच्छी उन्नत किस्म के बीजों को ही बुवाई के लिये काम में लेना चाहिये। किस्मों का चुनाव करते समय यह ध्यान रखना आवश्यक है कि अधिक उत्पादन के साथ - साथ ये किस्में रोगों के प्रति प्रतिरोधी हो तथा उस क्षेत्र की जलवायु के लिये उपयुक्त हों ।

सी-235 - इस किस्म के दाने कत्थई कद मध्यम होता है। यह किस्म 140 से 160 दिन में पककर तैयार हो जाती है। उपज 12-20 क्विंटल प्रति हेक्टेयर होती है ।

आरएसजी 44 - सिंचित क्षेत्रों के लिये उपयुक्त यह किस्म 145-150 दिनों में पककर 20-25 क्विंटल प्रति हेक्टेयर की उपज देती है तथा दो फलियों वाली इस किस्म के दाने पीले होते हैं।

एच 208- यह किस्म मध्यम कद की किस्म है, जो लगभग 130 से 150 दिन में पककर तैयार हो जाती है । इसके दाने मध्यम आकार गहरे कत्थई रंग के फल बैंगनी रंग के होते हैं। इसकी उपज 16-20 क्विंटल प्रति हे. होती है। असिंचित स्थितियों में इसकी उपज 10-16 क्विंटल प्रति हेक्टेयर होती है ।

जीएनजी 146 - पौधे मध्यम ऊंचे तथा अर्द्ध खड़े होते हैं। पौधों का रंग धूसर हरा तथा मध्यम आकार का होता है । फूल गुलाबी रंग के होते हैं। इसके 1000 दानों का भार लगभग 140 ग्राम होता है। यह किस्म 145-150 दिन में पककर तैयार हो जाती है। यह झुलसा रोग के प्रति काफी हद तक रोधी है। यह किस्म 24-26 क्विंटल प्रति हेक्टेयर तक पैदावार दे सकती है ।

जीएनजी 663 (वरदान) - यह किस्म 145-150 दिनों में पककर तैयार होती है तथा इसकी पैदावार 20-24 क्विंटल प्रति हेक्टेयर होती है। इस किस्म के दाने भूरे गुलाबी रंग के तथा फूल बैंगनी गुलाबी रंग के होते हैं। इसके 1000 दानों का भार लगभग 150 ग्राम होता है। यह किस्म झुलसा रोग के प्रति काफी हद तक रोधी है।

आरएसजी 888 - यह किस्म 141 दिन में पककर तैयार हो जाती है तथा इसकी पैदावार 20-24 क्विंटल प्रति हेक्टेयर है। यह किस्म विल्ट के प्रति मध्यम प्रतिरोधक है ।

जीएनजी 1581 (गणगौर) - देशी चने की यह किस्म सामान्य बुवाई वाली सिंचित अनुमोदित की गई है, इसके पौधे अर्ध खड़े, मध्यम ऊंचाई वाले बहु द्वितीयक शाखित है। इसके 100 बीजों का भार 16 ग्राम है जो हल्के पीले रंग के होते है। इसके पकने की अवधि 151 दिन है। यह किस्म उखटा, जड़ गलन आदि प्रतिरोधक है।

आरएसजी 945 - चने की यह किस्म 125-130 दिनों में पक जाती है। देरी से बुवाई की स्थिति में बुवाई की जा सकती है औसत उपज 18-22 क्विंटल प्रति हे. है।

आरएसजी 963 - इस किस्म के फूल छोटे तथा बैंगनी रंग के होते हैं तथा बीज लालिमा लिये भूरे रंग के होते हैं। फसल 125-130 दिनों में पककर तैयार हो जाती है। उपज 15-20 क्विंटल प्रति हेक्टेयर प्राप्त होती है।

चने की खेती सभी प्रकार की मृदाओं में की जा सकती है, परन्तु अच्छे जल निकास वाली हल्की दोमट मृदा इसके लिये उपयुक्त रहती है। मध्यम भारी गहरी अच्छे जल निकास वाली मृदा जिसमें लवणीयता तथा क्षारीयता नहीं हो, चने की खेती के लिये उपयुक्त है। मृदा पीएच मान 6.6-7.2 चने की खेती के लिये उपयुक्त होती है व अम्लीय एवं ऊसर मृदाएं चने की खेती के लिए अनुपयुक्त होती है।

बुवाई का समय अधिकतम पैदावार प्राप्त करने के लिये असिंचित व सिंचित क्षेत्र में चने की बुवाई करने का उचित समय क्रमश: अक्टूबर का प्रथम समय व द्वितीय पखवाड़ा है। जिन खेतों में उकटा का प्रकोप अधिक होता है वहां गहरी व देरी से बुवाई करना लाभदायक रहता है।

बीज दर देशी चने की बुवाई के लिये 70-80 किग्रा व बड़े बीज वाली काबुली किस्मों के लिये 80-90 किग्रा और देरी से बुवाई हेतु 90-100 किग्रा बीज प्रति हेक्टेयर की दर से प्रयोग करना चाहिये।

अधिकतम पैदावार के लिये चने की बुवाई हमेशा कतार में करनी चाहिये। देशी चने में कतार से कतार की दूरी 30 सेमी तथा काबुली में 30-45 सेमी रखना चाहिये। सिंचित क्षेत्र में 5-7 सेमी व बारानी क्षेत्रों में सरंक्षित नमी को देखते हुए 7-10 सेमी गहराई तक बुवाई की जा सकती है। फसल के उगने की वृद्धि दर बीज के स्वास्थ्य, बीज की मृदा में गहराई, मृदा तापमान, भूमि की सतह की कठोरता एवं मृदा नमी पर निर्भर करती है। बुवाई ऐसी करनी चाहिये कि कम समय लग और रोगों से बचाया जा सके। बुवाई की गहराई को मृदा किस्म व नमी के अनुसार निश्चित कर सकते है। उथली एवं जल्दी बुवाई करने से उकठा रोग लगने की सम्भावना अधिक रहती है।

जड़ गलन व उखटा रोग की रोकथाम के लिये 2.5 ग्राम थाईरम या 2 ग्राम मैन्कोजेब या 2 ग्राम कार्बेन्डाजिम प्रति किलो बीज की दर से उपचारित करें। जिन क्षेत्रों में दीमक का प्रकोप अधिक होता है। वहां 100 किलो बीज को 600 मिली क्लोरोपायरीफॉस 20 ईसी से बीज को उपचारित करें। बीजों को सदैव राइजोबियम कल्चर से उपचारित करने के बाद ही बोना चाहिये इसके लिये एक हेक्टेयर क्षेत्रफल में चने की बुवाई करने के लिये बीज में तीन पैकेट (600 ग्राम) राइजोबियम कल्चर से बीज उपचारित करना चाहिये। इन कल्चर मिलें बीजों को सुखाने के बाद बुवाई करें।

पोषक तत्व प्रंबधन चने की अच्छी पैदावार के लिये तीन वर्ष में कम से कम एक बार 8-10 टन अच्छी सड़ी हुई गोबर की खाद प्रति हेक्टेयर भूमि की तैयारी के समय अच्छी तरह बिखेर कर मिट्टी में मिलायें। चना एक दलहनी फसल होने के कारण अपनी जड़ों में सहजीवी सूक्ष्म बैक्टीरिया की सहायता से वायुमण्डल में उपस्थित नत्रजन को जड़ों में संग्रहित कर पौधों को आवश्यकतानुसार उपलब्ध कराते हैं। जिसमें भूमि की उर्वराशक्ति बढ़ती है। चने की फसल के लिये अधिक नत्रजन की आवश्यकता नहीं होती है। लेकिन बैक्टीरिया द्वारा वायुमण्डलीय नत्रजन का स्थिरीकरण बुवाई के अवस्था में पौधे की बढ़वार के लिये नत्रजन की आवश्यकता होती है। उर्वरकों की पूरी मात्रा बुवाई के समय बीज के नीचे चद्दह्द्द ह्यद्द डालना चाहिये। दलहनी फसलों में गंधक देने से उपज के साथ-साथ गुणवता में सुधार होता है। गंधक की पूर्ति सिंगल सुपर फॉस्फेट के प्रयोग के द्वारा की जाती है। चने की फसल में 300 किग्रा प्रति हेक्टेयर जिप्सम का प्रयोग व जस्ते, तांबे एवं लोहे की कमी को दूर करने के लिये क्रमश: 10 किलोग्राम जिंक सल्फेट 2.4 किग्रा कॉपर सल्फेट तथा 10 किग्रा फेरस सल्फेट प्रति हेक्टेयर का प्रयोग भूमि में बुवाई के समय करना लाभदायक है।

बारानी क्षेत्रों में 2 प्रति (20 ग्राम/ली. पानी) यूरिया के घोल का छिड़काव चना में फूल चमकने की अवस्था (लगभग 2 प्रति फूल आने) पर करने से उपज में वृद्धि होती है। यदि किसी कारण इस अवस्था पर छिड़काव नहीं कर सकें तो कम से कम फलियां बनाते समय अवश्य करें।

अमरूद के कीट-रोग

फल मक्खी- यह मक्खी बरसात के फलों को हानि पहुंचाती है। यह फल के अंदर अण्डे देती है जिनमें मेगट पैदा होकर गूदे को फल के अंदर खाते है।
नियंत्रण- ग्रसित फलों को नष्ट करें तथा 0.02 प्रतिशत डायजिनान या 0.05 प्रतिशत से 0.1 % मेलाथियान का छिड़काव करें।

मिलीबग- ये कीड़े नये प्ररोहों पर चिपके रहते है तथा रस चूसते हैं, जिससे फूल पैदा नहीं होते है।
नियंत्रण- 1 भाग निकोटीन सल्फेट, 600 भाग पानी में घोलकर छिड़कें । तथा अधिक ग्रसित शाखाओं की काटछाट कर नष्ट कर दें व मेटासिस्टाक्स 0.05 प्रतिशत का छिड़काव करें।

छाल खाने वाली इल्ली- यह पौधे की शाखाओं में छेद बनाकर छिलका खाती है। प्रभावित प्ररोहों पर काले जाले बन जाते हैं। इन जालों में कीड़ों का मल पदार्थ इकट्ठा होता है। ये इल्लियां इन्ही जालों के अंदर हानि पहुंचाती है।

नियंत्रण- छिद्रों में पेट्रोलियम या 40 प्रतिशत फार्मलीन डालें चाहिए या पेराडाइक्लोरोबेंजीन का चूर्ण छिद्रों में भरकर उनको चिकनी मिट्टी से बंद कर लें।

सूखा रोग- अमरुद उत्पादन में यह सबसे बड़ी समस्या है। इसमें शाखाओं ऊपर से सूखनी शुरू होती है तथा पूरी सूख जाती है तथा बाद में पूरा पौधा सूख जाता है। यह एक कवक द्वारा पैदा होता है। यह वर्षा ऋतु में सबसे अधिक देखा जाता है।
नियंत्रण- प्रभावित भागों को काटकर तुरंत नष्ट कर दें जिससे आसपास के पौधे में यह न फैल सके। पौधे के तनों पर बार्डो पेस्टिंग करें व रिडोमिल 0.2 प्रतिशत दवाई थाले में ड्रेंचिंग करें।

फलों का सड़ना- यह फायटोथ्योरा पेरासिटिका कवक द्वारा होता है। यह अधिक आर्द्रता के कारण पहले फलों पर पानी भरे धब्बे दिखाई पड़ते हैं तथा बाद में पूरे पर फैलकर उसे गला देते हैं।
नियंत्रण- 2-2-50 बोर्डोमिश्रण का छिड़काव करें या डाइथेन जेड 78 0.2 प्रतिशत का पौधों पर छिड़काव करें।

बोर्डेक्स मिश्रण (1%) कैसे बनाए ?
बोर्डेक्स मिश्रण (1%) बनाने के लिए आवश्यक सामान
कॉपर सलफेट (26.6%), बिना बुझा चुना (कैल्शियम ऑक्साइड), जूट बैग, मलमल कपड़े की छलनी या बारीक छलनी , मिट्टी/ प्लास्टिक / लकड़ी की टंकी एवं लकड़ी की छड़ी 7

1.कॉपर सलफेट- 10.0 किलो ग्राम
2.बिना बुझा चूना 5.0 किलो (घोल का पी. एच 7 (pH 7) करने के लिए आवश्यक है)
3.पानी 1000 लीटर

विधि पानी की आधी मात्रा में कॉपर सलफेट को रात भर भीगो के रखे (टाट की बोरी से मिश्रण को हिलाना कॉपर सलफेट को घुलने में सहायक होता है)7 चूने को भुझावे, शेष आधे पानी में मिलावे एवं बारीक छलनी से छाने दोनों घोल साथ साथ एक चलनी से एक टंकी / स्प्रे टैंक में डाले तथा इस दौरान लकड़ी की छड़ी से लगातार हिलाते रहे

बोर्डेक्स मिश्रण को जाँच करने की विधि
किसानो को इस बात का ध्यान रखना होगा की बोर्डेक्स मिश्रण में कॉपर की अधिकता नहीं होनी चाहिए क्योकि यह पौधो के लिए विषाक्त होती है इस की जाँच के लिए किसान लोहे की कील / चाकू को घोल में कुछ समय के लिए डुबोए किसान को यह ध्यान देना होगा की अगर कॉपर अधिक होगा तो कील / चाकू भूरे / लाल रंग का हो जाएगा कॉपर अधिक होने की स्थिति में किसान को घोल में चूना और अधिक मिलाना चाहिए

श्रीनगर से शुरू हुए नगर कीर्तन का जम्मू की संगत द्वारा खालसाई जाहो-जलाल के साथ स्वागत, पठानकोट के लिए अगले पड़ाव हेतु रवाना

* नौवें पातशाह का 350वां शहीदी दिवस

*जम्मू/पठानकोट/चंडीगढ़, 20 नवंबर।

नौवें पातशाह साहिब श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी दिवस के संबंध में श्रीनगर से प्रारंभ हुए नगर कीर्तन को जम्मू की संगत ने खालसाई जाहो-जलाल के साथ अगले पड़ाव पठानकोट के लिए रवाना किया। संगतों ने बीती रात स्वागत के समय और आज रवानगी के समय कई-कई किलोमीटर तक नगर कीर्तन के साथ पैदल चलकर शहर को आध्यात्मिक रंग प्रदान किया। जम्मू के चांद नगर स्थित गुरुद्वारा श्री गुरु नानक देव जी में नगर कीर्तन के ठहराव का प्रबंध किया गया था। नगर कीर्तन की जम्मू से रवानगी के दौरान नौजवानों ने गतके का शानदार प्रदर्शन किया और स्थानीय संगत ने श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी पर फूलों की वर्षा की। इस दौरान जम्मू से संगत का बड़ा काफिला नगर कीर्तन के साथ श्री आनंदपुर साहिब के लिए रवाना हुआ। शहर से गुजरते समय जगह-जगह नगर कीर्तन का स्वागत किया गया। सिंह सभा गुरुद्वारा अकाली कौर सिंह नगर, डगियाना द्वारा नगर कीर्तन का जोरदार स्वागत किया गया। इस अवसर पर रजिंदर सिंह वजीर, रजिंदर सिंह रैणा, नरिंदर सिंह वजीर, संदीप सिंह और भारी संख्या में संगत उपस्थित रही। श्री संत मेला सिंह जी दस्तकारी आश्रम में महंत मनजीत सिंह के साथ संगत ने नगर कीर्तन का स्वागत किया। इसी तरह सिंह सभा गुरुद्वारा डगियाना कैंप की संगत ने भी नगर कीर्तन का स्वागत किया। इस मौके पर प्रधान चरणजीत सिंह, मनजीत सिंह, सूरज सिंह और बड़ी संख्या में संगतें मौजूद रहीं।

डगियाल और अमार में विक्रम सिंह सरपंच, स्वर्ण सिंह, सिमरनजीत सिंह, सुरजीत सिंह, जगदीप सिंह, दरबारी सिंह आदि सहित कश्मीरी सिख संगत ने नगर कीर्तन के लिए काहवा के लंगर का प्रबंध किया। कुंजवानी की संगत ने माता वैष्णो देवी बाईपास पर नगर कीर्तन का स्वागत किया। इसी प्रकार सरौर क्षेत्र की संगत ने भी नगर कीर्तन का स्वागत किया और लंगर का प्रबंध किया।

इसके अलावा सांबा ज़िले के विजयपुर क्षेत्र में पूर्व जम्मू-कश्मीर कैबिनेट मंत्री स. मंजीत सिंह, ज्ञानी हरपाल सिंह, जसवीर सिंह, हरनाम सिंह, गुरमीत सिंह, गुरदीप सिंह तथा स्थानीय संगत ने नगर कीर्तन का स्वागत किया और लंगर का प्रबंध किया। इसी प्रकार सांबा के बाड़ी ब्राह्मणा अड्डा पर भी संगत द्वारा नगर कीर्तन का गर्मजोशी से स्वागत किया गया।कठुआ ज़िले के राजबाग क्षेत्र की संगत और ज़िला गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी कठुआ द्वारा राजबाग में नगर कीर्तन का स्वागत किया गया। इस अवसर पर दलजीत सिंह (खज़ांची), कुलदीप सिंह, गुरनाम सिंह, अमरजीत सिंह, जगजीत सिंह आदि उपस्थित रहे।

कालीबाड़ी क्षेत्र की संगत ने नगर कीर्तन का स्वागत किया और ठंडी मीठी लस्सी का लंगर लगाया। गुप्ता अस्पताल के डॉक्टर ए.के. गुप्ता की ओर से भी लंगर का प्रबंध किया गया।

ज़िला गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी कठुआ द्वारा हटली मोड़ पर नगर कीर्तन का स्वागत किया गया। इस अवसर पर ज़िला गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी कठुआ के चरणजीत सिंह भोला, कठुआ के विधायक डॉ. भारत भूषण, तहसीलदार कठुआ जतिंदर शर्मा, तथा प्रवीण सिंह (जनरल सेक्रेटरी) उपस्थित थे। बता दें कि बीती देर रात नगर कीर्तन के जम्मू शहर पहुंचने पर शहर की संगतों ने मांडा में विशेष दीवान सजाकर स्वागत किया था। जिला गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी जम्मू ने संयुक्त रूप से मांडा में नगर कीर्तन का स्वागत किया। इस स्वागत समारोह के लिए गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा गुरु नानक नगर जम्मू, गुरुद्वारा यादगार श्री बाला प्रीतम जी त्रिकुटा नगर जम्मू, प्रबंधक कमेटी गुरुद्वारा यादगार छटी पातशाही जी तालाब तिलो जम्मू, प्रबंधक कमेटी गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा बख्शी नगर जम्मू,प्रबंधक कमेटी गुरुद्वारा यादगार श्री गुरु अंगद पातशाह जी प्रीत नगर जम्मू, प्रबंधक कमेटी गुरुद्वारा कलगीधर साहिब जी रिहाड़ी जम्मू, गुरुद्वारा यादगार संत सुंदर सिंह जी तपो स्थान अखनूर, सुरिंदर सिंह काला प्रधान वेजिटेबल एंड फ्रूट एसोसिएशन नरवाल मंडी आदि ने संयुक्त रूप से प्रबंध किए थे।

मुख्यमंत्री योगी के निर्देशन में AI के जरिये विकास का मॉडल बन रहा उत्तरप्रदेश

लखनऊ, 20 नवंबर: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश एआई के जरिए हर क्षेत्र में वैश्विक मानक तय कर रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा है कि तकनीक के जरिए उत्तर प्रदेश हर क्षेत्र में शीर्ष पर पहुंचे। दुनिया भर में सरकारें एक तरफ जहां आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के जरिए सार्वजनिक सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए प्रयत्नशील हैं। इसे लेकर अधिकतर देश और राज्य अभी प्रयोग कर रहे हैं, वहीं उत्तर प्रदेश एआई को ऐसे पैमाने पर लागू कर चुका है, जो कई वैश्विक उदाहरणों की बराबरी करता है। यूपी का नेतृत्व करने वाले योगी आदित्यनाथ ने तकनीक को नारे की जगह शासन का सिद्धांत बना दिया है, जिसके जरिए भी यूपी अपने समृद्ध भविष्य को नए सिरे से गढ़ रहा है।

रणनीतिक छलांग- भारत के पहले एआई सिटी के रूप में विकसित किया जा रहा लखनऊ
उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ को देश की पहला पूर्ण विकसित एआई सिटी बनाई जा रही है। अन्य स्मार्ट सिटी मॉडलों की तुलना में यहां तकनीक ढांचों को मजबूत किया जा रहा है। सीएम योगी आदित्यनाथ लखनऊ को केवल राजधानी नहीं, बल्कि एआई आधारित शासन का राष्ट्रीय कमांड सेंटर बना रहे हैं।
राज्य समर्थित एआई इनोवेशन हब
अपनी ही भाषा में बने बहुभाषी एआई मॉडल
वैश्विक एआई कंपनियों को आकर्षित करने वाला R&D ढाँचा
इंडियाएआई मिशन के अनुरूप नीति ढाँचे
स्वास्थ्य में एआई: इस क्षेत्र में बड़ी क्रांतिमुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश का स्वास्थ्य क्षेत्र बड़ी क्रांति से गुजर रहा है। यह बदलाव सीएम योगी के उस सोच को प्रदर्शित करता है, जहां स्वास्थ्य केवल इलाज नहीं, बल्कि पूर्वानुमान पर केंद्रित होना चाहिए। एआई इसे संभव बना रहा है।

यूपी के फतेहपुर में भारत का पहला AI-आधारित स्तन कैंसर स्क्रीनिंग केंद्र बनया गया है, जो अधिक सटीकता और शुरुआती पहचान में सक्षम है।

सार्वजनिक स्वास्थ्य डेटा मैनुअल रिपोर्टिंग से हटकर प्रेडिक्टिव मॉडलिंग की ओर बढ़ रहा है।

सरकारी मेडिकल कॉलेजों में निःशुल्क एआई और क्लाउड कोर्स, ताकि अगली पीढ़ी के स्वास्थ्य-तकनीक विशेषज्ञ तैयार किए जा सकें।